विजयादशमी की शुभकामनाएं

गायक जुबिन गर्ग का प्रबंधक व आयोजक गिरफ्तार - 10

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास ने नहीं दिया जवाब - 11

हम गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार पिचों पर खेलना चाहते हैं : गिल - 12

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी 07:11 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 313, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

हम दे रहे हैं खुशियों को जन्म

निःसंतानता

डॉ.लतिका अग्रवाल M.S.

व उनकी विश्व विख्यात IVF-ICSI टीम

डॉ.नरेन्द्र मलहोत्रा, डॉ.जयदीप मलहोत्रा व लीलावती मुम्बई के डॉ.सुदेश कामथ

iVF & FERTILITY

सार्थक टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर, बरेली

Laparoscopy/Hysteroscopy (दूरबीन विधि द्वारा operation) की सुविधा उपलब्ध

पीलीभीत की दिप्ती उम्र 45 वर्ष एवं अनिकेत उम्र 48 वर्ष की शादी को 20 साल हो चुके थे किन्तु उनके कोई सन्तान न थी दिप्ती के गर्भाशय में बहुत बड़े साईज की एक रसौली थी एवं उसकी ट्यूबढा भी बंद थी डॉ. लतिका ने उसकी रसौली का सफलता पूर्व ऑपरेशन किया। उसको आई.वी.एफ. कराने के लिए प्रेरित किया गया तथा राजी होने पर आई.वी.एफ. द्वारा गर्भाशय कराया गया। उसके गर्भ में दो भ्रूण ट्रांसफर किये गये। इसी माह ऑपरेशन द्वारा उसका प्रसव कराया गया। जुड़वा बच्चों को पाकर दम्पत्ति की खुशी का ठिकाना न रहा।

विश्वस्तरीय आधुनिक तकनीक के साथ
IVF की फीस मात्र ₹50,000/- में
(दवाईयों का खर्च अतिरिक्त)
IVF-ICSI
पंजीकरण हेतु कॉल करें : ✆9027092162, 8755669369

परामर्श हेतु कौन दम्पति सम्पर्क कर सकते है

- कम शुक्राणु
- धीमी गतिशीलता
- निल शुक्राणु
- खराब गुणवत्ता

- बंद ट्यूब
- अनियमित पीरियड
- अण्डों में खराबी
- गर्भाशय में रसौली

उपलब्ध सुविधायें

- IUI • IVF • ICSI
- लेपरोस्कोपी
- डोनर सर्विसेज
- ब्लास्टोसिस्ट कल्चर
- हिस्टरोस्कोपी

अतुल लतिका हॉस्पिटल रामपुर बाग, (प्रभा सिनेमा के सामने वाली रोड पर) बरेली

मो. 8755669369, 7505534150, 9927020051, 9027269220, 9837007228

E-mail: drlatikaagarwal@gmail.com | Website: www.latika-ivf.com

निःसंतान दम्पत्तियों के लिए आशा की नई किरण IVF

आईवीएफ (IVF) या इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें अंडाणु और शुक्राणु को प्रयोगशाला में मिलाया जाता है और फिर भ्रूण को गर्भाशय में स्थानांतरित किया जाता है। जानिए आईवीएफ से जुड़े कुछ सामान्य सवालों के जवाब :-

डॉ. रुचि श्रीवास्तव ने महिलाओं सम्बन्धी जटिल मातृत्व रोग के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि आईवीएफ ही विकल्प रास्ता है।

आईवीएफ एक चिकित्सा प्रक्रिया है जिसमें महिला के अंडाशय से अंडे निकालकर उन्हें प्रयोगशाला में शुक्राणु के साथ निषेचित किया जाता है। इसके बाद निषेचित अंडे को महिला के गर्भाशय में प्रत्यारोपित किया जाता है, जहां वह विकसित होकर भ्रूण बनता है।

आईवीएफ कब करवाना चाहिए?

आईवीएफ उन जोड़ों के लिए एक विकल्प हो सकता है जिन्हें गर्भधारण करने में कठिनाई हो रही है। यह उन महिलाओं के लिए भी मददगार हो सकता है जिनके फैलोपियन ट्यूब बंद हैं या जिनके पुरुष साथी में शुक्राणुओं की संख्या कम है। आईवीएफ करवाने का सबसे अच्छा समय तब होता है जब महिला के अंडे स्वस्थ हों और पुरुष साथी में शुक्राणुओं की संख्या पर्याप्त हो। हालांकि, आईवीएफ किसी भी उम्र में करवाया जा सकता है।

आईवीएफ क्यों करवाना चाहिए?

आईवीएफ उन जोड़ों को माता-पिता बनने का अवसर प्रदान करता है जो स्वाभाविक रूप से गर्भधारण करने में सक्षम नहीं हैं। यह उन महिलाओं के लिए भी एक विकल्प हो सकता है जो अकेले माता-पिता बनना चाहती हैं।

आईवीएफ किससे करवाना चाहिए?

आईवीएफ एक जटिल प्रक्रिया है, इसलिए इसे हमेशा एक अनुभवी प्रजनन विशेषज्ञ द्वारा ही करवाना चाहिए। प्रजनन विशेषज्ञ आपकी व्यक्तिगत स्थिति के आधार पर आपको आईवीएफ के बारे में सबसे अच्छी सलाह दे पाएगा।

आईवीएफ के फेल होने के क्या कारण हैं?

आईवीएफ के फेल होने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं :-

- अंडों की गुणवत्ता
- शुक्राणुओं की गुणवत्ता
- भ्रूण की गुणवत्ता
- गर्भाशय की स्थिति
- महिला की उम्र
- जीवनशैली कारक, जैसे धूम्रपान और शराब का सेवन।

यदि आप आईवीएफ पर विचार कर रही हैं, तो अपने प्रजनन विशेषज्ञ से बात करना महत्वपूर्ण है। वे आपको आईवीएफ के जोखिमों और लाभों के बारे में बता पाएंगे और यह तय करने में आपकी मदद कर पाएंगे कि यह आपके लिए सही विकल्प है या नहीं।

IVF और IUI मे क्या अंतर है?

आईवीएफ और आईयूआई दोनों ही बांझपन के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीकें हैं, लेकिन दोनों में कुछ अहम फर्क हैं। आईयूआई (Intrauterine Insemination)

- आईयूआई में, शुक्राणु को सीधे गर्भाशय में डाला जाता है।
- यह एक सरल और कम खर्चीली प्रक्रिया है।
- आईयूआई उन महिलाओं के लिए ज्यादा कारगर है जिनके पति के शुक्राणुओं की गुणवत्ता अच्छी नहीं है या जिनमें सर्वाइकल म्यूकस की समस्या है।
- आईयूआई की सफलता दर आईवीएफ की तुलना में कम है।

आईवीएफ (In Vitro Fertilization)

- आईवीएफ में, अंडे और शुक्राणु को शरीर के बाहर एक लैब में मिलाया जाता है।
- निषेचन के बाद, भ्रूण को वापस गर्भाशय में प्रत्यारोपित किया जाता है।
- आईवीएफ एक जटिल और महंगी प्रक्रिया है।
- आईवीएफ उन महिलाओं के लिए ज्यादा कारगर है जिनके फैलोपियन ट्यूब बंद हैं या जिनमें गंभीर बांझपन की समस्या है।
- आईवीएफ की सफलता दर आईयूआई की तुलना में ज्यादा है।

सभी बच्चेदानी व अंडेदानी की गांठ/ रसौली का ऑपरेशन दूरबीन विधि द्वारा उपलब्ध।

चुपचाप ना सहें, निःसंतान होने की पीड़ा....

नन्हीं खुशियों की दस्तक, तकनीक से संभव

डा. रुचि श्रीवास्तव
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
स्त्री एवं प्रसूति रोग, IVF विशेषज्ञ

Artificial Insemination, Egg/Sperm Donor Facility Available

रुचि आईवीएफ, निकट टेलीफोन एक्सचेंज, चौपला बरेली मो. 9927077872

Advt.

न्यूज ब्रीफ

वीआईपी ग्रुप ने नवरात्र पर किया पौधरोपण

शाहजहांपुर, अमृत विचार : नवरात्रि की महानवमी के पावन अवसर पर वीआईपी ग्रुप विद हैल्पिंग हैंड्स के सदस्यों ने नवादाइन्देपुर में 9 पौधे लगाए। ग्रुप के महासचिव सतीश सक्सेना ने बताया पौधों की सुरक्षा के लिए 9 ट्री-गार्ड भी लगाए गए। इस अवसर पर ग्रुप की अध्यक्ष दीपमाला रस्तोगी ने कहा इस प्रकार के प्रयास न केवल पर्यावरण को संरक्षित करते हैं, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाने में भी मदद करते हैं। ग्रुप की कोषाध्यक्ष ज्योति गुप्ता ने कहा कि युवा पीढ़ी को प्रकृति के महत्व को समझाने और पौधारोपण के प्रति प्रेरित करने के लिए ऐसे कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं। इस अवसर पर मनीषा और दिव्या भी उपस्थित रहीं।

कुर्रिया कलां दुर्गा मंदिर के कपाट खुले

गौरव मिश्रा, कुर्रिया कलां

अमृत विचार: प्रसिद्ध दुर्गा देवी मेला 2 से प्रारंभ होकर 4 अक्टूबर तक चलेगा। इसी क्रम में गुरुवार सुबह 4 बजे कुर्रिया कला के प्राचीन दुर्गा देवी मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए।

दूर-दूर से आए श्रद्धालु सुबह से ही मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए उमड़ पड़े। पुजारी गुरुदेव दीक्षित ने बताया सैकड़ों वर्षों से यहां साल में दो बार तीन दिवसीय मेले का आयोजन होता है। इन दिनों मंदिर के कपाट खुलने पर हजारों की संख्या में प्रदेश व देशभर से श्रद्धालु मां के दर्शन करने पहुंचते हैं। इस दौरान मंदिर परिसर और आसपास का इलाका भक्तिमय हो जाता है।

मान्यता है करीब पांच सौ वर्ष पूर्व ओयल स्टेट (लखीमपुर-खीरी) के तत्कालीन राजा द्वारा लाई गईं देव प्रतिमाओं को सहतावन लाल दीक्षित ने अपने घर में प्रतिष्ठित करने का विचार किया था। लेकिन शारदीय नवरात्र और चैत्र नवरात्र की दशमी पर मूर्तियों के कपाट अपने आप खुलकर तीन दिन बाद बंद हो गए। तभी से इस मंदिर में साल में दो बार तीन दिन के लिए कपाट खोले जाते

कुर्रिया कला दुर्गा मंदिर। ● अमृत विचार

हैं। मंदिर परिसर में तीन दिन विशाल मेला भी लगता है। इसमें दूर-दूर से दुकानदार अपनी दुकानें सजाते हैं। आसपास के करीब 50 गांव की महिलाएं इसी मेले से अपनी जरूरत का सामान खरीदती हैं। यहां प्रसाद में नारियल और चीनी का बूरा चढ़ाने की परंपरा है। साथ ही भक्त साज-श्रृंगार का सामान भी देवी मां को अर्पित करते हैं।मेले का प्रमुख आकर्षण लोकनृत्य और धार्मिक नौटंकी है। ढोलक, तबला और हारमोनियम की थाप पर प्रस्तुतियां दर्शकों का मन मोह लेती हैं। दुर्गा देवी मेला समिति के अध्यक्ष सोनपाल सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं और दुकानदारों की सुविधा के लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने सभी ग्रामीणों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की।

● सैकड़ों साल पुराना है मंदिर का इतिहास, साल में केवल छह दिन खुलता है दरबार

नवमी पर मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: शारदीय नवरात्र की नवमी पर जिलेभर के देवी मंदिरों और घरों में भक्तिमय माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने हवन-पूजन कर कन्याओं का पूजन किया और माता से आशीर्वाद लिया।

नवमी पर बाबा विश्वनाथ मंदिर, श्रीरुद्र बालाजी धाम, कालीबाड़ी मंदिर, चौक स्थित फूलमती मंदिर सहित कई देवी मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने दर्शन कर माता के जयकारे लगाए। मंदिरों में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन-पूजन संपन्न हुआ।

आरती के समय वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके साथ ही सामूहिक रूप से कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया। शहर के विभिन्न घरों में भी श्रद्धालुओं ने कन्याओं को आमंत्रित कर पूजन किया और उपहार देकर आशीर्वाद लिया। वहीं पूरे दिन मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

विजयादशमी की शुभकामनाएं

गायक जुबिन गर्ग का प्रबंधक व आयोजक गिरफ्तार- 10

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास ने नहीं दिया जवाब - 11

हम गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार पिचों पर खेलना चाहते हैं : गिल - 12

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी 07:11 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 313, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर होगा जश्न

नई दिल्ली। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न पूरे देश में मनाया जाएगा। संविधान सभा ने बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस गीत की भूमिका को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसके 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में देशव्यापी समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को पेसमेकर लगाया

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बुधवार को पेसमेकर लगाया गया। उनके बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने बताया कि 83 वर्षीय खरगे को मंगलवार को शहर के एमएस रमैया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें पेसमेकर लगाने की सलाह दी गई थी। वह अब बेहतर हैं।

वाणिज्यिक एलपीजी 15.50 रु. महंगा हुआ

नई दिल्ली। विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में बुधवार को तीन प्रतिशत से अधिक और वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत में 15 .50 रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई। तेल कंपनियों ने होटल और रेस्त्रां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत 15 .50 रुपये प्रति सिलेंडर (19 किग्रा) बढ़ा दी। दिल्ली में वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत अब 1,595 .50 रुपये है।

प्रतिबंधों-साजिशों के बावजूद संघ ने कभी कटुता नहीं दिखाई : मोदी

आरएसएस की स्थापना के शताब्दी अवसर पर बोले प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की शताब्दी के अवसर पर बुधवार को आरएसएस की प्रशंसा की और कहा कि प्रतिबंधों और साजिशों के बावजूद संगठन ने कभी कटुता नहीं दिखाई क्योंकि यह राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर काम करता रहा।

संघ के शताब्दी समारोह में भाग लेते हुए मोदी ने राष्ट्र निर्माण में संघ के योगदान पर प्रकाश डाला और कहा कि संघ जाति या पंथ के भेदभाव को दूर करके सद्भाव को बढ़ावा देने और एक समावेशी समाज का संदेश फैलाने के लक्ष्य के साथ देश के कोने-कोने तक पहुंचा है।

मोदी ने कहा कि संघ ने अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। उनका एकमात्र हित हमेशा राष्ट्र के प्रति प्रेम रहा है। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों ने स्वतंत्रता सेनानियों को शरण दी और इसके संस्थापक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार भी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कई बार जेल गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आरोप लगाकर और झूठे मामले दर्ज करके आरएसएस की भावना को कुचलने के कई प्रयास किए गए हैं।

उन्होंने महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगे प्रतिबंध का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि आरएसएस ने अपने खिलाफ झूठे मामले दर्ज होने, प्रतिबंध लगाने और अन्य चुनौतियों के बावजूद कभी कटुता नहीं दिखाई, क्योंकि हम ऐसे समाज का हिस्सा हैं जहां हम अच्छे और बुरे, दोनों को स्वीकार करते हैं। उसका यही मंत्र रहा है कि जो अच्छा है, जो कम अच्छा, सब हमारा है।

मोदी ने कहा कि तत्कालीन आरएसएस प्रमुख माधव गोलवलकर को भी झूठे मामले में फंसाकर जेल भेज दिया गया था। फिर भी जब वह बाहर आए तो उन्होंने शांत मन से कहा कि कभी कभी जीभ दांतों के नीचे आकर दब जाती है, कुचल जाती है, लेकिन हम दांत नहीं तोड़ देते, क्योंकि दांत भी हमारे हैं, जीभ भी हमारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक 'स्वयंसेवक' का लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं में अटूट विश्वास है, जिसने उन्हें चुनौतियों का सामना करने की शक्ति दी।

उन्होंने कहा कि जब आपातकाल लगाया गया, तो इसी विश्वास ने प्रत्येक स्वयंसेवक को उसका सामना करने की शक्ति दी। मोदी ने कहा कि समाज के साथ एकजुटता और संवैधानिक संस्थाओं में आस्था - इन दो मूल मूल्यों ने स्वयंसेवकों को हर संकट में धैर्यवान और संवेदनशील बनाए रखा है।

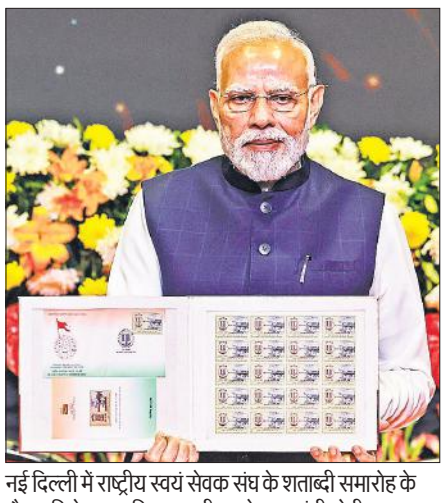

नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी समारोह के दौरान विशेष डाक टिकट जारी करते प्रधानमंत्री मोदी।

- कहा-राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सराहनीय भूमिका, लोकतंत्र में अटूट विश्वास

संघ के 100 साल पर डाक टिकट, सिक्का जारी किया

प्रधानमंत्री ने आरएसएस की स्थापना के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट और एक स्मारक सिक्का भी जारी किया। उन्होंने कहा कि 100 रुपये के सिक्के पर एक तरफ राष्ट्रीय चिन्ह है, तो दूसरी तरफ सिंह पर विराजमान भारत माता की छवि और स्वयंसेवक भक्ति और समर्पण के साथ उनके सामने नतमस्तक होते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार भारतीय मुद्रा पर भारत माता की छवि अंकित की गई है, जो अत्यंत गौरव और ऐतिहासिक महत्व का क्षण है।

मुठभेड़ में दो गैंगस्टर के पैर में लगी गोली, लूटी गन बरामद

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : शहर में हुए बवाल में अपराधी और गैंगस्टर भी शामिल हुए थे। पथराव और फायरिंग के दौरान एसपी सिटी मानुष पारीक के गनर से एंटी रायट गन लूटने वाले दो गैंगस्टरों की सीबीगंज पुलिस के साथ बुधवार सुबह मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने दोनों के घुटने में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। साथ ही लूटी हुई एंटी रायट गन भी बरामद की है। उधर, दंगा कराने की कोशिश में लगे तौकीर रजा के करीबी डॉ. नफीस खां और उनके बेटे समेत 8 और आरोपियों को जेल भेजा है। अभी तक कुल 82 उपद्रवी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

आई लव मोहम्मद पोस्टर विवाद को लेकर आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर जुमे की नमाज के बाद उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव और फायरिंग की थी। बवाल में अपराधियों और गैंगस्टरों ने भी हाथ आजमाए थे। इसका खुलासा बुधवार की सुबह सीबीगंज पुलिस के साथ दो गैंगस्टरों से मुठभेड़ के बाद हुआ।

सीबीगंज पुलिस बंडिया नहर हाईवे पुलिया के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी बीच दो बदमाश बाइक से आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोका तो फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में गोली जा घुसी। फिर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों की पहचान इस्लामनगर पंखा खेड़ा थाना मदनापुर शाहजहांपुर निवासी इदरीश और इकबाल के रूप में हुई। इदरीश पर गंभीर आरोपों में 20 और इकबाल पर 17 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। दोनों से दो तमंचे, लूटी गई एंटी रायट गन, बाइक और दो फोन बरामद हुए हैं। उधर, कोतवाली पुलिस ने कंघीटोला किला निवासी आरोपी डॉ. नफीस खां और उसके बेटे फरहान खां को गिरफ्तार कर लिया है। उनसे लैपटॉप बरामद हुआ है। पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है।

बरेली बवाल

- दंगा कराने की कोशिश में लगे डॉ. नफीस और बेटे फरहान समेत 9 को भेजा गया जेल

पुलिस की गिरफ्त में डॉ. नफीस और फरहान।

सिपाही से एंटी रायट गन लूटने वाले दो गैंगस्टरों को मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार किया गया है। दोनों से लूटी गई गन बरामद की गई है। बवाल कराने में शामिल रहे डॉ. नफीस, उसके बेटे समेत 8 अन्य आरोपियों को बुधवार को जेल भेजा गया है। -**अनुराग आर्य**, एसएसपी, बरेली।

कन्या पूजन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महानवमी पर गोरखपुर में कन्या पूजन किया। देवी स्वरूपा कन्याओं के पांव पखारे, अपने हाथों से भोजन परोसा और दक्षिणा-उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया।

आरबीआई ने रेपो रेट को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने उम्मीद के मुताबिक बुधवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.5 प्रतिशत पर बरकार रखा। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के साथ-साथ पूर्व में नीतिगत दर में की गई कमी और हाल ही में कर दरों में कटौती के परिणामों पर अधिक स्पष्टता की प्रतीक्षा के साथ आरबीआई ने यह निर्णय किया। हालांकि, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आने वाले महीनों में अमेरिकी शुल्क के किसी भी प्रभाव से अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए रेपो दर में कमी की संभावना का संकेत दिया। केंद्रीय बैंक ने मौजूदा परिस्थितियों पर गौर करते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया। साथ ही खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को घटाकर 2.6 प्रतिशत किया है।

छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आम सहमति से रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने के पक्ष में मतदान किया। इसके साथ ही मौद्रिक नीति रुख 'तटस्थ' बनाए रखने का भी फैसला लिया। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। यह लगातार दूसरी बार है, जब रेपो दर को यथावत रखा गया है। इससे पहले, केंद्रीय बैंक के गवर्नर की अध्यक्षता वाली एमपीसी ने फरवरी से जून तक रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती की थी।

- आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया

रेपो दरों को स्थिर रखना विवेकपूर्ण कदम : मल्होत्रा

मल्होत्रा ने कहा कि नीतिगत कदमों के प्रभाव को समझने और अगला कदम उठाने से पहले चीजें अधिक स्पष्ट होने के लिए दरों को स्थिर रखना विवेकपूर्ण कदम है। एमपीसी के निर्णयों की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा वृहद आर्थिक परिस्थितियों और भविष्य ने वृद्धि को और अधिक समर्थन देने के लिए नीतिगत गुंजाइश पैदा की है। एमपीसी ने इस बात पर भी गौर किया कि पूर्व में उठाए गए मौद्रिक नीति और हाल के राजकोषीय उपायों का प्रभाव अभी भी जारी है।

दो किशोरों की हत्या करने के बाद तीन परिजनों समेत लगाई आग

संवाददाता, बहराइच

सनसनी

- बहराइच में 6 लोगों की मौत से मचा हड़कंप, चार मवेशी भी जिंदा जले

अमृत विचार : जिले के निंदुनपुरवा टेपरहा गांव में बुधवार सुबह एक घर के अंदर छह लोगों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। एक किसान ने दो किशोरों को खेत में लहसुन की बोवाई के लिए बुलाया। घर पहुंचकर किसान ने इन दोनों की धारदार हथियार से हत्या कर दी और स्वयं पूरे परिवार और मवेशियों को बंद करके घर में आग लगा दी। जिससे किसान, उसकी पत्नी और दो बेटियों की जलकर मौत हो गई। चार मवेशी भी जिंदा जले हैं।

रामगांव थाना क्षेत्र के निंदुनपुरवा टेपरहा गांव में विजय कुमार मौर्य खेती और पशुपालन करता था। बुधवार सुबह खेत में लहसुन की बोवाई के लिए गांव के तीन किशोरों को घर बुलवाया था।

मंत्रिमंडल के फैसले

1 करोड़ 18 लाख कर्मियों-पेंशनर्स को मिला दिवाली का तोहफा

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3 % बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिवाली का तोहफा देते हुए बुधवार को लगभग 49.19 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68.72 लाख पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत की वृद्धि की।

डीए और डीआर अभी तक मूल वेतन/पेंशन का 55 प्रतिशत था और इसमें तीन प्रतिशत की वृद्धि एक जुलाई, 2025 से प्रभावी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि डीए और डीआर में वृद्धि के कारण राजकोष पर कुल मिलाकर 10,083.96 करोड़ रुपये का सालाना प्रभाव पड़ेगा। यह वृद्धि 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित फॉर्मूले के अनुसार है।

खुलेंगे 57 नए केंद्रीय विद्यालय

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 57 नए केंद्रीय विद्यालय (केवी) खोलने के लिए बुधवार को मंजूरी दी, जिससे 86 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। इन केंद्रीय विद्यालयों में से सात केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा और शेष राज्य सरकारों द्वारा प्रायोजित किए जाएंगे। नव स्वीकृत 20 केंद्रीय विद्यालयों को ऐसे जिलों में खोलने का प्रस्ताव है, जहां केंद्रीय कर्मचारियों की महत्वपूर्ण संख्या के बावजूद वर्तमान में कोई केंद्रीय विद्यालय नहीं है।

गेहूं का एमएसपी 160 रुपये बढ़ा

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फसल विपणन सत्र 2026-27 के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 6.59 प्रतिशत बढ़ाकर 2,585 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। इस तरह गेहूं के एमएसपी में 160 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। कुसुम की एमएसपी में 600 जबकि मसूर में 300 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। रेपसीड एवं सरसों के लिए यह वृद्धि 250 है। चने में 225, जौ में 170 रुपये प्रति क्विंटल वृद्धि की गई है।

न्यूज ब्रीफ

सुविधा शुल्क मांगने का आरोप

भावलखेड़ा, अमृत विचार : नगर निगम वार्ड संख्या 23 के पार्षद सिद्धार्थ शुक्ला ने डीएम को दिए गए पत्र में बताया कि क्षेत्र के लेखपाल जाति, आय, निवास प्रमाणपत्र एवं आवासों की जांच के नाम पर सुविधा शुल्क की मांगते है। आरोप है सुविधा शुल्क न देने पर अपनी रिपोर्ट नहीं लगाते है। उनकी कई लोगों ने शिकायत की है। पार्षद ने मांग की है कि जांच करके कार्रवाई की जाए।

झूठी रिपोर्ट दर्ज होने का किया विरोध

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कटरा में बंच केबल चोरी के मामले में फंसे नगर पंचायत के ट्रैक्टर चालक को निर्दोष बताते हुए हड़ताल की चेतावनी देते हुए बुधवार को सफाई कार्य नहीं किया। सभासद पति विनीत कुमार एवं समाज सेवी गौरव सागर के नेतृत्व में सफाई कर्मचारी कटरा थाना पर पहुंचे और प्रभारी निरीक्षक जुगुल किशोर से मिले। सफाई कर्मचारियों और सभासद पति ने प्रभारी निरीक्षक से कहा बंच केबल के बंडल की दर्ज चोरी की रिपोर्ट निरस्त की जाए। सफाई कर्मचारियों ने कहा फर्जी मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा स्पंज नहीं किया गया तो सफाई कर्मचारी हड़ताल पर चले जाएंगे, जिसके लिए पुलिस प्रशासन जिम्मेदार होगा। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि काम पर जाए और निर्दोष लोगों को जेल नहीं भेजा जाएगा।

विद्युत उपभोक्ता की टीम से हाथापाई

भावलखेड़ा, अमृत विचार : रौसरकोठी में बकाया बिल का कनेक्शन काटने गई विद्युत विभाग की टीम के साथ अभद्रता और मारपीट की है। बकायादार पर 58 हजार रुपये का बिल बकाया था। विद्युत विभाग के जेई अरविंद कुमार के नेतृत्व में विद्युत विभाग की टीम मंगलवार की दोपहर रौसरकोठी में बकाया वसूली को लेकर कनेक्शन काटने गयी थी। आरोप है कि एक उपभोक्ता पर 58 हजार रुपये का बिजली का बिल बकाया था। लाइनमैन जैसे की कनेक्शन काटने के लिए आगे बढ़ा तो बकाएदार से गाली-गलौज और हाथापाई होने लगी।

यात्रियों को स्वच्छता की दिलाई गई शपथ

शाहजहांपुर,अमृत विचार : मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता के निर्देशन पर रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता पखवाड़ा अभियान की शुरुआत हुई। इस दौरान स्टेशन पर अधिकारी, कर्मचारियों और यात्रियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। स्वच्छता को लेकर हस्ताक्षर अभियान और रैली निकाली गई। यह अभियान 15 तक चलेगा। रेलवे के सीनियर सुपरवाइजर यतीन्द्र सिंह त्रिवेदी ने बुधवार को रेलवे स्टेशन पर शपथ दिलाते हुए कहा स्टेशन को घर की तरह साफ सुथरा रखेंगे, न खुद गंदगी करेंगे और न दूसरों को गंदगी करने देंगे।

कर्मचारियों ने की ओपीएस बहाली और आठवें वेतन आयोग की मांग

गुब्बारे छोड़कर उठाई आवाज़, 9 नवंबर को दिल्ली में होगा विशाल आंदोलन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: ऑल इंडिया एनपीएस एम्प्लाइज फेडरेशन के आह्वान पर जिले सहित पूरे प्रदेश में ध्यानाकर्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक व कर्मचारी एकत्र हुए और हाथों में मांगों की तख्तियां लेकर गुब्बारे छोड़कर अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने का प्रयास किया। कर्मचारियों और शिक्षकों ने तीन प्रमुख मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इनमें 8वें वेतन आयोग का शीघ्र गठन, सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करना और पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल करना प्रमुख रूप से शामिल रहा।

प्रदेश अध्यक्ष अंकुर त्रिपाठी विमुक्त ने कहा सरकार बार-बार कर्मचारियों और शिक्षकों की जायज मांगों को टाल रही है। ओपीएस बहाली कर्मचारियों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। यदि सरकार ने ठोस कदम नहीं उठाया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। जिलाध्यक्ष शाहजहांपुर शिवम शर्मा ने कहा शिक्षक समाज की नींव हैं, लेकिन नीतियां उन्हें निराश कर रही हैं। ओपीएस बहाली न होने से युवा शिक्षकों और कर्मचारियों का भविष्य अधर में है।

गुब्बारे छोड़कर ओपीएस बहाली और 8वें वेतन आयोग की मांग उठाते शिक्षक नेता।

उन्होंने कहा 9 नवंबर को दिल्ली में होने वाला विशाल आंदोलन निर्णायक साबित होगा। महामंत्री हेमंत कुमार सक्सेना ने कहा आज गुब्बारा छोड़कर आयोजित यह ध्यानाकर्षण कार्यक्रम एक चेतावनी है। ओपीएस बहाली सिर्फ कर्मचारियों का ही नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा का प्रश्न है।

फेडरेशन नेताओं ने स्पष्ट किया कि आंदोलन चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ेगा। 9 नवंबर को दिल्ली में विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर से शिक्षक और कर्मचारी शामिल होंगे। ध्यानाकर्षण कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। गुब्बारे छोड़ते समय कर्मचारियों और शिक्षकों ने सामूहिक रूप से नारे लगाए और अपनी मांगों को सरकार तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में अमित भटनागर, ध्रुवकांत श्रीवास्तव, शोभित मिश्रा, सतीश गुप्ता, अरविन्द गुप्ता, अमित गुप्ता, नीरज राठौर, पुनीत सारस्वत, अमृत कुमार, विवेक कुमार, अहमद फराज, अमित कुमार, आनन्द प्रिय, अंकित कंचन, अनमोल वर्मा, कवच गुप्ता, बलराम यादव, दिनेश कुमार, मनोज कुमार, नरेश कुमार, मनोज मिश्रा, पूनम, अनीता विष्ट, प्रशांत त्यागी, सुबोध यादव, अमित कुमार आदि मौजूद रहे।

वरुण अर्जुन विवि में आयुष सेवाओं को लेकर लगा जागरूकता शिविर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: वरुण अर्जुन विवि के अंतर्गत संचालित वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड हास्पिटल में बुधवार को "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान 2025" के 14वें दिन "आयुष सेवाओं पर जागरूकता शिविर" का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. रविन्द्र नाथ शुक्ला ने कहा कि आयुष सेवाएं भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं और आज की बदलती जीवनशैली में इसका महत्व और अधिक बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने दैनिक जीवन में आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपनाएं, हर्बल औषधियों का उपयोग करें और नियमित योग एवं प्राणायाम का अभ्यास करें।

यह विशेष आयोजन विश्वविद्यालय प्रशासन, चिकित्सा संकाय और कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के सामूहिक प्रयासों से किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज को आयुष पद्धतियों आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी के महत्व से अवगत कराना। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पंडित श्यामा राव

जागरूकता शिविर को संबोधित करती महिला चिकित्सक। ● अमृत विचार

● आयुष सेवाएं भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं: डा. रविन्द्र नाथ शुक्ला

पवार ने कहा आयुष पद्धति केवल चिकित्सा का साधन नहीं बल्कि जीवन जीने का विज्ञान है। उन्होंने कहा कि सही खानपान, योगाभ्यास और स्वच्छ दिनचर्या ही अच्छे स्वास्थ्य की नींव हैं। उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और आयुष पद्धति एक-दूसरे के पूरक हैं। योगाचार्य ललित कुमार चौहान ने कहा कि योग और प्राणायाम का नियमित अभ्यास तनाव, अनिद्रा, अवसाद और मोटापा जैसी समस्याओं से मुक्ति दिला सकता है। आयुर्वेद चिकित्सक शिवानी गुप्ता ने कहा आयुर्वेद केवल रोगों का उपचार करने की पद्धति नहीं है, बल्कि यह एक पूर्ण जीवनशैली है। कार्यक्रम के अंत में प्रबंधन की ओर से चांसलर डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रो-चांसलर डॉ.अशोक कुमार अग्रवाल और वाइस चांसलर डॉ. किरन अग्रवाल ने संयुक्त वक्तव्य जारी कर कहा स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार की आधारशिला है और स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान 2025" का यह 14वां दिन समाज को एक नई दिशा देने वाला है।

जनपद न्यायालय परिसर में दो वाटर कूलर मशीन लगी

शाहजहांपुर, अमृत विचार: बैंक ऑफ बड़ौदा शाहजहांपुर के सौजन्य से दो वाटर कूलर मशीन न्यायालय परिसर में लगाई गई हैं, जिसका उद्घाटन जनपद न्यायाधीश /अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विष्णु कुमार शर्मा ने किया। जनपद न्यायाधीश ने बताया वाटर कूलर लगने से न्यायालय परिसर में सभी वादकारियों एवं अधिवक्ताओं को स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। इस दौरान अपर जिला जज पंकज कुमार श्रीवास्तव, शिव कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ओमप्रकाश मिश्र, नरेन्द्र नाथ पाण्डेय, कृष्ण लीला यादव, बैंक आफ बडौदा के क्षेत्रीय प्रबन्धक दीपक कुमार, अग्रणी जिला प्रबन्धक (एलडीएम) आरआर तिवारी, मुख्य प्रबन्धक प्रदीप सिंह, लीगल एड डिफेंस काउन्सिल के चीफ दिनेश कुमार मिश्रा, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउन्सिल अजमल हसन, असिस्टेट विवेक शर्मा व शालिनी उपस्थित रहे।

शिक्षिका की रचना काव्य संग्रह में प्रकाशित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: शैक्षिक नवाचार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की ओर से शैक्षिक नवाचार काव्य संग्रह पुस्तक का लोकार्पण एवं सम्मान समारोह लखनऊ में धूमधाम से हुआ।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयुक्त उत्तर प्रदेश लखनऊ स्वतंत्र प्रकाश गुप्त रहे। उन्होंने इस अवसर पर शाहजहांपुर के कंपोजिट विद्यालय दौलतपुर की शिक्षिका विनीता चौरासिया, शिक्षक लाल सिंह एवं शिक्षक आशीष कुमार को सम्मानित किया। इस अवसर पर उप शिक्षा निदेशक बेसिक शिविर कार्यालय लखनऊ वीरेंद्र प्रताप सिंह, रीजनल डायरेक्टर एजुकेशन इंटरनेशनल एशिया पेसिफिक रीजन आनन्द सिंह, प्रदेश अध्यक्ष शैक्षिक नवाचार एसोसिएशन एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह

सम्मान समारोह में सम्मानित होतीं शिक्षिका विनीता चौरासिया। ● अमृत विचार

● लखनऊ में शैक्षिक नवाचार काव्य संग्रह पुस्तक लोकार्पण समारोह सम्पन्न

तथा प्रदेश उपाध्यक्ष शरद चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों से आए नवाचारी कवियों ने काव्यपाठ प्रस्तुत किया। काव्य संग्रह में शाहजहांपुर की शिक्षिका विनीता चौरासिया की "विज्ञान विषयक सजीव-निर्जीव" तथा शिक्षक लाल सिंह की गणित विषयक रचना प्रकाशित हुई है। इस काव्य संग्रह में कुल 50 नवाचारी शिक्षकों की रचनाएं संकलित की गई हैं। ये कविताएं न केवल विद्यार्थियों के कक्षा शिक्षण को सरल और रोचक बनाएंगी बल्कि अन्य शिक्षकों के लिए भी प्रेरणा एवं मार्गदर्शन का कार्य करेंगी।

नई गन्ना प्रजाति का बीज लेने के लिए बुकिंग 4 से

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : गन्ना शोध परिषद की ओर नवीन गन्ना किस्म को.शा.18231 और को.शा.19231 के मिनी सीड किट की बुकिंग चार से शुरू की जाएगी। पेमेंट गेटवे के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग करने वाले किसानों को ही मिनी सीड किट दी जाएगी। ऑनलाइन बुकिंग गन्ना विभाग की वेबसाइट इंक्वायरी डाट केनयूपी डाट इन पर 4 से सुबह 10 बजे से शुरू हो जाएगी। कुल छह लाख सिंगल बड की बुकिंग ऑनलाइन करने का लक्ष्य रखा गया है।

परिषद के निदेशक वीके शुक्ला ने बताया इन नवीन किस्मों का उद्देश्य किसानों को उच्च उपज, अधिक शर्करा प्रतिशत एवं रोग कीट प्रतिरोधी गन्ना उपलब्ध कराना है, जिससे प्रदेश में गन्ना उत्पादन और शर्करा उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित

● दो नवीन प्रजातियों को.शा. 18231 व 19231 के छह लाख सिंगल उपलब्ध कराने का लक्ष्य

हो सके। उन्होंने बताया कि मिनी सीड किट की बुकिंग केवल पेमेंट गेटवे के माध्यम से ऑनलाइन करने वाले किसानों को ही उपलब्ध कराई जाएगी। किसी प्रकार की ऑफलाइन बुकिंग स्वीकार नहीं की जाएगी। निदेशक ने बताया कि बुकिंग के उपरांत किसान अपनी सुविधा अनुसार शाहजहांपुर एवं मुजफ्फरनगर केंद्र से मिनी सीड किट प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार कुल छह लाख सिंगल बड उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिसमें शाहजहांपुर संस्थान से को.शा. 18231 एवं को.शा. 19231 दोनों किस्मों का मिनी सीड किट उपलब्ध होगा, जबकि मुजफ्फनगर केंद्र से सिर्फ को.शा. 18231 मिनी सीड किट उपलब्ध कराया जाएगा।

नदी में डूबे वृद्ध का दूसरे दिन नहीं लगा कोई पता

खुटार, अमृत विचार: गांव महोलिया वीरान निवासी पूरनलाल (85) मंगलवार सुबह घर से निकले थे। लेकिन दोपहर तक नहीं लौटे। जिससे परिवार के लोग उन्हें तलाश करने लगे। इसी बीच गांव के लोगों ने बताया नदी के किनारे किसी बुजुर्ग के कपड़े और डंडा रखा है। जिस पर परिजन मौके पर पहुंचे और कपड़ों की पहचान पिता पूरन लाल के कपड़ो के रूप में की और उनके नदी में डूबने की आशंका जताते हुए इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र कुमार रावत दमकल की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तलाश शुरू की, लेकिन देर रात तक कोई सुराग नहीं लगा था। गोताखोरों ने बताया जहां पर पूरन लाल के गायब होने की आशंका जताई जा रही है वहां पर नदी में पानी अधिक होने के कारण जमीन की सतह पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। जिस कारण सफलता नहीं मिल पा रही है। पूरे दिन दमकल टीम व पुलिस फोर्स के साथगोमती तट पर मौजूद रही। थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार रावत ने बताया कि गुरुवार को भी पूरनलाल की तलाश जारी रहेगी।

रामलीला मेले में हुआ लंका दहन

खुदागंज, अमृत विचार : आदर्श रामलीला कमेटी की ओर से चल रहे रामलीला मेले में दसवें दिन लंका दहन का मंचन हुआ। जहां रावण ने सीता का अपहरण करअशोक वाटिका में रखा। श्रीराम ने सीता का पता लगाने के लिए वानर सेना को भेजा, जिसने जंगलों में जाकर माता-सीता की खोज की जब माता का लंका में होने की जानकारी मिली तो हनुमान जी समुद्र लांघ कर लंका गए और माता सीता का पता लगाया। जहां उन्हें भूख लगी तो उन्होंने अशोक वाटिका में जाकर फल खाए और पेड़ों को उखाड़ कर फेंक दिया और रखवालों को भी मारा, रावण पुत्र अक्षय कुमार का हनुमान ने वध कर दिया। मेघनाद ने हनुमान जी को बनाकर सभा में ले आया। विभीषण ने दूत को न मारने की सलाह दी मंत्रियों ने वानर की पूंछ में कपड़ा लपेटकर आग लगा देना चाहिए जब आग लगाई गई तो हनुमान जी ने पूछ बड़ी कर दी और पूरी लंका धू धूकर जलने लगी।

सीएचसी की सुरक्षा पूर्व सैनिकों के हाथ

तिलहर : नगर की सीएचसी की सुरक्षा व्यवस्था अब भूतपूर्व सैनिकों के हवाले कर दी गई है। अब तक गार्ड के रूप में कार्य कर रहे युवाओं को हटाकर उनकी जगह छह पूर्व सैनिक तैनात किए गए हैं।

सीएचसी प्रभारी डॉ. ओमेंद्र सिंह ने बताया बुधवार से जिला स्वास्थ्य समिति के आदेश पर पूर्व सैनिक सुरक्षा गार्डों की तैनाती शुरू कर दी गई है। इन गार्डों का काम सिर्फ अस्पताल की सुरक्षा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि मरीजों व तीमारदारों के बीच होने वाले विवादों को रोकना और पार्किंग व्यवस्था को दुरुस्त रखना भी उनकी जिम्मेदारी होगी। पूर्व में तैनात गार्डों पर मरीजों और तीमारदारों की समस्याओं के निस्तारण में लापरवाही बरतने और अनुशासन बनाए रखने में नाकाम रहने की शिकायतें लगातार जिला स्तर से लेकर राजधानी मुख्यालय तक पहुंच रही थीं।

न्यूज ब्रीफ

नाले में अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र में नाले में एक वृद्ध का शव मिला है। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। जलालाबाद-कटरा रोड पर बुधवार की शाम 5 बजे लोगों ने एक नाले में वृद्ध का शव पड़ा देखा और शव देखने वालों की भीड़ लग गई। लोगों ने कटरा थाना को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक जुगुल किशोर सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे और शव को नाले से बाहर निकलवाया। मृतक की उम्र 65 साल है। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो पायी।

अफीम समेत दो तस्कर गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जैतीपुर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से एक किलो अफीम बरामद की है। जैतीपुर थाना प्रभारी गौरव त्यागी को दोपहर में सूचना मिली सिउरा मोड़ पर दो तस्कर खड़े है। पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। उनकी पहचान ओमकांत निवासी बैसरा थाना जैतीपुर ओर छत्रपाल निवासी बंधीचक थाना तिलहर के रुप में हुई। दोनों के कब्जे से एक किलो अफीम, मोबाइल और 200 रुपये बरामद किए है। आरोपियों ने बताया अफीम बदायूं से राजकुमार के पास लेकर आते है, जिसे बताए गए व्यक्ति को पहुंचाते है। अफीम पहुंचाने पर दोनों को दस हजार रुपये मिलते है। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।

सांड के हमले से महिला की मौत

शाहजहांपुर/मदनापुर, अमृत विचार : घर के बाहर गाय बांधते समय सांड ने महिला पर हमला कर दिया। घायल की मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव ककरौआ निवासी मदनपाल की पत्नी मीरादेवी(45) मंगलवार की शाम 5 बजे घर के बाहर गाय बांध रही थी। तभी सांड ने उस पर हमला करके घायल कर दिया। उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। बुधवार की सुबह उसने दम तोड़ दिया। मीरा देवी के दो बेटे और एक बेटी है। मौत की खबर से परिवार में परिवार में रोना पीटना मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में छात्र लापता

भावलखेड़ा, अमृत विचार : रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के गांव रौसरकोठी निवासी सुधीर कुमार ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसका 17 वर्षीय पुत्र अक्षय राजकीय इंटर कालेज में कक्षा 12 में पढ़ता है। 29 सितंबर को वह घर से कालेज जाने के लिए निकला था। वह घर वापस नहीं लौटकर आया है। परिवार वालों ने उसकी रिश्तेदारी में तलाश की और पता नहीं चला है। पुलिस ने छात्र की गुमशुदगी दर्ज कर ली है। पुलिस छात्र की तलाश कर रही है।

मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन यात्रा निकाली

खुदागंज, अमृत विचार : नगर में धूमधाम से दुर्गा मूर्ति विसर्जन यात्रा निकाली गई, जो हनुमान गली से संस्कृत पाठशाला होते हुए मार्केट साहूकारा महादेवन मंदिर होते हुए गर्रा नदी पर पहुंची। जहां मूर्ति विसर्जन किया गया। इस मौके पर विवेक सक्सेना, पूर्व चेयरमैन सुधीर सिंह, पारस गुप्ता, संजय राठौर, आर्यन सिंह, अभिनव मिश्रा भारतेंद्र सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

दुकान का सामान बाहर फेंका

रोजा, अमृत विचार : रोजा थाना क्षेत्र के मोहल्ला लोधीपुर निवासी रुशी ने रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया उसका पति घर में ही परचूनी की दुकान लगाता है। आरोप है मोहल्ले के मुज्जू, सुज्जू व नन्हे उसकी दुकान पर आए। पुड़िया लेने के बाद गाली देने लगे। विरोध करने पर महिला से मारपीट की, दुकान का सामान बाहर फेंक दिया। आरोपी उसके पति से रंजिश मानते है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

दशहरा मेले के चलते दो दिन रहेगा रूट डायवर्जन

लोगों को किसी भी अप्रिय घटना से बचाने के लिए कुछ मार्गों पर प्रतिबंधित रहेंगे वाहन, पार्किंग के लिए बनाए गए विशेष स्थल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जिले में आयोजित रामलीला मेले को लेकर गुरुवार और शुक्रवार को ओसीएफ रामलीला मैदान और खिरनीबाग रामलीला मैदान के आसपास वाहनों के लिए विशेष रूट डायवर्जन लागू रहेगा। यातायात प्रभारी विनय कुमार पांडेय ने बताया इन दो दिन मेले के समय कुछ मार्गों पर वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा, जबकि अन्य स्थानों पर पार्किंग व्यवस्था की गई है। इस्लामिया तिराहा से खिरनीबाग चौराहे की ओर आने वाले और जाने वाले वाहन, जीआईसी तिराहा से खिरनीबाग चौराहे की ओर, पीडब्ल्यूडी तिराहा से खिरनीबाग चौराहे की ओर तथा बिस्मिल पार्क की तरफ से खिरनीबाग चौराहे की ओर आने वाले वाहन शाम पांच बजे से मेले की समाप्ति तक प्रतिबंधित रहेंगे।

इसके अलावा मछली मार्केट तिराहा, पीडब्ल्यूडी तिराहा से डिपो तिराहा और शहबाजनगर तिराहा से आने वाले भारी वाहन भी मेले के दौरान प्रवेश नहीं कर सकेंगे। यातायात की सुचारू व्यवस्था के लिए ओसीएफ मंदिर के पीछे, एनसीसी तिराहा ग्राउंड, ओसीएफ मस्जिद के निकट, मोक्षधाम रेलवे फाटक के पास और जेल रोड के पीछे वाहन पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। एसपी राजेश द्विवेदी ने निर्देश दिए हैं कि ड्यूटी पर तैनात सभी कर्मचारियों को अपनी-अपनी ड्यूटी का पालन करना सुनिश्चित करना होगा और वाहन मालिकों को ट्रैफिक नियमों का पालन कराना होगा।

इस तरह रहेगी व्यवस्था

- इस्लामिया तिराहा- अंटा चौराहा की तरफ से खिरनीबाग चौराहा की तरफ आने वाले समस्त वाहनों पर रोक।
- जीआईसी तिराहा-जीआईसी तिराहा की ओर से खिरनीबाग चौराहा आने वाले वाहनों रहेगी रोक।
- पीडब्ल्यूडी तिराहा-पीडब्ल्यूडी तिराहा की तरफ से खिरनीबाग चौराहा की तरफ आने वाले समस्त वाहन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेंगे
- एसपी कार्यालय तिराहा से खिरनीबाग चौराहा की तरफ आने वाले वाहन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेंगे
- शहर की तरफ आने वाले भारी वाहन हथौड़ा चौराहा से दियूरिया मोड़ से होते हुए रिंग रोड से जा सकेंगे
- शहर की तरफ आने वाले सभी भारी वाहन तक पूर्णत :प्रतिबंधित रहेंगे
- नव ज्योति अस्पताल /शहवाजनगर तिराहा-शहर की तरफ आने वाले सभी भारी वाहन मेला समाप्ति तक पूर्णत: प्रतिबंधित रहेंगे।
- पीडब्ल्यूडी तिराहा से डिपो तिराहा की तरफ-पीडब्ल्यूडी तिराहा से डिपो तिराहा की तरफ आने वाले समस्त वाहन प्रतिबंधित रहेंगे
- ग्वाल टोली चौराहा व डिपो तिराहा-ग्वाल टोली चौराहा व डिपो तिराहा के मध्य वाहन पूर्णत : प्रतिबंधित रहेंगे
- रोडवेज, रैनबसेरा तिराहा,व दुर्गा तिराहा से डिपो तिराहा की तरफ-रोडवेज, रैनबसेरा तिराहा व दुर्गा तिराहा से डिपो तिराहा की तरफ आने वाले समस्त वाहन प्रतिबंधित रहेंगे
- त्रिमूर्ति तिराहा/कवि मूर्ति तिराहा से दुर्गा तिराहा की तरफ आने वाले समस्त वाहन पूर्णत : प्रतिबंधित रहेंगे। इसलिए वाहन चालक परेशानी से बचने के लिए नियमों का पालन करें।

यहां खड़े किए जाएंगे वाहन

- निगोही की ओर से आने वाले वाहन ग्वाल टोली के पास खाली मैदान में पार्क किए जाएंगे।
- मऊखालसा की तरफ से आने वाले वाहन एनसीसी ग्राउंड में पार्क किए जाएंगे।
- बंडा, पुवायां, सिंधौली की तरफ से वाले वाहन ओसीएफ मस्जिद के पार्क किए जाएंगे।
- रौजा, हथौड़ा की तरफ से मेला देखने आने वाले वाहन राममूर्ति वर्मा की कोठी के सामने मैदान में पार्क किए जाएंगे
- अंटा चौराहा की तरफ से आने वाले वाहन जेल रोड के पीछे पार्क किए जाएंगे। मेला ड्यूटी में लगे अधिकारी व कर्मचारियों के वाहन कचहरी में पार्क होंगे।

- यातायात प्रभारी ने वाहन मालिकों को नियम पालन की दी सलाह

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: गर्रा पुल से पहले रेलवे लाइन पार करते समय स्पेशल ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत हो गई। इस दौरान डाउन लाइन पर आधे घंटे संचालन प्रभावित रहा। मालगाड़ी समेत अन्य ट्रेनों को बंथरा रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई।

गर्रा पुल से पहले रेलवे फाटक संख्या 325 के निकट मंगलवार शाम 9:30 बजे एक युवक रेलवे लाइन पार कर रहा था। तभी बरेली की ओर से आ रही स्पेशल ट्रेन की चपेट में आकर उसकी कटकर मौत हो गई। लोको पायलट ने कंट्रोल रूम और स्टेशन मास्टर को सूचना दी। स्टेशन मास्टर ने जीआरपी और पुलिस को मेमो दिया। दोनों थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। घटना स्थल थाना सदर बाजार का था।

संदिग्ध बाबाओं को लोगों ने पकड़ा

शाहजहांपुर, अमृत विचार: शहर में लोगों ने भगवा वस्त्र पहने दो बाबाओं को पकड़ा है। दोनों को पकड़कर सदर बाजार थाना में ले गई। एक ने अपना नाम शराफत बताया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है।

चिनौर गांव में बुधवार दोपहर बाद दो बाबा भगवा वस्त्र पहनकर घूम रहे थे। दोनों लोगों को गुमराह करके मांग रहे थे। गांव वालों को दोनों पर कुछ शक हुआ तो पकड़ लिया। एक ने अपना नाम शराफत बताया है। उसने कहा कि रोजा थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला है। वह चार महीने से बाबा बन गया है। उसने अपने दूसरे साथी बाबा की तरफ इशारा करते हुए कहा कि उसने उसके कपड़े फाड़ दिए थे। फिर उसने भगवा वाले कपड़े पहन लिए थे। गांव वालों ने सदर बाजार थाना को सूचना कर दी। पुलिस दोनों बाबाओं को पकड़कर थाना पर ले गई। प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह ने बताया कि दोनों बाबाओं से पूछताछ की जा रही है और पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीएम के चित्र से की अभद्रता, गिरफ्तार

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: मदनापुर थाना के उप निरीक्षक सचिन कुमार राणा को मंगलवार को सूचना मिली कि एक युवक ने प्रदेश के मुख्यमंत्री का फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है जो काफी भद्दा है। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया।

आरोपी ने अपना नाम दिवाकर सिंह निवासी बरुआ पट्टी थाना मदनापुर बताया है। आरोपी ने मुख्यमंत्री के चेहरे का प्रयोग करके साड़ी, ब्लाउज, झूमका व बिंदी लगाकर महिला का रुप देकर टिप्पणी की है। इस कृत्य के बारे में आरोपी से पूछा गया तो माफी मांगने लगा। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

मुख्यमंत्री का गलत स्टेटस लगाने पर रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना के उप निरीक्षक सौरभ कुमार को मंगलवार को सूचना मिली कि सलमान निवासी छोटा ककरा चौक कोतवाली मक्कू बजरिया में सोहेल की दुकान पर बाल काटने का काम करता है। आरोपी ने पर इंस्टाग्राम पर एक स्टेटस मुख्यमंत्री की लगा रखी है जो अमर्यादित है। जिससे समुदायों के बीच शत्रुता और घृणा की भावना व्याप्त होने की संभावना है। जनमानस में आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने आरोपी सलमान के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

महिलाओं को सुरक्षा के लिए किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: मिशन शक्ति एवं सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत वन स्टाप सेंटर नवादा इंदेपुर में महिला सुरक्षा को लेकर कार्यक्रम हुआ, जिसमें काउंसलर अर्चना मिश्रा की ओर पॉक्सो एक्ट, बाल शोषण से से जुड़ी जानकारी दी।

दहेज प्रतिषेध अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम घरेलू हिंसा अधिनियम समेत कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना की जानकारी दी गई। उप निरीक्षक कनकलता ने बालिकाओं को सुरक्षा की विस्तृत जानकारी दी।

यदि बालिकाएं कभी भी अकेले स्कूल या कोचिंग सेंटर में जा रही हैं और यदि उनका कोई पीछा करता है तो वह यूपी 112 पर फोन कर सकती हैं या एंटी रोमियो की टीम को सूचित कर सकती हैं। साथ ही बालिकाओं को चाहिए, सुरक्षित स्थान पर जाकर शोर मचाना चाहिए एवं अपने साथ हमेशा अपने बैग में पेपर स्प्रे एवं सेफ्टी पिन रखना चाहिए। अपने फोन में स्पीड डायल में अपने परिजनों का नंबर, 112 नंबर और कई सेफ्टी एप्स जो विभाग द्वारा लांच किए गए हैं, उनको भी फोन में डाउनलोड करके रखना चाहिए। अपनी लोकेशन यात्रा के दौरान परिजनों के अलावा किसी के साथ शेयर नहीं करनी चाहिए।

न्यूज डायरी

दशहरा उत्सव : रावण दहन और कन्या पूजन का आयोजन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : ऑल सेंट्स स्कूल में बुधवार को दशहरा मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर रावण दहन किया और साथ ही कन्या पूजन किया गया। उत्सव की शुरुआत स्कूल परिसर में रामलीला के मंचन से हुई, जिसमें छात्रों ने श्रीराम, लक्ष्मण, हनुमान और रावण जैसे प्रमुख पात्रों के प्रसंगों का मंचन किया। इसके बाद रावण का विशालकाय पुतला जलाया गया। इसके साथ ही कन्या पूजन भी किया गया। कन्या पूजन के माध्यम से छात्रों को नारी शक्ति और समानता के महत्व के बारे में बताया गया। स्कूल डायरेक्टर सचिन बाथम ने सभी को दशहरे की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में स्कूल स्टाफ में सुपरवाइज़र शुर्ति बाजपेई, रूबी, शुभा, समन, सोनाली, मेघा, श्रेष्ठी, शरद, अश्विनी, सना, दीपिका, अंजलि, रीना, प्रियंका सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

साईं बाबा की शोभायात्रा निकाली

तिलहर, अमृत विचार : साईं बाबा की भव्य पालकी शोभायात्रा बुधवार को निकाली गई। शोभायात्रा में किसान इंटर कॉलेज के बच्चों ने डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया, जो आकर्षण का केंद्र रहा। शोभायात्रा मार्ग में भक्तों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। साईं मंदिर में मुख्य यजमान भाजपा नेता अरुण यादव चैनू ने परिवार के साथ पूजा अर्चना की। इसके बाद मंदिर से साईं पालकी शोभायात्रा शुरू होकर नगर के कई मार्गों से होती हुई देर शाम मंदिर पर समाप्त हुई। सभी श्रद्धालु भगवान साईं के गुणगान करते हुए और जयकारे लगाते हुए चल रहे थे।

सिमरा-सिमरियों की बरात निकली

कलान, अमृत विचार : नगर में मंगलवार की रात परंपरागत ढंग से सिमरा-सिमरियों की बरात धूमधाम से निकाली गई। बरात की शुरुआत रात करीब 10 बजे दुर्गा मंदिर से हुई, जो धूमनाथ मंदिर से होते हुए हुए परौर मार्ग पर पहुंची। इसके बाद बरात नगर की गलियों में घूमती हुई बैंड-बाजों के साथ स्टेट हाईवे मुरादाबाद-फर्रुखाबाद मार्ग पर पहुंची। इस दौरान सैकड़ों युवा बराती बैंड-बाजों पर थिरकते नजर आए। नगर के लोग अपने-अपने घरों की छतों पर खड़े होकर इस भव्य आयोजन का आनंद लेते रहे।

नृत्य एवं गीतों से सजी रोज़ा पावर की शाम

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रोज़ा पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड की टाउनशिप में दुर्गा पूजा पूरे धूमधाम से मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत बुधवार को नवमी पूजा का आयोजन पूरे विधि विधान से किया गया। प्रात: कालीन पूजा के बाद कन्या भोज एवं भोग वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें रोजा पावर के कर्मियों, महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया। अष्टमी एवं नवमी की संध्या बेला में जहां बच्चों के मनमोहक नृत्यों से लोगों का भरपूर मनोरंजन हुआ वहीं आंचल लेडीज क्लब की कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा मेड इन इंडिया थीम पर प्रस्तुत किए गए। भारत की एकता को दर्शाती हुई सामूहिक नृत्य तथा रैम्प वॉक पर लोग झूमते नज़र आए।

समाजसेवी ने 21 बेटियों की शादी कराई

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: शहर के उद्यमी विनय अग्रवाल ने पिता स्वर्गीय अशोक अग्रवाल की जयंती पर आर्थिक रूप से कमजोर 21 बेटियों की शादी कराकर समाज में मानवता और भाईचारे का संदेश दिया। इस बाद दो मुस्लिम बेटियों का निकाह भी कराया गया।

विनय अग्रवाल के अनुसार, यह परंपरा वे हर साल निभाते हैं, ताकि पिता के सपनों को पूरा किया जा सके। परी नमकीन कंपनी के मालिक विनय अग्रवाल और उनके भाई कुनाल अग्रवाल ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से उन बेटियों की पहचान की, जिनके परिवार शादी का खर्च उठाने में असमर्थ थे। इन 21 शादियों में दो मुस्लिम परिवारों की बेटियां भी शामिल थीं, जिनके पिता मजदूरी करते हैं और शादी का खर्च वहन नहीं कर सकते थे। उद्योगपति ने इन सभी शादियों की पूरी व्यवस्था की, जिसमें मेकअप, पोशाक और उपहार शामिल थे।

पिता की जयंती पर विनय अग्रवाल ने आर्थिक रूप से कमजोर बेटियों की शादी कराई।

- गरीब परिवारों की बेटियों के लिए शादी का सपना पूरा किया

जलालनगर निवासी इरशाद ने बताया कि उनकी बेटी सितारा की शादी सिंधौली के गोरा रायपुर निवासी शान मोहम्मद से तय हुई थी, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वे शादी का खर्च नहीं उठा पा रहे थे। विनय अग्रवाल से संपर्क करने पर उन्होंने बेटी की शादी की पूरी जिम्मेदारी संभाल ली। इसी तरह हुसैनपुरा निवासी सोनी ने कहा कि उनके भाई करन की शादी सुभाषनगर निवासी प्रीती से तय थी। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण शादी संभव नहीं थी। विनय अग्रवाल की जानकारी मिलने पर उन्होंने उनसे संपर्क किया और शादी की सभी व्यवस्थाएं उद्योगपति ने पूरी की।

माता सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना की

मिर्जापुर, अमृत विचार: शारदीय नवरात्रि के अंतिम दिन रामनवमी के पावन अवसर पर मां दुर्गा के नवमें स्वरूप सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना करने के लिए श्रद्धालुओं और व्रत धारियों की मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ी।

बुधवार को कस्बा स्थित काली मंदिर, दुर्गा मंदिर सहित अन्य मंदिरों में सुबह से ही भक्त मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना में व्यस्त रहे। तत्पश्चात व्रत धारियों ने अपने घरों में हवन पूजन किया और छोटी-छोटी बच्चियों को माता दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी पूजा की। कन्या भोज का आयोजन भी किया गया, जिसमें देवी स्वरूप कन्याओं को पात्र, वस्त्र, फल, अन्न और दक्षिणा भेंट कर उनसे आशीर्वाद लिया गया। माना जाता है कि नवरात्र के इस दिन माता सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना करने से देवी अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाती हैं। इस शुभ अवसर पर व्रत धारियों का व्रत परायण हुआ और कन्या भोज का कार्यक्रम शाम तक चलता रहा।

SRMS

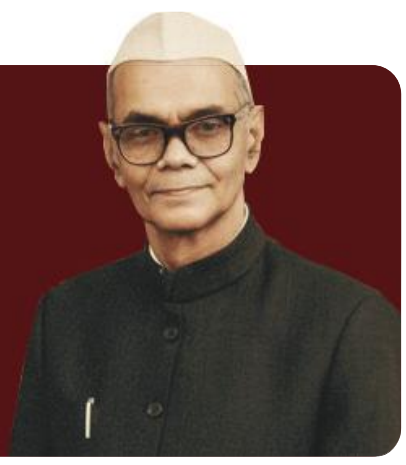

37वाँ स्मृति दिवस
2 अक्टूबर 2025

कर्मजं बुद्धियुक्ता हि फलं त्यक्त्वा मनीषिणः।
जन्मबन्धविनिर्मुक्ताः पदं गच्छन्त्यनामयम्।।
(श्रीमद्भगवद्गीता 2/51)

पूज्य स्व. राम मूर्ति जी
(08.02.1910 - 02.10.1988)
स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, गांधीवादी, पूर्व सांसद,
पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

श्रद्धांजलि
2 अक्टूबर 2025 | प्रात: 11:00 से 1:00 तक
श्री राम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी
13 कि.मी., बरेली-नैनीताल रोड, बरेली

राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण

प्रो. (डॉ.) एस.एम. बोस
वरिष्ठ प्राध्यापक एवं पूर्व विभागाध्यक्ष सर्जरी पीजीआई, चण्डीगढ़

प्रो. (डॉ.) लवली शर्मा
कुलपति इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)

डॉ. नीलम गुप्ता
संस्थापक एवं अध्यक्ष AROH फाउंडेशन

श्री मनीष कुमार
हैड- रिस्क एण्ड कॉम्पलाइनसेज (इंजी. सर्विसेज) इनफोसिस लि.

₹3.5 करोड़ छात्रवृत्ति वितरण
एस.आर.एम.एस. महाविद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों हेतु

पुरस्कार वितरण
- वाद-विवाद प्रतियोगिता
- कहानी प्रतियोगिता

देव मूर्ति
(संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी)
& समस्त ट्रस्ट परिवार

1990-2025 35 GLORIOUS YEARS

श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट
बरेली • लखनऊ • उन्नाव

9412761544 www.srms.ac.in Follow us:

श्रीराम ने किया कुंभकरण का वध

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: नगर के खिरनीबाग में नवचेतना कला परिषद की ओर से आयोजित श्री रामलीला में बुधवार को भव्य मंचन हुआ, जिसमें कुंभकरण वध, नागपाश से राम दल का बंधन और मेघनाद वध के वध का मंचन किया गया।

मंचन की शुरुआत में दिखाया गया रावण ने लक्ष्मण के मूर्छा से उठने की खबर पाकर भाई कुंभकरण को जगाने का आदेश दिया। कुंभकरण को मदिरा और व्यंजन दिए जाने के बावजूद उसने रावण को ज्ञान देना शुरू किया। क्रोधित रावण ने उसे और अधिक मदिरापान कराया, जिसके बाद कुंभकरण युद्ध क्षेत्र में पहुंचा और वहां हाहाकार मचाया। राम ने कुंभकरण का सामना किया और अंततः उसे मार गिराया। इसके बाद मेघनाद को कुंभकरण के वध की सूचना मिली और वह क्रोध में आकर नागपाश से राम दल को जकड़ लिया। नारद के सुझाव पर गरुड़ ने राम दल को नागपाश से मुक्त कराया। रावण ने पुत्र को अजेय बनाने के लिए विजय यज्ञ करने की सलाह दी। इसके बाद लक्ष्मण, हनुमान, अंगद और विभीषण ने मिलकर निकुंभ स्थल पर मेघनाथ का वध किया। अंत में सुलोचना ने राम से अपने पति का कटा हुआ सिर वापस मांगा और सती हो गई। लीला में राम की भूमिका सचिन, लक्ष्मण की अर्चित, हनुमान की अनिल, जामवंत की वेद प्रकाश, सुग्रीव की मनोज, अंगद की अग्रीम, रावण की राम सिंह, मेघनाथ की राकेश, सुलोचना की विनीत और मंदोदरी की दीपक ने निभाई। श्री रामलीला कमेटी और नवचेतना कला परिषद ने महाआरती का आयोजन भी किया, जिसमें नगर के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। मेले की व्यवस्था और आरती आयोजन में कई सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस आयोजन को सफल बनाने में मेला समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों का सहयोग भी अहम रहा।

खिरनीबाग में रामलीला का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

- खिरनीबाग में रामलीला का कलाकारों ने किया मंचन

स्वयंसेवकों ने शस्त्र पूजन कर निकाला पथ संचलन

संवाददाता, मिर्जापुर

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने शताब्दी वर्ष पूर्ण होने पर विजय दशहरा कार्यक्रम के अंतर्गत शस्त्र पूजन कर नगर में पथ संचलन निकाला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आरएसएस के कार्यकर्ता पूर्ण गणवेश में शामिल हुए और अनुशासन के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहे थे।

बुधवार को रामचंद्र सिंह डिग्री कॉलेज में आयोजित विजय दशहरा कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री राम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद स्वयंसेवकों ने एक कतार में खड़े होकर भगवा ध्वज फहराया और शस्त्र पूजन किया। इसके बाद नगर में पद संचलन शुरू हुआ, जिसमें सबसे आगे दो बाइकों पर चार स्वयंसेवक ध्वज लेकर चल रहे थे। पथ संचलन मुख्य बाजार और गलियों सहित मोहल्लों से होते हुए निकला। रास्ते में जगह-जगह स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा की गई। संघ ने इस कार्यक्रम का आयोजन समाज में समन्वय और देश-धर्म के साथ संस्कृति के प्रति गर्व की भावना को जागृत करने के लिए किया। इस अवसर पर जिला संघ चालक रामसेवक अग्रवाल, विभाग कार्यवाह अनिल सिंह, खंड विस्तारक दुर्गेश कुमार, सेवा भारती खंड प्रमुख सतीश वैश्य, देवेंद्र गुप्ता, प्रदीप रघुवंशी, खंड संपर्क प्रमुख पुष्पेंद्र परमार, ब्लाक प्रमुख प्रियांशु रघुवंशी, समाजसेवी विनय शर्मा, विशाल जौहरी, पिंटू गुप्ता, अजय बर्मा, अरुण चौहान सहित सैकड़ों स्वयंसेवक मौजूद रहे।

- पूर्ण गणवेश में अनुशासन के साथ क़दम से क़दम मिलाकर चले स्वयंसेवक

माता के दर्शन और पूजा करने के लिए लाइन में खड़े श्रद्धालु। ● अमृत विचार

मंदिर में मां काली की पूजा करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

खेत में निकला शिवलिंग, होने लगी पूजा पाठ

संवाददाता,उस्मानपुर

● **खेत स्वामी के पुत्र को स्वप्न में शिवलिंग होने की जानकारी मिलने का किया जा रहा दावा**

अमृत विचार: क्षेत्र के एक गांव स्थित खेत की खुदाई करने पर शिवलिंग निकला है। खेत में शिवलिंग निकलने पर लोगों की भीड़ जुट गई। लोग शिवलिंग की पूजा कर रहे हैं।

क्षेत्र के गांव मिर्जापुर मोहसनपुर निवासी किसान उमेश के खेत में जमीन में शिवलिंग निकलने का दावा किया जा रहा है। उमेश के 14 वर्षीय पुत्र अखिलेश के मुताबिक उसे कुछ दिन पूर्व स्वप्न हुआ कि आपके खेत में शिवलिंग है। लेकिन खेत स्वामी स्वप्न की बात कर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद किसान के पुत्र को सोमवार की रात दोबारा स्वप्न हुआ।

स्वप्न की सच्चाई जानने के लिए किसान के पुत्र अखिलेश ने अपने दो साथियों के साथ घरवालों को बिना बताए खेत में खुदाई शुरू कर दी। खुदाई करने पर उसे दो पत्थर स्वरूप शिवलिंग नजर आए। खेत में शिवलिंग करने की खबर गांव में आग की तरह फैल गई। खबर मिलते ही लोग खेत की ओर दौड़ पड़े। गांव के लोगों ने ईश्वर का चमत्कार मानकर शिवलिंग की पूजा अर्चना करनी शुरू कर दी है। वहीं गांव के कुछ शिवभक्तों ने कांवड़ लाकर जलाभिषेक किया है। शिवलिंग निकलने की सूचना पर गांव व आसपास के तमाम शिवभक्तों की भीड़ पहुंच पूजा अर्चना कर रही है। और लोग मन्नत मांग रहे हैं।

शोभायात्रा में युवक की करंट लगने से मौत

बदायूं, अमृत विचार : बरेली के थाना अलीगंज क्षेत्र के गांव खटेटा निवासी मंगली (32) पुत्र लच्छू तकरीबन पांच साल पहले अपनी ननिहाल कोतवाली दातागंज क्षेत्र के गांव सैनपुर में आकर बस गए थे। साथ में उनका परिवार भी रहने लगा था। वह मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करते थे। दुर्गाष्टमी के मौके पर डीजे और झांकियों के साथ शोभायात्रा निकाली जा रही थी। शोभायात्रा में मंगली ई–रिक्शा की छत पर बैठकर जा रहे थे। गली में ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों के संपर्क में आ गए। वह ई–रिक्शा से नीचे जा गिरे। मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

घरों-मंदिरों में भी मां सिद्धिदात्री की पूजा

पूजन और हवन के बाद कराया कन्या भोज, श्रद्धालुओं ने व्रत का किया पारायण

कार्यालय संवाददाता बदायूं

अमृत विचार: मां भगवती की साधना का पर्व नवरात्रि नवमी के साथ ही संपन्न हो गया। श्रद्धालुओं ने नवमी पर मां के नौवें स्वरूप सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि के लिए कामना की। मां की पूजा करने के बाद घर-घर कन्याओं का पूजन कर उन्हें उपहार व दक्षिणा भेंट की गई। वहीं अंतिम दिन मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने लाइन में लगकर माता के दर्शन किये। साथ ही मंदिर के बाद श्रद्धालुओं ने भंडारे का आयोजन कर कन्याओं को भोजन कराया। नगला स्थिति मां काली के मंदिर में उमड़ी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के तहत भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई।

बुधवार को शारदीय नवरात्रि का अंतिम दिन होने के चलते शहर के नगला स्थित शक्तिपीठ मां काली के मंदिर, गौरी शंकर मंदिर, बिरुआवाड़ी मंदिर, हर प्रसाद मंदिर के अलावा अन्य सिद्धपीठों और मंदिरों में श्रद्धालुओं की खासी भीड़ रही। नवमी के चलते घर-घर कन्या पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने कन्याओं का अभिनंदन कर पूजा-अर्चना की। उनका तिलक कर भोजन ग्रहण कराने के बाद चुनरी व वस्त्र भेंट किए। तथा अपनी-अपनी सामर्थ्य के अनुसार कन्याओं को दान दक्षिणा दी। कन्या जिमाई के बाद घट विसर्जन हुआ। कई मंदिरों में भी अनुष्ठानों का आयोजन कर पूर्णाहुति हुई।

नगला स्थित शक्तिपीठ मंदिर में माता के दर्शन को भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर के आस-पास भंडारों का आयोजन किया गया।

घर में भोजन ग्रहण करती कन्याएं। ● अमृत विचार

कन्याओं को भोज कराकर किया उपवास का पारायण

कन्याओं को भोजन कराते उपवास धारी। ● अमृत विचार

कादरचौक, अमृत विचार: नवमी का पर्व कस्बे सहित क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। देवी मंदिरों में दिन भर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की पूजा कर हवन पूजन किया। घर घर हवन पूजन के बाद कन्याओं को भोज कराया। भोज कराने के बाद सिंदूर चंदन का तिलक लगाकर दान दक्षिणा की।

उसके बाद विदाई की। कन्या पूजन के बाद नौ दिनों से उपवास करने वाले श्रद्धालुओं ने उपवास का पारायण किया।

नौ मंदिरों व शक्तिपीठों में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

बदायूं, अमृत विचार : प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी अखिलेश चौबे ने बताया कि शारदीय नवरात्रि में अष्टमी और महानवमी के अवसर पर एक अक्टूबर तक सांस्कृतिक कार्यकम आयोजित किए जाने के निर्देश के अंतर्गत नौ मंदिर व शक्तिपीठों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की व्यवस्था पूरी कराने के लिए संबधित क्षेत्र के एसडीएम, खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत को नामित किया गया था।

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा आज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। दशहरा पूर्व मनाने के लिए जहां सनातन धर्म को मानने वाले लोग उत्साहित हैं, वहीं प्रशासन ने भी पूरी तैयारी कर ली है। आज मनाए जाने वाले दशहरा पर्व पर एक ओर रावण का पुतला दहन किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर शहर के एक मंदिर में शिवभक्त रावण की पूजा भी होगी। यह मंदिर रावण के मंदिर के नाम से जाना जाता है।

आज मनाए जाने वाले पर्व को लेकर मंदिर की देखभाल करने वाले परिवार द्वारा तैयारी की जा रही है। शहर के मोहल्ला साहूकारा में रावण का मंदिर स्थापित है, जिसमें रावण की प्रतिमा है। मंदिर में रावण की प्रतिमा के साथ भगवान शिव की परिवार के साथ प्रतिमाएं स्थापित हैं। इनके अलावा भगवान विष्णु, हनुमान, माता काली और दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित हैं। यह मंदिर करीब 100 साल पुराना बताया जाता है।

दशहरा पर्व पर हर साल मंदिर में प्रकांड विद्वान और शिवभक्त होने के नाते रावण की पूरे विधि-विधान के साथ पूजा की जाती है। मंदिर की देखभाल रविंद्र शर्मा और उनकी पत्नी रश्मि शर्मा करते हैं कि रावण भगवान शिव का अनन्य भक्त था। मंदिर रावण का नहीं है बल्कि यहां रावण की प्रतिमा शिवलिंग के पास स्थापित है। दशहरा पर काफी लोग विद्वता और शिव भक्ति के कारण रावण की पूजा करने आते हैं। मंदिर में रावण के अवगुणों की नहीं बल्कि सद्गुणों की पूजा की जाती है। देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना करने लोग रोजाना पहुंचते हैं, लेकिन दशहरा के दिन भारी संख्या में लोग रावण की पूजा करने आते हैं।

क्षत्रिय समाज करेगा शस्त्र पूजन : जनपद भर में हर्षोल्लास के साथ गुरुवार को दशहरा पूर्व मनाया जाएगा। दशहरा पर्व मनाने के लिए घरों में तैयारी चल रही है। पर्व को लेकर बुधवार को बाजार में खासी भीड़ रही। लोगों के द्वारा पर्व को लेकर सामग्री की खरीदारी की गई। जिसमें सबसे अधिक क्षत्रिय समाज के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

न्यूज ब्रीफ

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के साथ एसपी देहात।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को दी विदाई

बदायूं, अमृत विचार : रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। सेवानिवृत्त हुए उपनिरीक्षक देवेंद्र कुमार, चंद्रशेखर और विनय कुमार को विदाई दी गई। एसपी देहात डॉ. हृदेश कठेरिया ने उन्हें शॉल उड़ाई और प्रशस्ति पत्र दिया। उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सीओ लाइन डॉ. देवेंद्र कुमार, प्रतिसार निरीक्षक इंद्रजीत सिंह मौजूद रहे।

बिजली गिरने से भैंस की मौत

मुजरिया, अमृत विचार : अचानक हुई तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक भैंस की मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे डॉक्टर ने भैंस का पोस्टमार्टम किया। थाना मुजरिया क्षेत्र के गांव विचोला टप्पा जमीनी निवासी मुनेशपाल पुत्र हाकिम सिंह की भैंस सड़क किनारे घर के बाहर बंधी थी। बारिश के बीच भैंस के ऊपर पर आकाशीय बिजली गिर गई। आकाशीय बिजली गिरने से झुलसकर भैंस की मौत हो गई। पशु चिकित्साधिकारी ने भैंस का पोस्टमार्टम किया।

अभद्र फोटो पोस्ट करने वाले आरोपी को जेल भेजा

बदायूं, अमृत विचार : बिल्सी कोतवाली क्षेत्र के कस्बा क मोहल्ला आठ निवासी शहबाज पुत्र इसरार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अभद्र फोटो बनाकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी को जेल भेजा गया है। गिरफ्तार करने वालों में उपनिरीक्षक अशोक कुमार, सिपाही विकास कुमार रहे।

अवैध शराब के साथ पकड़ा गया युवक

बदायूं, अमृत विचार : बिल्सी कोतवाली क्षेत्र के गांव सुकटिया में परचून की दुकान पर अवैध रूप से शराब बेचने का वीडियो वायरल होने के बाद व्यक्ति को शराब ले जाते गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाल मनोज कुमार सिंह ने बताया थाना क्षेत्र के सुकटिया गांव में परचून की दुकान से अवैध रूप से शराब बेचने का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ।

तीन दिन बच्चा नहीं आता है तो बुलावा टोली जाएगी घर, ड्रॉप आउट कम करने को चलाई जाएंगी उपचारात्मक कक्षाएं

एक माह अनुपस्थित रहने वाला छात्र माना जाएगा ड्रॉप आउट

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: बेसिक शिक्षा विभाग से संबंधित सरकारी स्कूलों में कम होती बच्चों की संख्या को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। शासन की ओर से परिषदीय स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और ड्रॉप आउट करने के लिए नियमों में बदलाव किया है। संशोधित नियम के तहत अगर बच्चा एक माह तक अनुपस्थित रहता है तो उसे ड्राप आउट माना जाएगा।

तीन दिन तक स्कूल न आने पर उसे स्कूल लाने के लिए शिक्षकों के द्वारा प्रयास किए जाएंगे। स्कूल में गठित बुलावा टोली उस बच्चे को बुलाने के लिए घर जाएगी। वहीं स्कूल में बच्चों की संख्या स्थिर रखने के लिए उपचारात्मक कक्षाएं भी संचालित होंगी। शासन से जारी हुए निर्देश के बाद बीएसए ने सभी बीईओ और स्कूलों के प्रधानाध्यापक को आदेश जारी कर नियमों का पालन करने को कहा है।

> शासन का पत्र प्राप्त हो गया है। सभी खंड शिक्षा अधिकारियों और स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को संशोधित नियम से अवगत करा दिया गया है। उन्हें शासन के निर्णय का कड़ाई से अनुपालन कराने के निर्देश दिए गए हैं।
>
> **-वीरेंद्र कुमार सिंह**, बीएसए।

जिले में 2158 परिषदीय स्कूल संचालित हैं। इन स्कूलों में हर साल बच्चों की संख्या घट रही है। यू-डायस पर अपलोड डाटा के तहत शैक्षिक सत्र 2023-2024 के दौरान परिषदीय स्कूलों में बच्चों की संख्या 3.42 लाख थी। लेकिन शैक्षिक सत्र 2024-2025 में यह संख्या घटकर 3.01 लाख ही रह गई। स्कूलों में घटती संख्या पर शासन स्तर पर चिंता व्यक्त की गई है।

45 दिन अनुपस्थित रहने वाला बच्चा माना जाता था ड्राप ऑउट

बीएसए ने बताया कि पहले छह से 14 वर्ष के किसी बच्चे को आउट ऑफ स्कूल तब माना जाता था जब वह प्रारंभिक विद्यालय में कभी नामांकित न हो या नामांकन के बाद विद्यालय से निरंतर 45 दिन या उससे अधिक अवधि तक अनुपस्थित रहा हो। संशोधित आदेश के अनुसार किसी बच्चे को आउट ऑफ स्कूल माना जाएगा यदि उसका प्रारंभिक विद्यालय में कभी नामांकन न हो या नामांकन के बाद शैक्षिक सत्र में 30 संचयी दिनों से अधिक अनुपस्थित रहा हो और वार्षिक और नेट मूल्यांकन में 35 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त किए हो।

इसी के तहत शैक्षिक सत्र 2025-2026 में परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की संख्या बढ़ाने की कवायद चल रही है। घटती बच्चों की संख्या को स्थिर रखने के लिए शासन स्तर से नियमों में बदलाव किया गया है। बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने व ड्रॉपआउट कम करने के लिए पूर्व में जारी आदेश को संशोधित कर दिया है। इसके तहत अब बच्चा बिना कारण तीन दिन अनुपस्थित रहता है तो बुलावा टोली उसके घर जाकर संपर्क करेगी। परिषदीय विद्यालयों में उपस्थिति बढ़ाने व ड्रॉपआउट कम करने के साथ ही बच्चे के लिए उपचारात्मक कक्षाएं भी चलेंगी।

गांधी-शास्त्री के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अवनीश राय, डीएम।

अमृत विचार : डीएम अवनीश राय ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा के मार्ग पर चलना सिखाया। वह आज भी हम सबके लिए प्रेरणास्रोत हैं। गांधी के विचार हमेशा सत्य और नैतिकता के पथ पर चलने की सीख देते हैं। गांधी दर्शन आज भी प्रासंगिक है।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जीवन सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी का अनुपम उदाहरण है। उनका नारा जय जवान, जय किसान आज भी देश की ताकत और आत्मनिर्भरता का मूल आधार है। डीएम ने लोगों से आह्वान किया कि सभी को संकल्प लेना चाहिए कि गांधी और शास्त्री के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करेंगे और समाज तथा राष्ट्र की प्रगति में योगदान देंगे। सत्य, शांति, सद्भाव एवं सेवा की भावना को अपनाते हुए एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहभागी बनेंगे।

बुखार पीड़ितों की बढ़ रही संख्या ऑक्सीजन की हो रही दिक्कत

जिला अस्पताल में भर्ती किए बुखार के पांच मरीज, श्वांस रोगियों को समय से नहीं मिल रही ऑक्सीजन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बदलते मौसम की मार से लोग बुखार की चपेट में आ रहे हैं। श्वांस रोगियों को भी परेशानी बढ़ गई है जिससे उन्हें भर्ती कराना पड़ रहा है। बुधवार को आधे दिन अस्पताल खुला जिसमें बुखार के पांच मरीजों को दोपहर तक भर्ती किया गया। श्वास रोगियों को ऑक्सीजन दी गयी। लेकिन ऑक्सीजन की कमी के चलते स्टाफ को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बुधवार को पूर्वान्ह 11 बजे तक जिला अस्पताल में मरीजों को देखा गया। उन्हे दवा दी गयी। उसके बाद ओपीडी बंद कर डाक्टर निकल गए। डॉक्टर शोएब खान ने बताया कि आज भी बुखार के करीब चार सौ मरीजों को देखा गया। आज अधिकांश मरीज बुखार के ही थे। इनमें से चार गंभीर मरीजों को भर्ती किया गया। एक श्वास रोगी को भर्ती करना पड़ा। बताया कि इस समय तेजी के साथ मौसम बदल रहा है। दिन में कुछ गर्मी और रात को सर्द मौसम रहता है जिससे बुखार शुरू हो रहा है। खेतों पर काम करने वालों को बुखार का सामना करना पड़ रहा है। अधिकांश मरीज ग्रामीण क्षेत्रों से आ रहे हैं।

मेडिकल वार्ड में भर्ती बुखार के मरीज। ● अमृत विचार

फिजीशियन डा. एसएम कमल ने बताया कि अब तक सामान्य स्थिति थी। लेकिन दो दिन से बुखार के मरीजों की संख्या अचानक बढ़ी है। बताया कि मौसम का मिजाज बदल रहा है। इस समय लोगों को बेहद सावधानी बरतनी चाहिए। अब रात को बाहर नहीं सोना है। तेज धूप से बचना है। ठंडा पानी नहीं पीना है। संक्रमण गले से शुरू होता है जो कई तरह से मरीज को परेशान करता है। जिला अस्पताल के मेडिकल वार्ड में करीब दो दर्जन बुखार पीड़ित भर्ती हैं जबकि अन्य वार्ड भी मरीजों से फुल हैं। ऐसी स्थिति में अब कुछ दिन तक मरीजों की संख्या बढ़ना तय है। ऑक्सीजन की कमी के चलते कई मरीजों को कुछ देर के लिए ऑक्सीजन दी गयी लेकिन फिर ऑक्सीजन मिलने पर सभी मरीजों को ऑक्सीजन दी गयी।

निजामपुर पस्तोर में बुखार फैला : ब्लॉक सलारपुर के ग्राम निजामपुर पस्तोर में कई दिन से बुखार का प्रकोप बना हुआ है। गांव के लोगों की मांग पर स्वास्थ्य विभाग ने शिविर लगा कर दवाएं दीं। बुधवार को भी गांव में शिविर लगाया गया। जिसमें दो सौ से अधिक मरीजों को बुखार की दवा दी गयी। कई मरीजों का मलेरिया टेस्ट करने को ब्लड सैंपल लिए गए। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ लोग बाहर इलाज करा रहे हैं। जबकि कुछ लोग जिला अस्पताल की दवा ले रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने आज दूसरे दिन शिविर लगा कर दवा दी है। बताया कि गांव में करीब तीन सौ से अधिक लोगों को बुखार है। जो दवा ले रहे हैं।

उसहैत के प्रेमी नगला में फैला बुखार

बाढ़ पीड़ित क्षेत्र उसहैत के प्रेमी नगला में गंदगी के चलते संक्रामक बीमारियां फैल चुकी हैं। पचास से अधिक लोग बुखार की चपेट में हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उसावां के डॉक्टर को बुखार के बारे में सूचना दी गई है मगर अभी तक डॉक्टर गांव नहीं पहुंचे हैं। बाढ़ के बाद गंदगी बनी हुई है जिससे मच्छर पनप रहे हैं। बुखार खांसी और शरीर दर्द की समस्या से जूझ रहे मरीजों झोलाछापों से दवा ले रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि छोटे बच्चे बुखार से परेशान हैं।

गर्भ में शिशु की मौत के बाद महिला ने तोड़ा दम, हंगामा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराई गई गर्भवती की हालत बिगड़ गई। गर्भस्थ शिशु की मौत के बाद महिला तड़पने लगी, लेकिन डॉक्टरों ने जब तक महिला को देखा तब तक उसकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद पीड़ित परिवार ने हंगामा कर दिया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि डॉक्टरों की लापरवाही के चलते महिला की मौत हो गई।

दातागंज रोड स्थित ग्राम कुनार निवासी आशीष ने अपनी गर्भवती पत्नी लक्ष्मी को मंगलवार की शाम को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। लक्ष्मी दर्द से तड़प रही थी। उसका दर्द असहनीय था आरोप है फिर भी डॉक्टरों ने उसे समय पर नहीं देखा। परिजन भी लक्ष्मी की हालत को देख कर परेशान हो गये। कुछ देर दर्द से तड़पने के बाद लक्ष्मी ने भी दम तोड़ दिया। महिला की मौत के बाद मेडिकल प्रशासन ने बताया कि महिला के पेट में शिशु की मौत हो चुकी थी जिससे लक्ष्मी को तेज दर्द हो रहा था। गर्भस्थ शिशु की मौत के बाद लक्ष्मी की मौत हो गई। इसके बाद पीड़ित परिवार ने हंगामा किया। हंगामा होने पर राजकीय मेडिकल कालेज के डॉक्टरों ने महिला के शव को निकाल कर बाहर रख दिया। देर रात घटी इस घटना के बाद मृतका के परिजनों ने मेडिकल कालेज के स्टाफ पर लापरवाही की आरोप लगाते हुए कहा कि वह अब कार्यवाही कराएंगे। रात में हंगामा होने पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। बुधवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को दिया गया।

आशीष ने बताया कि यह उसका दूसरा बच्चा था जो अब इस दुनिया में नहीं आएगा। उसकी पत्नी भी नहीं रही। अब वह डॉक्टरों की लापरवाही के खिलाफ कार्यवाही कराएगा। मेडिकल कॉलेज प्रशासन की ओर से बताया कि जब लक्ष्मी को भर्ती कराया तो उसके गर्भ में शिशु की मौत हो चुकी थी।

● **राजकीय मेडिकल कॉलेज में गर्भवती की मौत के बाद परिजनों लगाया डॉक्टर पर आरोप**

राजकीय मेडिकल कॉलेज में अव्यवस्था पर रोष

इन दिनो राजकीय मेडिकल कालेज कई तरह की समस्याओं से जूझ रहा है। एमबीबीएस के छात्रों ने नर्सिंग के छात्रों को पीट दिया जिसकी जांच शुरू कर दी गयी है। दूसरे सपा सांसद ने मेडिकल कालेज की अव्यवस्थाओं को लेकर प्रदेश सरकार को घेरा है। उन्होने पत्र लिख कर यहां की दुर्दशा वयां की है। राजकीय मेडिकल कालेज में इलाज करा चुके लोगों का कहना है कि यहां के हालात बदतर हैं। कोई व्यवस्था नियम नहीं है। डॉक्टर मनमर्जी से काम करते हैं। साफ सफाई नहीं है। जिससे मरीज परेशान रहते हैं। इस तरह की शिकायतें कई बार जिला प्रशासन से भी की जा चुकी है मगर वहां के हालात नहीं सुधर रहे हैं।

लाइन में लगे मरीज की मौत

जिला अस्पताल में बुधवार को एक मरीज पर्चा बनवाने को लाइन में लगा, तभी उसकी हालत बिगड़ गयी। हालत बिगड़ने के कुछ देर बाद ही मरीज की मौत हो गयी। लोगों ने बताया कि उसकी मौत के बाद परिजन आनन फानन में घर ले गये। उसकी जानकारी नहीं हो सकी। जिला अस्पताल प्रशासन की ओर से बताया गया कि इस तरह की कोई घटना संज्ञान में नहीं है। जबकि लाइन में लगे लोगों ने बताया कि सुबह 10 बजे मरीज की मौत हो गई। इस घटना को लेकर दिन भर अस्पताल में इस बात की चर्चा रही, लेकिन किसी को मृतक के बारे में जानकारी नहीं हुई।

बुखार से ग्रामीण की मौत, दर्जनों बीमार

विजय नगला, अमृत विचार : ब्लॉक जगत के गांव गुरगांव के मजरा अहिरमई गौटिया में गंदगी का साम्राज्य है। जिससे संक्रामक रोग फैल चुके हैं। बुखार से आज एक ग्रामीण की मौत हो गयी। जिससे गांव में दहशत फैल गयी। घर घर में बुखार पीड़ित हैं फिर भी स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव नहीं पहुंची है।

ब्लॉक जगत क्षेत्र के गांव गुरगांव के मजरा अहिरमई गोटिया में कई दिनों से बुखार फैला है। बुखार से दर्जनों लोग बीमार हैं। गांव के लोगों ने बताया गांव में गंदगी के कारण नालियां भरी पड़ी हैं। सफाई कर्मचारी नहीं आता है। जिसकी शिकायत गांव प्रधान से की गयी लेकिन शिकायत पर ध्यान नही दिया गया। गांव की नालियों में भारी गंदगी है। अन्य स्थानों पर कूड़े के ढेर लगे हैं जिससे मच्छर पनप रहे हैं।

नाले में पनप रहे मच्छर।

गांव के बलिस्टर को कई दिनों से बुखार आ रहा था। उनका उपचार भी कराया गया मगर वह ठीक नहीं हुए। बुधवार को उनकी मौत हो गयी। उनकी मौत के बाद घर में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में अनिल, रामसेवक, गुड्डी, राजेश, सहित दर्जनों लोग बुखार से पीड़ित हैं जो झोलाछापों से इलाज करा रहे हैं।

बदायूं क्लब में बंगाली समाज ने की दुर्गा पूजा, आज होगा समापन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : श्री श्री महादुर्गा उत्सव कमेटी की ओर से बदायूं क्लब परिसर में दुर्गा पूजा कराई गई। 28 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजन किया गया। पूजा में बंगाली समाज के लोगों के साथ जनप्रतिनिधियों और अन्य लोगों ने शिरकत की। आज कछला स्थित गंगा घाट पर विसर्जन के साथ पूजा का समापन होगा।

बदायूं क्लब में पूजा की तैयारी काफी समय से चल रही थी। मां दुर्गा की मूर्ति बनाने के लिए पश्चिम बंगाल से मूर्तिकार बुलाए गए थे। माता की मूर्ति बनाने में पर्यावरण का ध्यान रखा गया। जिसमें पुआल, मिट्टी और हर्बल रंगों का प्रयोग किया गया। प्राकृतिक संसाधनों के अलावा कोई भी कृत्रिम पदार्थ नहीं लगाया गया। 28 सितंबर से श्री श्री दुर्गा महोत्सव शुरू हुआ था।

मां दुर्गा पूजन के दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता।

बंगाली समाज के लोगों के अलावा जनप्रतिनिधि और अन्य लोगों ने मां दुर्गा की पूजा की। भीड़ इतनी कि पंडाल छोटा पड़ गया।

पूजा में भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख अतेंद्र विक्रम सिंह, पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य, ब्लॉक प्रमुख पति दिनेश कुमार सिंह ने शिरकत की और कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अनुपम विश्वास ने की। कमेटी के सचिव संजीत सरकार, उपसचिव मौनटु रॉय, विश्वजीत बाइन, विपलव सरकर, कोषाध्यक्ष सुकांत रॉय व उप कोषाध्यक्ष गणेश विश्वास, उपाध्यक्ष विवेकानंद विश्वास, मृगांको विश्वास, सलाहाक सर्वोच्च ईश्वर चंद्र बाग्वी, एकाउंट मैनेजर सुब्रत विश्वास, टीम लीडर संजय विश्वास का सहयोग रहा।

सड़क हादसे में मिस्त्री की मौत

बदायूं, अमृत विचार : इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव बझांगी निवासी रामनरेश ट्रैक्टर मिस्त्री थे। नूरपुर पिनौनी में उनकी दुकान थी। मंगलवार रात 11 बजे वह दुकान बंद करके बाइक से घर जा रहे थे। गांव सैफुल्लागंज और बझांगी के बीच किसी वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में राम नरेश गंभीर घायल हो गए। घायल को निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर परिजन अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज ले गए। वहां चिकित्सकों की हड़ताल थी। परिजन बरेली ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में घायल ने दम तोड़ दिया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम RESHMA PARVEEN से बदलकर FARZANA BEGUM रख लिया है। भविष्य में मुझे FARZANA BEGUM W/O ABDUL KHALIQ KHAN निवासी मो. बाडुजई प्रथम तहसील सदर जिला शाहजहांपुर के नाम से जाना पहचाना जाए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक 0998282 व इण्टरमीडिएट की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक 0741395 है। जो कि वास्तव में कहीं खो गयी हैं। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिली। **संदीप कुमार वर्मा पुत्र श्री मेवा राम वर्मा निवासी ग्राम मुडिया जमा खां, थाना निगोही जनपद शाहजहांपुर**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

खेती-किसानी | खेतों में कटा पड़ा धान पानी में डूबा, सड़ रहा पुआल, तेज हवा से गिरा धान और बाजरा, पैदावार घटी

बारिश से किसानों को भारी नुकसान, सरसों की बुवाई ठप

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बुधवार को हुई बेमौसम बारिश ने फसलों को भारी क्षति पहुंचाई है। खेतों में कटी पड़ी धान की फसल पानी में डूब गयी है जिससे धान को भारी नुकसान हुआ है। जो धान खेतों में पक कर तैयार हो चुका है वह पूरी तरह गिर गया है जिससे धान की पैदावार में भारी कमी आने की आशंका जतायी जा रही है। किसानों का कहना है कि इस समय की बारिश ने फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है।

मानसून का समय बीत चुका है इसलिए अब बारिश भी नहीं हो रही है। खेतों में धान बाजरा तैयार हो चुका है। जिससे किसान उसकी कटाई कर रहे हैं। लेकिन बुधवार की सुबह को अचानक मौसम बदल गया। आसमान में काले बादल छा गए। कुछ देर में झमाझम बारिश शुरू हो गयी। तेज हवा के साथ हुई बारिश ने धान बाजरा को गिरा दिया। बारिश से खेतों में पानी भर गया। जिससे कटी पड़ी धान की फसल पानी में डूब गयी। जिन खेतों में धान खड़ा था वह तेज हवा के चलते गिर गया।

बारिश के पानी में कटे पड़े धान। ● अमृत विचार

धान गिर जाने से उसमें नुकसान हुआ है। किसानों का कहना है कि जहां धान गिर गया है वह पानी में सड़ जाएगा। पुआल नष्ट हो जाएगा। धान पका हुआ धान काला पड़ जाएगा और कच्चा धान सड़ने जाएगा जिससे धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। किसानों का कहना है कि बाजरा भी पक चुका है जिससे उसकी बाली में वजन बढ़ गया है वजन के कारण तेज हवा में सैकड़ों बीघा बाजरा गिर गया है। बेमौसम की बारिश से जहां खेती किसानी को नुकसान पहुंचा है वहीं सब्जियां भी खराब हुई हैं।

> जनपद में करीब 10 हजार हेक्टेयर से अधिक रकबे में धान की खेती की जाती है। बुधवार को हुई बारिश से करीब 40 प्रतिशत धान की फसल गिर गई है और कुछ खेतों में पानी भरने से धान की फसल को नुकसान हुआ है। अब खेतों में धान की कटाई शुरू हो चुकी है। लेकिन बारिश के कारण कुछ समय को कटाई रोकनी पड़ेगी। इसी तरह तेज हवा में बाजरा भी गिरा है जिससे पैदावार में कमी आने की आशंका है।
>
> **-मनोज रावत**, जिला कृषि अधिकारी।

जिन खेतों में सरसों की बुवाई हो चुकी है वह सरसों बारिश से नष्ट हो चुकी है। उन खेतों में पानी भर गया है जिससे किसान को भारी नुकसान हुआ है। किसानों ने बताया कि अब पानी सूखने के बाद फिर से सरसों बोई जाएगी। जिससे पछेती भी होगी और सरसों की पैदावार भी कम होगी। जबकि लाही बोने वाले किसानों ने बताया कि धान की फसल काटने के बाद लाही की बुवाई की जाएगी।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

विजय धर्म की ही होती है : राज्यपाल

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विजय दशमी पर्व पर समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी है। साथ ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने बुधवार को अपने बधाई संदेश में कहा कि विजय दशमी पावन पर्व हमें स्मरण कराता है कि असत्य कितना भी प्रबल क्यों न हो, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है।

विजयादशमी से मिलती है सदाचार की प्रेरणा : महाना

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने विजयदशमी (दशहरा) पर्व की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें यह प्रेरणा देता है कि जीवन में सदैव सत्य, नैतिकता और सदाचार के मार्ग पर चलकर ही वास्तविक सफलता प्राप्त की जा सकती है। साथ ही सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और प्रगति की मंगलकामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह पर्व प्रदेश में सामाजिक सद्भाव, भाईचारा और आपसी सौहार्द को और सुदृढ़ करेगा।

सपा प्रमुख ने दी पर्व की बधाई

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने विजयादशमी पर्व की देशवासियों को बधाई दी, और कहा है कि विजयदशमी का दिन हमें अन्याय पर न्याय की विजय का संदेश देता है। साथ ही 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शुभकामनाएं दीं।

आरएसएस पर जातीय भेदभाव का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : आम आदमी पार्टी (आप) उप्र. के प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आरएसएस पर मनुवादी व्यवस्था और जातीय भेदभाव तथा छुआछूत की व्यवस्था में विश्वास रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आरएसएस में 'राष्ट्रीय' शब्द लगा होने के बावजूद, यह संगठन देश की 85 प्रतिशत आबादी (दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों) का प्रतिनिधित्व क्यों नहीं करता है। साथ ही आश्चर्य है कि एक भी महिला को भी संघ का प्रमुख नहीं बनाया गया। आप सांसद ने बुधवार को जारी बयान में और कहा कि यह संगठन बाबा साहब भीमराव आंबेडकर और उनके संविधान के खिलाफ है। उन्होंने जनता से ऐसे संगठनों से सावधान रहने की अपील की।

रोडवेज एसी बसों में 10 फीसद कम होगा किराया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दशहरा व दीपावली पर योगी सरकार ने दिया तोहफा

अमृत विचार : राज्य सरकार ने प्रदेशवासियों को दशहरा और दीपावली पर तोहफ़ा दिया है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) द्वारा संचालित सभी वातानुकूलित बसों के किराए में की गई लगभग 10 फीसद की कमी को अग्रिम आदेशों तक जारी रखा जाएगा।

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि सरकार जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस निर्णय से यात्रियों को कम किराए में आरामदायक सफ़र की सुविधा मिलेगी। यह छूट जनरथ, पिंक, शताब्दी, वोल्वो, वातानुकूलित शयनयान जैसी सेवाओं पर लागू होगी। हालांकि, 1 जनवरी 2024 के बाद पंजीकृत नई वातानुकूलित बसों पर यह छूट लागू नहीं होगी।

ये होगा किराया

- 3*2 बस सेवा – 1.45 रु. प्रति किलोमीटर
- 2*2 बस सेवा – 1.60 रु. प्रति किलोमीटर
- हाई एंड (वोल्वो) बसें – 2.30 रु. प्रति किलोमीटर
- वातानुकूलित शयनयान – 2.10 रु. प्रति किलोमीटर

> निगम की सकल आय पर असर न पड़े, इसके लिए बसों पर तैनात चालक-परिचालकों को प्रेरित कर अधिक यात्रियों को आकर्षित करने के लिए विशेष काउंसिलिंग की जाएगी।
>
> – दयाशंकर सिंह, परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

2 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिरों में किए देवी मां के दर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : इस बार पूर्वांचल के विंध्यवासिनी धाम से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शाकंभरी मंदिर तक सभी देवी मंदिरों में नवरात्र के नौ दिनों में ही लगभग 2 करोड़ भक्तों ने मां के दरबार में हाजिरी लगाई। इनमें से केवल विंध्यवासिनी धाम में ही 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मां का आशीर्वाद लिया। वाराणसी में 51 शक्तिपीठों में गिने जाने वाले मां विशालाक्षी मंदिर में सामान्य दिनों की तुलना में नवरात्र पर भक्तों की संख्या कई गुना बढ़ गई। वहीं, पश्चिमी उप्र. का सहारनपुर जिला भी आस्था से सराबोर रहा। नवरात्रि के नौ दिनों में शाकंभरी धाम में लगभग 7 लाख और मां त्रिपुर बाला सुंदरी मंदिर में करीब 4 लाख श्रद्धालुओं ने मत्था टेका। बलरामपुर स्थित मां पाटेश्वरी मंदिर में इस नवरात्र करीब 6.50 लाख श्रद्धालु पहुंचे। सप्तमी से नवमी तक यहां सबसे अधिक भीड़ रही। प्रयागराज के मां अलोप शंकरी धाम में नवरात्र के दौरान करीब 12 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। सप्तमी, अष्टमी और नवमी पर प्रतिदिन ढाई लाख तक भक्त मां के दरबार में हाजिरी लगाने आए।

आरएसएस : सेवा, त्याग और राष्ट्र निर्माण की शताब्दी यात्रा

राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री

27 सितंबर 1925 को जब डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की थी, तब शायद ही किसी ने ऐसा सोचा होगा कि आगामी सौ वर्षों में यह संगठन इतना विशाल और प्रभावशाली बन जाएगा। बीते दस दशकों में आरएसएस ने भारत की सामाजिक बुनियाद को मजबूत किया है, उसकी संप्रभुता की रक्षा की है, कमजोर वर्गों को सशक्त बनाया है और भारतीय सभ्यता के मूल्यों को संजोए रखा है। वर्तमान में आरएसएस निःस्वार्थ सेवा का जीवंत प्रतीक बन गया है। आरएसएस के शताब्दी उत्सव के अवसर पर, उसकी यात्रा को पुनः याद करना उचित भी है और आवश्यक भी।

हाल ही में दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम में सरसंघचालक मोहन भागवत ने संघ के समावेशी विचारों पर चर्चा करते हुए कहा धर्म व्यक्तिगत पसंद का विषय है; इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर-जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए। यह वक्तव्य संघ की मूल विचारधारा को प्रतिबिंबित करता है कि समाज में टकराव नहीं, सामंजस्य हो; बिखराव नहीं, एकता हो और केवल भौतिक वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि जीवन की सार्थकता पर बल हो। यह अत्यंत स्वाभाविक बात है कि संघ के अनुकरणीय योगदान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से संघ को दुनिया का सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन बताया और देशवासियों को संघ की सौ साल की भव्य, प्रेरणादायक और समर्पित यात्रा के बारे में याद दिलाया।

वर्ष 1947 में जब भारत स्वतंत्रता का उत्सव माना रहा था, तब विभाजन की त्रासदी की वजह से बहुत जनहानि हुई थी और लाखों लोगों को अपने घरों से विस्थापित होना पड़ा था। ऐसी भीषण परिस्थिति में आरएसएस के स्वयंसेवक एक अनुशासित, संगठित और निःस्वार्थ सेवकों के रूप में सामने आए। विभाजन से पहले भी आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक गुरुजी (एम. एस. गोलवलकर) और संघ के कई वरिष्ठ नेताओं ने पंजाब के विभिन्न हिंसाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया था और उन्होंने वहां के लोगों को आत्मरक्षा और राहत कार्यों के लिए संगठित किया था। स्वयंसेवकों की सेवा के कारण ही द ट्रिब्यून अख़बार ने अपनी एक रिपोर्ट में आरएसएस को 'The sword arm of Punjab' कहा था।

संघ द्वारा समाज-सेवा का कार्य विभाजन के बाद भी अनवरत जारी रहा। 1984 में जब सिख विरोधी दंगे भड़काए गए और हजारों सिखों की हत्या की गई, तब भी संघ स्वयंसेवक सिखों की रक्षा और राहत कार्यों के लिए सबसे आगे थे। लेखक खुशवंत सिंह ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है कि श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद में हिंदू-सिख एकता बनाए रखने में आरएसएस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत के एकीकरण में संघ के योगदान से भी बहुत लोग अवगत नहीं हैं। कश्मीर से गोवा और दादरा नगर हवेली तक, संघ ने भारत की अखंडता को बनाए रखने में निर्णायक भूमिका निभाई है। जब पाकिस्तान समर्थित कबायली हमलावरों ने जम्मू-कश्मीर पर आक्रमण किया तो सरदार वल्लभभाई पटेल ने महाराजा हरि सिंह को विलय के लिए राजी करने हेतु गुरुजी की मदद मांगी थी। इसके बाद गुरुजी श्रीनगर गए और उन्होंने हरि सिंह को तत्काल विलय करने के लिए मनाने का प्रयास किया था। आरएसएस स्वयंसेवकों ने 1947-48 के युद्ध के दौरान सेना की सहायता भी की थी।

1954 में स्वयंसेवकों ने दादरा और नगर हवेली को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराने में अग्रणी भूमिका निभाई। केआर मलकानी की पुस्तक 'दि आरएसएस स्टोरी' के अनुसार, 2 अगस्त 1954 को लगभग 200 आरएसएस स्वयंसेवकों ने नाना काजरेकर और सुधीर फड़के के नेतृत्व में दादरा और नगर हवेली को आज़ाद कराया। उन्होंने राइफल, ब्रेन गन और स्टेन गन से लैस 175 पुर्तगाली सैनिकों को खदेड़ दिया। इसी तरह, गोवा की आज़ादी के लिए आरएसएस ने भूमिगत स्वतंत्रता आंदोलनों में भाग लिया था।

आरएसएस ने हमेशा भारत को मजबूत करने के लिए कार्य किया है। 1975 के दौरान, संघ ने आपातकाल का मज़बूती से विरोध किया था। इसके खिलाफ लाखों स्वयंसेवक संगठित होकर भारत के संविधान की रक्षा के लिए खड़े हो गए। जनवरी 1976 में द इकोनॉमिस्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा था- इस आंदोलन की मुख्य ताकत जनसंघ और उससे जुड़ा संगठन आरएसएस है।

वर्ष 1952 में स्थापित, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम, आज देश का सबसे बड़ा आदिवासी कल्याण संगठन है। वर्तमान में यह संगठन देश के 323 ज़िलों की लगभग 52,000 बस्तियों और गांवों में 20,000 से अधिक परियोजनाएं चला रहा है।

महात्मा गांधी ने कई अवसरों पर संघ के अनुशासन और राष्ट्र सेवा की प्रशंसा की है। वर्ष 1934 में गांधीजी ने वर्धा में आरएसएस के एक शिविर का दौरा भी किया था, जहां उन्होंने संघ के अनुशासन, अस्पृश्यता के पूर्ण अभाव और उच्च सादगी की सराहना की थी। विभाजन की त्रासदी के दौरान, 16 सितंबर 1947 को गांधीजी ने दिल्ली में आरएसएस की एक सभा को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने संघ की सेवा एवं बलिदान की भावना की प्रशंसा की थी। 30 जनवरी 1948 को गांधीजी की हत्या के बाद, आरएसएस ने श्रद्धांजलि स्वरूप अपनी सभी शाखाएं 13 दिनों के लिए स्थगित कर दी थीं। ऐसा संघ के इतिहास में सिर्फ एक बार हुआ है। आरएसएस ने 1946 में गुवाहाटी में पहली शाखा स्थापित की और तब से इस क्षेत्र को राष्ट्रीय धारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बहुत सी चुनौतियों के बीच, यहां संघ ने विद्यालयों, स्वास्थ्य शिविरों, आपदा राहत कार्यों और सामुदायिक निर्माण जैसे कार्यों के ज़रिए सामाजिक पूंजी को बढ़ाया है और लोगों के बीच विश्वास कायम किया है। कोविड-19 महामारी के दौरान भी संघ और उसके स्वयंसेवकों ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गायत्री प्रजापति की हालत स्थिर

अमृत विचार, लखनऊ : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में भर्ती पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की तबीयत स्थिर बनी हुई है। सीटी स्कैन समेत दूसरी जरूरी जांचें कराई गई हैं। डॉक्टरों की टीम उनकी सेहत की निगरानी कर रही है। जेल में हुए हमले के बाद घायल गायत्री प्रजापति को मंगलवार रात केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। उनके सिर व हाथ में चोट लगी है। केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि वर्तमान में वह पूर्णतः खतरे से बाहर हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि गायत्री प्रजापति पर जेल में हुए हमले की निष्पक्ष न्यायिक जांच हो।

हर भारतीय राष्ट्रहित की सोचे : होसबोले

'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : विचार यात्रा के 100 वर्ष' विशेषांक का विमोचन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

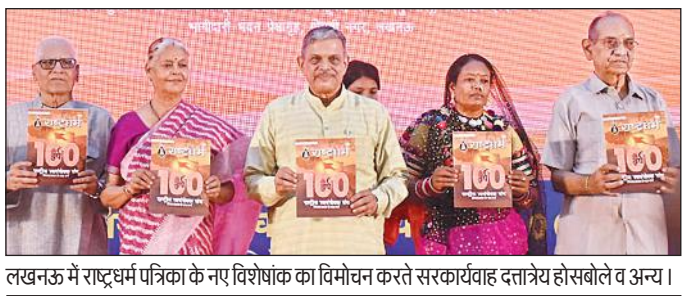

लखनऊ में राष्ट्रधर्म पत्रिका के नए विशेषांक का विमोचन करते सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले व अन्य।

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि राष्ट्रधर्म एक शाश्वत धर्म है। भारत में जन्मे प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह सोचे- राष्ट्र के लिये जीवन में किस क्षेत्र में हम क्या कर सकते हैं। राष्ट्रधर्म की शुरुआत संघ के स्वयंसेवकों ने समाज में वैचारिक परिवर्तन लाने के लिए की थी, न कि आर्थिक लाभ के लिए।

सरकार्यवाह बुधवार को गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन सभागार में आरएसएस की शताब्दी वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रधर्म पत्रिका द्वारा आयोजित विशेषांक "राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : विचार यात्रा के 100 वर्ष" के विमोचन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। पत्रिका की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि 1948-49 के कठिन दौर से लेकर अब तक इस पत्रिका ने हिंदुत्व के विचार को समाज में पहुंचाने का कार्य किया। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद पत्रिका का प्रकाशन नहीं रुका क्योंकि इसके पीछे संकल्प था, समाज को विचार और दृष्टि देना। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विनोद सोलंकी ने भी अपने विचार रखे। की आत्मा जागृत रही। कार्यक्रम में अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांतरंजन, क्षेत्रप्रचारक अनिल, प्रांत प्रचारक कौशल, कैबिनेट मंत्री असीम अरुण, राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री संजय कुमार, आई.आई.एम कोलकाता के निदेशक प्रो. आलोक राय, महापौर सुषमा खर्कवाल, राष्ट्रधर्म के निदेशक मनोजकांत, सर्वेश दिवेदी व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

वृद्धजनों को नहीं भरना होगा पेंशन फॉर्म

जीवित प्रमाण पत्र देने के लिए नहीं जाना पड़ेगा कार्यालय : असीम अरुण

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि वृद्धजनों को पेंशन पाने के लिए फॉर्म भरने की आवश्यकता नहीं होगी। सरकार के पास सभी का डेटा उपलब्ध है। इतना ही नहीं, सेवानिवृत्त कर्मियों को हर वर्ष जीवित प्रमाण पत्र के लिए विभाग या ट्रेजरी कार्यालय के चक्कर भी नहीं लगाने पड़ेंगे।

समाज कल्याण मंत्री, समाज कल्याण विभाग व हेल्पएज इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार भागीदारी भवन में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसकी व्यवस्था कर रही है कि जैसे ही कोई व्यक्ति 60 वर्ष का होगा। उसकी पेंशन स्वतः बन जाएगी। आवश्यक दस्तावेज सीधे मोबाइल या नजदीकी साइबर कैफे से अपलोड किए जा सकेंगे। इस मौके पर असीम अरूण ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को वृद्धजनों का सम्मानित करने की शपथ भी दिलाई गयी।

वृद्धजन को सम्मानित करते समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण।

राज्यकर्मियों को मिल सकता है बोनस

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्र सरकार की तर्ज पर योगी सरकार ने भी उत्तर प्रदेश के कर्मचारियों को बोनस देने की तैयारी में है। वित्त विभाग ने हरी झंडी दिखायी तो इस दीपावली पर राज्यकर्मियों के खाते में 3400 रुपये से 7000 रुपये तक की बोनस राशि आ सकती है। हालांकि, वित्त विभाग की ओर से मंजूरी लेने के बाद ही बोनस देने का डॉक्यूमेंट तैयार होगा। समझा जा रहा है कि अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक बोनस संबंधी आदेश जारी हो जाएगा।

हिट एंड रन के 9 मामलों में दी जाएगी प्रतिपूर्ति

अयोध्या कार्यालय

- जिला स्तरीय समिति की बैठक में दी गई स्वीकृति

अमृत विचार: हिट एंड रन मोटर एक्सीडेंट स्कीम-2022 के तहत जिले के नौ मामलों में प्रतिपूर्ति दिए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की अध्यक्षता में बुधवार को हुई जिला स्तरीय समिति की बैठक में दी गई। एक मामले को त्रुटि के कारण रोक दिया गया। इस पर रिपोर्ट मांगी गई है।

भारत सरकार से सड़क दुर्घटना (हिट एंड रन) के मामलों में प्रतिपूर्ति दिए जाने की व्यवस्था है। इससे संबंधित आवेदनों पर विचार के लिए डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। इस समिति की बैठक में कुल 10 मामले प्रस्तुत किए गए। समिति में विचार के बाद नौ मामलों में प्रतिपूर्ति दिए जाने की संस्तुति कर दी गई लेकिन एक मामले में तकनीकि कमी के चलते इसे रोक दिया गया। समिति सरोज पत्नी स्व. शिवराम निवासी सरायसागर महराजगंज, तहसील सदर से किए गए आवेदन को आवेदन और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के नाम में अंतर के कारण रोक दिया।

पोस्टमार्टम में मृतक का नाम शिवकुमार लिख दिया गया है। इस पर रिपोर्ट मांगी गई है। इसके अलावा द्रोपदी निवासी ऐमी आलापुर तहसील सदर, सरोज कुमारी पत्नी स्व. प्रवीण कुमार निवासी इटवा भीटी अंबेडकरनगर, आनंद कुमार शुक्ल निवासी मोहम्मदपुर बेला बीकापुर, सीताराम निवासी परमानंदपुर तारून बीकापुर, नाजबानो निवासी जलालाबाद हरीपुर सोहावल, चंद्रावती निवासी दोस्तपुर रग्घूत तहसील सोहावल, प्रदीप कुमार निवासी सिधौना, कुमारगंज, गीतादेवी निवासी पिठला, कुमारगंज और राजपती निवासी ग्राम इनायतनगर तहसील मिल्कीपुर के आवेदनों को स्वीकृत करते हुए प्रतिपूर्ति दिए जाने का आदेश दे दिया गया। प्रतिपूर्ति के रूप में प्रत्येक को दो लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे।

डांडिया उत्सव

रामनगर में आयोजित डांडिया उत्सव में महिलाओं ने अपनी रंग-बिरंगी पोशाकों और उत्साहपूर्ण नृत्य से माहौल को जीवंत कर दिया। पारंपरिक गहनों और चमकीले लहंगों में सजी महिलाएं, डांडिया स्टिक्स के साथ तालमेल में थिरकती नजर आईं। उनकी ऊर्जा और उत्साह ने हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। ढोल की थाप और लोक संगीत की मधुर धुनों पर नाचते हुए, उन्होंने संस्कृति और एकता का सुंदर संदेश दिया। यह उत्सव न केवल नृत्य का, बल्कि सामाजिक समरसता और खुशी का भी प्रतीक बन गया। ● अमृत विचार

20 कृषि उत्पादों को मिल सकता जीआई टैग

अमृत विचार : अपने क्षेत्र के विशेष आलू, रेवड़ी, लड्डू समेत 20 कृषि एवं खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों को जल्द जीआई टैग मिलेगा। लखनऊ की रेवड़ी, संडीला का लड्डू, मलवां का पेड़ा, फर्रुखाबाद का फुलवा आलू, सीतापुर की मूंगफली, कानपुर का ज्वार, रामपुर व बाराबंकी का मेंथा, गोरखपुर का पनियाल फल, मऊ का गुड़, बुलंदशहर की अरहर दाल समेत 20 कृषि उत्पादों को जीआई टैग दिलाने के लिए व्यापारी व एफपीओ ने चेन्नई स्थित मुख्यालय पर आवेदन किए थे। जिन्हें जीआई में पंजीयन कराने के लिए कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशालय में पत्राचार किया है। जल्द इनमें कुछ मानक पर खरा उतरने वाले उत्पादों को पंजीकृत किया जाएगा।

अमरोहा में बच्चों के विवाद में किसान की हत्या

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

रामपाल सिंह।

पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद परिजन व ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचार: रजबपुर थाना क्षेत्र में बच्चों के विवाद के बाद दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले। विवाद इतना बढ़ा कि एक पक्ष ने कुल्हाड़ी से हमला कर किसान की हत्या कर दी। उसके भाई सहित तीन लोग घायल हो गए। परिजनों ने कार्रवाई की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव बावनपुरा माफी में नत्थू सिंह और बलवीर के परिवार आस-पास रहते हैं। मंगलवार को दोनों परिवारों के बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। खेल-खेल में बच्चों के बीच झगड़ा हो गया। बाद में बच्चों ने झगड़े की बात घर जाकर परिजनों को बताई। शाम को बलवीर सिंह ने अपने बेटे रवि, लक्ष्मण, राहुल और भटपुरा माफी गांव के रहने वाले रिश्तेदार विकास के साथ नाथू सिंह के बेटे जयप्रकाश, रामपाल सिंह, सोमपाल और धर्मेंद्र पर हमला कर दिया। धारदार हथियार और लाठी डंडों से बुरी तरह पीटा।

मारपीट में जयप्रकाश सिंह, रामपाल सिंह, सोमपाल और धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से गंभीर हालत में रामपाल सिंह (35) को मेरठ हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया, लेकिन मेरठ ले जाते समय रामपाल सिंह की मौत हो गई। हमले में घायल धर्मेंद्र की हालत नाजुक बनी हुई है।

रामपाल का शव देर शाम घर पहुंचा तो परिजनों ने कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा काटा। देर रात पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और आरोपियों पर कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या करने का आरोप लगाकर सड़क पर बैठने वाले थे तभी पुलिस पहुंची और कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत किया। सीओ सिटी शक्ति सिंह ने बताया कि जयप्रकाश सिंह की तहरीर पर आरोपी रवि, श्रवण, राहुल, बलवीर और विकास के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गांव में पुलिस की तैनाती की गई है।

पचास लाख की सुपारी और तंबाकू भरा लापता ट्रक बरामद

मुंढापांडे,अमृत विचार: कर्नाटक से दिल्ली जा रहा एक ट्रक, जिसमें लगभग पचास लाख रुपये की सुपारी और तंबाकू भरी हुई थी, रहस्यमयी तरीके से गायब हो गया। 12 तारीख के बाद ड्राइवर का मोबाइल बंद होने से मामला और संदिग्ध बन गया।

बुधवार को दिल्ली से आए लोगों ने जीपीएस की मदद से ट्रक को मुरादाबाद के दलपतपुर इलाके में एक फैक्ट्री से बरामद कर लिया। ट्रक में भरे माल को लेकर दो पक्षों ने दावेदारी ठोकी लेकिन कर विभाग की जांच में दोनों ही पक्ष वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके।

सुपारी टैक्स चोरी कर गलत तरीके से लाई गई थी। इस तरह का माल अक्सर श्रीलंका जैसे देशों से मंगाया जाता है।

दुष्कर्म के बाद हत्या कर फेंका था किशोरी का शव, शिनाख्त हुई

संवाददाता, कांठ

- अर्द्धनग्न अवस्था में 22 सितंबर को गन्ने के खेत में मिला था शव

अमृत विचार : 10 दिन पूर्व जंगल में मिले शव की शिनाख्त कर ली गई है। काशीपुर उत्तराखंड निवासी किशोरी के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव अर्द्धनग्न अवस्था में यहां फेंका गया था। उत्तराखंड पुलिस ने गुमशुदगी के 24 घंटे के अंदर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

22 सितंबर को थाना क्षेत्र के ग्राम बेगमपुर निवासी भोपाल सिंह के गन्ने के खेत में एक अज्ञात बालिका का शव अर्द्धनग्न अवस्था में मिला था। एएसपी अभिनव द्विवेदी व थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेशपाल सिंह ने घटनास्थल का दौरा किया था। कई स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे खंगालने व प्रयासों के बाद भी सुराग नहीं लग सका था। मां ने 15 वर्षीय बालिका के 10 सितंबर से लापता होने पर 29 सितंबर को कोतवाली कुंडा में मुकदमा पंजीकृत कराया था। उत्तराखंड वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के निर्देशन में पुलिस टीमों का गठन किया गया था। टीम ने साक्ष्यों के आधार पर 24 घंटे में जघन्य कांड का रहस्य उद्घाटन करते हुए मृतका की पहचान आरोपियों की भूमिका एवं साजिश का रहस्योद्घाटन किया। कोतवाली कुंडा पुलिस के उप निरीक्षक जे सी मिश्रा ने बताया कि नाबालिग बालिका मानसिक मंदित थी। जिसे आरोपी बहला फुसलाकर ले गए और दुष्कर्म के बाद हत्या कर कांठ क्षेत्र के जंगल में डाल दिया गया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में साक्ष्य के आधार पर इमरान(32) थाना कुंडा, इस्लाम(30) निवासी नन्नू वाला ठाकुरद्वारा मुरादाबाद हाल निवासी कुंडा उत्तराखंड, असगर(35) उर्फ नन्हे निवासी जमशेदपुर गजरौला हाल निवासी कुंडा समेत मीनाक्षी (33) निवासी लेदरपुर पर गावड़ी थाना शेरकोट बिजनौर, शीला(35) सुभाष नगर कोतवाली काशीपुर को साजिश में शामिल होने पर गिरफ्तार कर लिया है।

न्यूज ब्रीफ

मां दुर्गा के भक्त मयूर ने रखा नौ दिन का व्रत

इस्लामनगर, अमृत विचार : मयूर ने नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन माता रानी की पूजा-अर्चना कर उपवास रखा। वह सुबह-शाम आरती और भजन में शामिल होकर मां दुर्गा से आशीर्वाद मांगता रहा। इस उम्र में कठोर साधना और संयम देखकर हर कोई हैरान है। मयूर ने अपने माता-पिता की लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की कामना की। साथ ही उसने संपूर्ण संसार की खुशहाली, सुख-समृद्धि और शांति के लिए भी मां दुर्गा से दुआ मांगी। मयूर की भक्ति और संस्कार को देखकर समाज भाव-विभोर हो उठा।

मयूर।

खाटू श्याम मंदिर पर कल मनाया जाएगा उत्सव

कुंवरगांव, अमृत विचार : कस्बा स्थिति खाटू श्याम मंदिर धाम में पापांकुशा एकादशी एवं विजयादशमी के पावन अवसर पर भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 3 अक्टूबर को होंगे। जिसमें बाल कलाकारों द्वारा विश्व प्रसिद्ध रामायण सीरियल पर आधारित संगीतमय रामायण की प्रस्तुति दी जाएगी। संगीतमय रामायण के पश्चात काशी के विद्वान आचार्यों द्वारा महाआरती संपन्न की जाएगी। इसके बाद भक्तों में प्रसाद वितरण किया जाएगा।

शहर में ई-रिक्शा और ऑटो चालक में मारपीट

बदायूं, अमृत विचार : शहर में इंद्राचौक से श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज जाने वाले मार्ग पर मोहल्ला कबूलपुरा निवासी ई-रिक्शा और दातागंज निवासी ऑटो चालक के बीच सवारियां बैठाने को लेकर विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि ई-रिक्शा चालक ने ऑटो चालक को ईंट मारकर घायल कर दिया। वहीं ऑटो चालक ने उसकी उंगली तोड़ दी। हाथ में भी फ्रैक्चर बताया जा रहा है। सूचना पर पुलिस पहुंची और दोनों को पकड़कर ले गई।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आए युवक की मौत

सहसवान, अमृत विचार : सहसवान कोतवाली क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। गांव टहरा निवासी अमरीश पुत्र अतर सिंह बुधवार सुबह खेत की ओर गए थे। खेत के पास हाईटेंशन लाइन का तार टूटा पड़ा था। जिसमे करंट आ रहा था। अमरीश तार के संपर्क में आ गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। आसपास खेतों पर काम कर रहे किसानों ने उनकी परिजनों को सूचित किया। परिजन अमरीश को सहसवान के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले गए। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

बेटे के नामकरण के दिन पिता की करंट से मौत

बदायूं, अमृत विचार : बेटे के नामकरण संस्कार के दिन पिता की करंट लगने से मौत हो गई। दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव सैजनिया निवासी रूपेश (22) पुत्र महेंद्र की शादी लगभग एक साल पहले गांव पलिया निवासी मधु के साथ हुई थी। 12 दिन पहले उनके बेटे का जन्म हुआ था। घर में बच्चे का नामकरण संस्कार का कार्यक्रम चल रहा था। उनके घर का पंखा खराब हो गया। रूपेश पंखा ठीक करने लगे। वह पंखा ठीक करने लगे। इसी दौरान उन्हें करंट लग गया। वह जमीन पर गिरकर बेसुध हो गए। परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

छुट्टा गोवंश से टकराकर दो दोस्तों की गई जान

माता-पिता का इकलौता बेटा था विवेक, मुरादाबाद में बेचता था फल

संवाददाता, ओरछी

अमृत विचार : मुरादाबाद-फर्रुखाबाद राजमार्ग पर मंगलवार देर रात थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र में छुट्टा गोवंश से टकराकर बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई। एक युवक अपने दोस्त के साथ बहन के घर जागरण में जा रहा था। पुलिस ने बुधवार को शवों के पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिए। मौत के बाद परिजनों में चीत्कार मचा है।

मृतक विवेक।

मृतक अमन।

इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव मितरौली निवासी विवेक चौहान (18) पुत्र धीरेंद्र अपने दोस्त अमन उर्फ वंश वर्मा (20) के साथ मुरादाबाद से अपनी बहन राधा की ससुराल में आयोजित जागरण में शामिल होने के लिए दातागंज क्षेत्र के गांव सादुल्लागंज बाइक से जा रहे थे। मुड़िया धुरेकी के पास अचानक छुट्टा गोवंश का झुंड राजमार्ग पर आ गए। बाइक चला रहे अमन ने तेज ब्रेक लगाए लेकिन उनकी बाइक छुट्टा गोवंश से टकरा गई। गोवंश के सींघ अमन के पेट में घुस गए। बाइक पर पीछे बैठे विवेक चौहान राजमार्ग पर जा गिरे। उनके साथ दूसरी बाइक से आगे चल रहे विवेक चौहान के मौसेरे भाई सक्षम व मयंक पीछे लौटे। जहां विवेक और अमन खून से लथपथ पर पड़े थे। मौसेरे भाई चिल्लाए तो राहगीर रुक गए। दोनों को बिसौली के सीएचसी ले जाया गया। चिकित्सक ने विवेक और अमन को मृत घोषित कर दिया। पुलिस की सूचना पर परिजन पहुंचे। परिजनों ने बताया कि विवेक चौहान अपनी माता आशा व पिता धीरेंद्र के इकलौता बेटा थे। बहन की शादी के बाद वह मुरादाबाद में फल बेचकर जिम्मेदारी निभा रहे थे। अमन भी मुरादाबाद में फल बेचते थे। वहीं दोनों की दोस्ती हो गई थी। थाना प्रभारी रामेंद्र सिंह ने बताया कि बाइक सवारों की सड़क हादसे में मौत हो गई थी।

बाइकों की भिड़ंत में संभल के तीन युवक घायल

ओरछी ,अमृत विचार : आंवला स्थित मनोना धाम से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की बाइकों की भिड़ंत हो गई। हादसे में एक बाइक पर सवार संभल निवासी तीन युवक घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं दूसरा बाइक सवार भाग गया। जिला संभल के साकीन शाहपुर निवासी जसवीर पुत्र विद्याराम, राम शंकर पुत्र रामवीर, 10 साल के दीपांश मनौना धाम से दर्शन करके वापस लौट रहे थे। मुरादाबाद-फर्रुखाबाद राजमार्ग पर थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र स्थित पेट्रोल पंप के पास चंदौसी की ओर से आ रही बाइक से उनकी बाइक की भिड़ंत हो गई। वह तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायल को बिसौली के सीएचसी भेजा। एक घायल की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया।

विधायक ने लिखा पत्र, जल्द लगाया जाए ट्रांसफार्मर

उसहैत ,अमृत विचार : ब्लॉक उसावा के बीलामई गांव में ट्रांसफार्मर बार बार फुक रहा है। जिससे ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक और विभाग के अधिकारियों से शिकायत की। ग्रामीणों ने उसहैत बिजली घर पर प्रदर्शन कर जल्द नया ट्रांसफार्मर लगवाने की मांग की है।

बीलामई गांव में पिछले काफी दिनो से बिजली संकट बना हुआ है। अधिक लोड के चलते ट्रांसफार्मर फुंक जाता है। गांव के बिजली की लाइन जर्जर है। विभाग इस ओर ध्यान नहीं देता है। फुंका हुआ ट्रांसफार्मर नही बदला गया है। जिससे परेशान ग्रामीणों ने बुधवार को उसहैत बिजली घर पर प्रदर्शन किया और विभाग के कर्मचारियों पर मनमानी करने का आरोप लगाया। ग्रामीण विधायक राजीव कुमार सिंह से भी मिले। विधायक ने विद्युत वितरण खंड के अधिशासी अभियंता द्वितीय को पत्र लिख कर नया ट्रांसफार्मर रखने और बिजली के जर्जर तार बदलने को कहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बुधवार को बिजली विभाग के कर्मचारी नया ट्रांसफार्मर लेकर गांव पहुंचे लेकिन गांव के दूसरे पक्ष ने ट्रांसफार्मर नहीं रखने दिया ।

शीश पे खड़ाऊं अंखियन में पानी, राम भक्त ले चला राम की निशानी

रामकथा सुनातीं हरियाणा से आईं कथा वाचक अंजलि आर्य।

बदायूं, अमृत विचार : भारत स्वाभिमान ट्रस्ट और पतंजलि योग समिति की ओर से आवास विकास कॉलोनी में पांच दिवसीय वैदिक रामकथा का आयोजन किया गया। जिसमें हरियाणा के करनाल से आईं कथा वाचिका अंजलि आर्य ने रामायण और पुत्रेष्टि यज्ञ का महत्व बड़े रोचक प्रसंगों के साथ बताया। साथ ही सनातन संस्कृति में यज्ञ की महिमा का वर्णन किया। कहा कि शीश पे खड़ाऊं अंखियन में पानी, राम भक्त ले चला राम की निशानी। कथा वाचक ने भगवान श्रीराम की बाल लीलाओं से जुड़े प्रसंग सुनाए। जो भारती संस्कृति में आदर्श स्थापित हुए हैं उनको आज के परिवेश कैसे स्थापित किया जाए। समाज में बिगड़ते पारिवारिक संबंधों को कैसे पुनर्स्थापित स्थापित करें। श्रोताओं ने बहुत सराहा और आत्मसात करने का वचन दिया। जिसके बाद कथा वाचक ने भगवान राम के वन गमन की लीला का वर्णन किया। व्यवस्था में योग गुरु गिरधारी सिंह राठौर, आवेश पाल सिंह, नवल किशोर, त्रिवेंद्र, वीरेंद्र सैनी, योगेंद्र पाल सिंह, संजीव चौहान, भगवान स्वरूप पाल, सुरेश पाल सिंह, जनवेद सिंह, सुरेश, मदन लाल पाल, ओमकार सिंह, हरिओम वर्मा, सुरेंद्र सिंह शाक्य आदि उपस्थित रहे।

हत्या करके जला दिया शव चार आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज

बिल्सी, अमृत विचार : थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव खेड़ा दास निवासी सोनी रानी पत्नी विपिन कुमार सिंह उर्फ रामू ठाकुर पुत्री नरेश पाल सिंह ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि नगर बिल्सी के मोहल्ला एक निवासी सुरेन्द्र पाल सिंह और उनके लड़कों ने पिछले दिनों योजना बनाकर उनके पिता नरेश पाल सिंह को शराब में जहर देकर हत्या कर दी थी। परिजनों को सूचना दिए बिना शव को जला दिया था। अगले दिन अन्य लोगों से सूचना मिलने पर नरेश पाल सिंह के परिजन पहुंचे तो पता चला कि उन लोगों ने नरेश पाल सिंह की पूरी संपत्ति हथियाने के लिए हत्या की है। शिकायत के बाद भी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की तो वह कोर्ट की शरण में पहुंचीं। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। बिल्सी कोतवाल मनोज कुमार सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर सुरेंद्र पाल सिंह समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। मामले की जांच की जा रही है।

कार्यालय ग्रा.पं. जगतुआ विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : निविदा/विज्ञाप्ति/2025-26 01.10.2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक,सरिया,एंगिल, रोडा़ आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत जगतुआ विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अत: समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 04.10.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि
1.	डम्बर सिंह के मकान से वीरपाल के घर तक सीसी नि. कार्य, सैदसराय	प्रा. के अनु.
2.	मुनेंद्र के घर से हरज्ञान के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य, सैदसराय	प्रा. के अनु.

सचिव प्रधान

कार्यालय ग्रा.पं. नौना विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : निविदा/विज्ञाप्ति/2025-26 01.10.2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत नौना विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अत: समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 04.10.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि
1.	उदयवीर के घर से फिल्टर चैम्बर तक नाला मरम्मत कार्य	प्रा. के अनु.

सचिव प्रधान

कार्यालय ग्रा.पं. मियां पुर दियौरा विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : निविदा/विज्ञाप्ति/2025-26 01.10.2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत मियां पुर दियौरा विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अत: समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 04.10.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि
1.	गीता देवी के घर से बोहरन के घर तक सीसी व नाली नि. कार्य	प्रा. के अनु.
2.	आर्येन्द्र के घर से बलवीर पंकज के रास्ते तक सीसी व नाली निर्माण कार्य, सैदसराय	प्रा. के अनु.

सचिव प्रधान

ओवर ब्रिज के नीचे ठेले-खोमचे वालों का रहता है कब्जा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

ओवर ब्रिज के नीचे खुली दुकानें। • अमृत विचार

- **लोगों को आवागमन में होती है दिक्कतें**

> जल्द ही ओवर ब्रिज के नीचे किए गए कब्जों को हटाया जाएगा। पूर्व में भी अतिक्रमण हटाया गया था, लेकिन अब भी लोग काबिज हैं।
> – **विनय कुमार**, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका।

अमृत विचार: नगर पालिका प्रशासन के जिम्मेदारों की ढिलाई के कारण ओवर ब्रिज के नीचे अतिक्रमण लोगों के लिए नासूर बन गया है। ओवर ब्रिज के नीचे दर्जनों ठेले खड़े हैं। कहीं फलों की दुकान चल रही है तो कहीं जूस बिक रहा है। इतना ही नहीं लोगों ने उसे पार्किंग स्थल बना दिया है। जिसके कारण हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। जिसके कारण लोगों को आने जाने में दिक्कत होती है। यह हाल तब है जब वहां पर पुलिस चौकी स्थापित है। लेकिन किसी को ओवरब्रिज के नीचे का अतिक्रमण दिखाई नहीं देता।

शहर सहित ओवर ब्रिज के नीचे कब्जा न हो इसके लिए संतोख सिंह तिराहे से आगे और एसपी सिटी के नजदीक नगर पालिका द्वारा वेंडिंग जोन बनाया गया है। इसके बाद भी यहां पर दर्जनों ठेले खोमचे वालों ने कब्जा जमा रखा है। कुछ लोग फल और जूस की दुकानें खोले बैठे हैं। जीजीआईसी कॉलेज के सामने से स्टेशन रोड तक जाने वाले ओवर ब्रिज के नीचे जगह-जगह कब्जा है। कहीं पर कार पार्किंग हो रही है तो कहीं पर सब्जियां बिक रही हैं।

कई स्थानों पर पुल के नीचे लोग कचरा फेंक रहे हैं। हालात ऐसे बने हुए हैं कि वाहन चालकों के साथ पैदल चलने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ दिनों पूर्व नगर पालिका प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए चेतावनी दी थी। कुछ ठेले भी हटाए थे। लेकिन उसके बाद नगर पालिका प्रशासन की ओर से कोई कर्मचारी अधिकारी झांकने तक नहीं पहुंचा।

खबरें www. amrit vichar. com पर भी पढ़ें

कार्यालय थाना प्रेम नगर जनपद बरेली

नीलामी सूचना

थाना प्रेमनगर बरेली पर दिनांक 8.10.25 को 16 वाहनों की नीलामी है। इच्छुक रजिस्टर्ड जीएसटी नंबर के साथ कबाड़ी दिनांक 8.10.25 को समय 10:00 बजे थाना प्रांगण में उपस्थित हो अन्य शर्ते एवं विवरण थाना उपस्थित आकर देखे जा सकते हैं। ई-निविदाएं निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

प्रभारी निरीक्षक
थाना प्रेमनगर, जनपद बरेली।

सीएचसी को जगह चिह्नित करने की तैयारी

- **80 हजार की आबादी पर बन रही दूसरी सीएचसी**
- **स्वीकृति मिलने के बाद ही विभाग ने कसी कमर**

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : ब्लॉक जगत का भौगोलिक क्षेत्र काफी बड़ा होने के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर दूर दूर के ग्रामीण नहीं पहुंच पाते हैं इसलिए स्वास्थ्य विभाग ने ग्राम गुलड़िया में दूसरी सीएचसी बनाए जाने की स्वीकृति शासन से ली है। स्वीकृति मिल जाने के बाद अब सीएचसी के लिए जगह का चिन्हीकरण किया जाएगा।

ब्लॉक जगत की कुल आबादी करीब ढाई लाख से अधिक है। ढाई लाख की आबादी पर मात्र एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है। सीएचसी जगत के अंतर्गत गुलड़िया के आसपास के करीब बीच गांव आते हैं। इन गांवों के लोगों को सीएचसी जगत पर आना मुश्किल होता है इसलिए दूर दराज के ग्रामीणों को सीएचसी का लाभ नहीं मिल पाता है। इस समस्या से निजात पाने को स्वास्थ्य विभाग ने ग्राम गुलड़िया में दूसरी सीएचसी का निर्माण कराने का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव बना कर जुलाई माह में शासन को स्वीकृति के लिए भेजा था। करीब एक माह बाद शासन स्तर से स्वीकृति मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने नई सीएचसी के लिए कवायद शुरू कर दी।

सीएचसी जगत प्रभारी डा. मोहम्मद असलम ने बताया कि एक सीएचसी पर करीब अस्सी हजार की आबादी होनी चाहिए। ब्लॉक जगत क्षेत्र के आबादी करीब ढाई लाख है। इसलिए गुलड़िया में दूसरी सीएचसी बनाने का निर्णय लिया गया है। इस क्षेत्र के करीब चालीस से अधिक गांवों को मिला कर सीएचसी का निर्धारण किया गया है। अब शासन से नई सीएचसी की स्वीकृति मिल चुकी है। स्वास्थ्य विभाग अब सीएचसी की नई बिल्डिंग को जगह का चिन्हांकन करेगा। गुलड़िया में ग्राम पंचायत की जगह चिन्हित की गई है। यदि कोई ग्रामीण अपनी जगह देना चाहता है तो उस पर विचार किया जाएगा। जगह चिन्हित कर रिपोर्ट शासन को भेज दी जाएगी।

ब्लॉक जगत में होंगी अब दो सीएचसी

ब्लॉक जगत पहला ब्लॉक होगा जिसमें दो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र होंगे। यह ब्लॉक क्षेत्र भौगोलिक रूप से सबसे विशाल है इसलिए इस ब्लॉक में दो सीएचसी होंगे। डॉ. मोहम्मद असलम ने बताया कि सीएचसी का निर्धारण वैसे तो शासन की अनुमति के बाद होगा लेकिन यहां पर जरूरत के हिसाब से दूसरी सीएचसी के निर्माण की स्वीकृति ली गयी है। स्वीकृति मिल चुकी है। अब केवल बिल्डिंग निर्माण का कार्य शुरू कराया जाएगा। इसका ठेका किसी निर्माण कंपनी को विभागीय स्तर पर दिया जाएगा।

नवरात्र के अंतिम दिन में मंदिरों में भक्तों ने लगाई हाजिरी

बिल्सी, अमृत विचार : बुधवार को नगर के हनुमानगढ़ी मंदिर समेत सभी मंदिरों में मां दुर्गा के नौवें स्वरूप सिद्धीदात्री की भक्तों ने आराधना की। नगर के हनुमानगढ़ी देवी मंदिर पर सबसे अधिक भक्त पहुंचे। यहां पर भक्तों ने मनोकामना पूर्ण होने को पूजा की। नवरात्रि के अंतिम दिन सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना की जाती है। नगर के मोहल्ला संख्या पांच के दुर्गा मंदिर, शिव शक्ति भवन मंदिर, कुटी मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, देववाणी मंदिर समेत प्रमुख देवी मंदिरों में भक्तों ने मां के दरबार में हाजिरी लगाई। इधर, क्षेत्र के गांव हैवतपुर में स्थित माँ दुर्गा मंदिर पर बुधवार को नवरात्र के अंतिम दिन को विशाल भंडारा का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में कन्याओं को भोज कराया। तत्पश्चात भारी संख्या में लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर के पुजारी रामवीर शर्मा ने बताया कि हर वर्ष की भांति माता के नवरात्री के अंतिम दिन विशाल भंडारा होता है, जिससे माता प्रसन्न होती है, सभी झूठी बुराई पापों का नाश करती हैं। इस मौके पर भक्त देव ठाकुर, जय हिन्द, लोकेश, रविंद्र शर्मा, सतेंद्र, चेतन, अंशु सक्सेना, अजीत तोमर, अमित, पवन, नत्थू, देवांशु, पंकज आदि मौजूद रहे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
द्वादशम् मण्डल सिंचाई कार्य
गंगा सिंचाई भवन, तेलीबाग
लखनऊ।

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या-06/द्वादशम्/2025-26

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 में सिविल कार्यों हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन http://etender.up.nic.in के माध्यम से निम्न कार्य हेतु निविदा दिनांक 09.10.2025 को अपरान्ह 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं, जिसकी टेक्निकल बिड दिनांक 09.10.2025 को अपरान्ह 3.30 बजे अधीक्षण अभियन्ता, द्वादशम् मण्डल सिंचाई कार्य, लखनऊ के कार्यालय में ऑनलाइन खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 04.10.2025 की पूर्वान्ह 10.00 बजे से दिनांक 09.10.2025 की अपरान्ह 3.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किया जा सकता है। कार्यालय बन्द होने या छुट्टी होने पर बिड अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। निविदा नोटिस एवं प्रपत्र की जानकारी http://idup.gov.in पर उपलब्ध होगी।

लॉट सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (GST रहित) (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू0 में (जी0एस0टी0 सहित)	ठेकेदार की पंजीकृत श्रेणी	कार्य से सम्बन्धित खण्ड का नाम
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	जनपद लखीमपुर-खीरी में गिरिजा बैराज के दायें अफलक्स बंध के किमी0 0.000 से किमी0 8.550 तक निर्मित मेटल्ड रोड के नवीनीकरण का कार्य।	148.32	2.97	45 दिवस	रू0-4466.00 (3784.00+682.00)	"ए" अथवा उच्च	सिंचाई खण्ड, शारदानगर, लखीमपुर-खीरी।
2.	शारदा सहायक पोषक नहर के बायें बैंक के किमी0 119.680 से किमी0 125.258 तक गड्ढामुक्ति एवं किमी0 125.300 से किमी0 140.936 तक सेवामार्ग के नवीनीकरण का कार्य।	252.92	5.06	45 दिवस	रू0-5700.00 (4830.00+870.00)	"ए" अथवा उच्च	सिंचाई खण्ड, लखनऊ।

अधीक्षण अभियन्ता
द्वादशम् मण्डल सिंचाई कार्य
लखनऊ।

UP-238395 दिनांक 30.09.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र में चल रहा खनन, एक्स पर शिकायत

फैजगंज बेहटा क्षेत्र में खनन के बाद मिट्टी ले जाती ट्रॉली।

संवाददाता, ओरछी

अमृत विचार : कस्बा ओरछी चौराहे के आसपास के जंगलों से दिन और रात बालू खनन जारी है। दर्जनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियां राजमार्ग पर दौड़ते रहते हैं। पुलिस पिकेट कुछ ही दूरी पर मौजूद है। पुलिस के सामने खुलेआम चलते रहते हैं। बताया जा रहा है कि खनन करने वाले लोग सीमावर्ती संभल जिले से बदायूं में आकर खनन करते हैं। खनन का काम रात में और तेज हो जाता है। ट्रॉलियों से मिट्टी उड़ने की वजह से राहगीरों को भी परेशानी होती है। वहीं ओरछी चौराहे पर प्लाट के भरान के लिए भी मिट्टी खनन किया जा रहा है। उपजाऊ जमीन की कोख खोखली करके तालाब बना रहे हैं।

धमकाते हुए डाला वीडियो दो गिरफ्तार

विजय नगला, अमृत विचार : मूसाझाग थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवक ने असलाह के साथ वीडियो बनाई। धमकाते हुए बोला कि आने वाला समय हमारा होगा। रील देखते ही गांव में तनाव पैदा हो गया। लोगों ने वीडियो पर आपत्ति जताई थी। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। उसके असलाह के लाइसेंस के निरस्तीकरा की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

गांव मचलई निवासी युवक ने फरमान अंसारी नाम से बनी फेसबुक आईडी पर वीडियो पोस्ट की। जिसमें युवक असलाह लिया नजर आ रहा है। वह गांव की गली में लाइसेंसी असलाह लिए गुजरा। सामने वाले व्यक्ति ने पूछा कि अगला टारगेट कौन होगा। वह बोलता हुआ नजर आ रहा है कि यह तो आने वाला समय हमारा होगा।

मौका फल पट्टी योजना के तहत बागवानी किसानों को 20 हजार का लाभ

बागों का होगा जीर्णोद्धार, मिलेगा अनुदान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

> फल पट्टी योजना के तहत पुराने आम के पेड़ों को जीर्णोद्धार करने के लिए योजना चल रही है। योजना के तहत बागवानी करने वाले किसानों को बीस हजार रुपये प्रति हेक्टेयर का अनुदान दिया जाएगा। बागवानी करने वाले किसानों को अधिकतम दो हेक्टेयर बाग पर अनुदान दिया जाएगा। योजना के तहत किसानों से आवेदन मांगे हैं। अब तक दो से तीन किसानों ने आवेदन किया है।
> –**सुनील कुमार**, जिला उद्यान अधिकारी।

अमृत विचार: किसानों की आय दुगनी करने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। साथ ही लुप्तप्राय होते जा रहे बागों के संरक्षण के लिए भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। वर्षों पुराने बागों के जीर्णोद्धार के लिए सरकार द्वारा फल पट्टी योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत बागों के जीर्णोद्धार के लिए अनुदान दिया जाएगा।

योजना के तहत अधिकतम दो हेक्टेयर के बाग में स्थित पुराने पेड़ों का संरक्षण करने के लिए सरकार से बीस हजार रुपये का अनुदान मिलेगा। जिससे किसान लाभान्वित हो सके। योजना के तहत उद्यान विभाग ने किसानों से आवेदन मांगे हैं। पहले आओ पहले पाओ के आधार पर योजना का लाभ दिया जाएगा। विभाग में अब तक मात्र दो किसानों के द्वारा ही आवेदन किया है।

पुराने बागों की फलत को बढ़ाने के लिए जीर्णोद्धार तकनीक कारगर साबित हो रही है। इससे न सिर्फ आम के उत्पादन में बढ़ोतरी होती है, बल्कि कीटों एवं रोगों के प्रकोप में भी कमी आ जाती है। जनपद में आम का रकबा 20 हजार हेक्टेयर से अधिक है। इनमें बड़े क्षेत्रफल में आम के पुराने बाग भी हैं। 40 वर्ष के बाद आम पेड़ बड़े होने के चलते बाग सघन हो जाते हैं। इसे देखते हुए उद्यान विभाग बागवानों को पुराने बागों के जीर्णोद्धार कराने पर जोर दे रहा है। जीर्णोद्धार प्रक्रिया में आम के 40 वर्ष से अधिक आयु के पेड़ों की मुख्य शाखाओं को छोड़कर अन्य शाखाओं को आठ से दी फीट की ऊंचाई से काट दिया जाता है। पेड़ों की कटी हुई शाखाओं पर कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का पेस्ट लगाया जाता है। इससे कटी हुई शाखाओं को किसी रोगाणु के प्रकोप से बचाने में मदद मिलती है। इन कटी हुई शाखाओं से नई शाखाएं निकलती हैं। इससे बागों की न सिर्फ आयु बढ़ जाती है, बल्कि उत्पादकता में भी बढ़ोतरी हो जाती है। इसके लिए उद्यान विभाग बागवानों को 20 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर अनुदान दे रहा है। एक बागवान को अधिकतम दो हेक्टेयर आम के बाग पर ही अनुदान दिया जाएगा।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-बरेली।
कार्यालय का पता :-विकास भवन, बरेली।
(ई-प्रोक्योरमेन्ट अतिअल्पकालीन निविदा सूचना)

पत्रांक :-1845/ग्रा0अ0वि0/निविदा/2025-26/दिनांक:- 24.09.2025

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं प्रतिशत दर में श्रेणी ए0/बी0/सी0/डी0 में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यो के लिए निविदा डाल सकता है :-

1. तालिका के अनुसार कार्यों का विवरण :-

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख मे) (जीएसटी सहित)	धरोहर धनराशि (विड सिक्योरिटी) (रूपये मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 मूल्य सहित रूपये मे)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सम्मिलित करते हुये)
1	2	3	4	5	6	7
01	बरेली	पर्यटन स्थल यक्ष सरोवर (लीलौर झील) का पुर्नउद्यार/निर्माण (वि0नि0-रामनगर)	13.580	27200.00	854.00	03 माह
02	बरेली	लिलौर झील के किनारे 12.6X24 फीट साइज़ के कॉटेज का निर्माण कार्य (क्रिटिकल गैप्स-रामनगर)	13.580	27200.00	854.00	03 माह
03	बरेली	लिलौर झील (यक्ष सरोवर) में पॉली हाउस पर्यटन केंद्र की रोड साइड की बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य। (क्रिटिकल गैप्स-रामनगर)	12.170	24400.00	854.00	03 माह
04	बरेली	लिलौर झील (यक्ष सरोवर) में ट्रेन यार्ड अन्य प्रसाधन सुविधा केन्द्रों की चारदीवारी एवं लिंक फेंसिंग कार्य। (क्रिटिकल गैप्स-रामनगर)	14.250	28500.00	854.00	03 माह

2. आनलाइन निविदा उपलब्धता का दिनांक : 03-10-2025
3. आनलाइन निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 13-10-2025 मध्याहन 12.00 वजे तक
4. आनलाइन निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 13-10-2025, अपरान्ह 12.30 वजे तक
5. अधोहस्ताक्षरी को आई वी टी क्लाज 9 के अनुसार अपरिहार्य परिस्थिति मे निविदा में आनलाइन संशोधन पत्र जारी करने का अधिकार प्राप्त है, जिसे किसी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा ,जिसकी जानकारी आनलाइन प्राप्त की जा सकेगी, अतएव समस्त निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि नियिमित रूप से निविदा पोर्टल पर जानकारी प्राप्त करते रहें।

अधिक जानकारी के लिये https://etender.up.nic.in लागिन करें एवं विड डाक्यूमेन्ट डाउनलोड करें।
नोट :- उपरोक्त समस्त निविदायें बजट की प्रत्याशा में आमंत्रित की जा रही हैं।

(विनय कुमार शर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड-बरेली।

UP-238436 दिनांक 30.09.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार

गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025

देश की तरक्की के लिए हमें आपस में लड़ने के बजाय, गरीबी, बीमारी और अज्ञानता से लड़ना होगा।

–लाल बहादुर शास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री

उम्मीदों का रोडमैप

अगले साल से 'समर्थ उत्तर प्रदेश- विकसित उत्तर प्रदेश-2047' का विजन-डॉक्यूमेंट विधिवत लागू होने का समाचार उम्मीद जगाने वाला है। सरकार ने निर्णय लिया है कि वह मौजूदा 9 प्रतिशत की विकास-दर को बढ़ाकर 16 प्रतिशत की वार्षिक विकास-दर हासिल करेगी और 2047 तक औसतन इसी 16 प्रतिशत की दर बनाए रखेगी, ताकि छह ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त हो और उत्तर प्रदेश देश की कुल जीडीपी में 20 प्रतिशत का योगदान दे सके। वर्तमान में लगभग 353 बिलियन डॉलर की जीडीपी को 6 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाना आकाश-कुसुम प्रतीत होता है, पर विजन और प्रतिबद्धता के दम पर क्या नहीं हासिल किया जा सकता और इस सरकार में वे दोनों तत्व पर्याप्त मात्रा में मौजूद हैं।

विभिन्न सूचकांकों के आधार पर उत्तर प्रदेश भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। पहले स्थान पर आने के लिए उसे तमिलनाडु और महाराष्ट्र को पीछे करना होगा। व्यापार में सुगमता के मानक पर सूबा देश में दूसरे स्थान पर है, सतत विकास लक्ष्य सूचकांक में 11 पायदान की छलांग लगाकर अब 18वें स्थान पर आ चुका है। निर्यात-तैयारी सूचकांक में राज्य ने सातवां स्थान प्राप्त किया और सुशासन सूचकांक में साल दर साल सुधार देखा गया है। बुनियादी ढांचे के विकास पर होने वाले व्यय के मामले में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है और राज्य में प्रति-व्यक्ति आय में 23 प्रतिशत की वृद्धि से जनता में भी उत्साह है। विगत आठ वर्षों की सरकारी सक्रियता उसके मनोबलवर्धक दावे में दम भरती है कि 2030 तक राज्य कृषि निर्यात में देश का अगुवा बनेगा, रूस, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे वैश्विक कृषि निर्यातकों की श्रेणी में शामिल होगा और वैश्विक कृषि जगत के लिए रोल-मॉडल बनकर उभरेगा। हाल के वर्षों में राज्य ने आर्थिक और शासन दोनों ही क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार दिखाए हैं, खासकर बुनियादी ढांचे के विकास और ई-गवर्नेंस में, परंतु सामाजिक और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में अभी भी काफी सुधार की आवश्यकता बनी हुई है, जहां राज्य कई सूचकांकों में निचले पायदान पर है।

फिलहाल, वर्तमान कार्ययोजना का मसौदा 30 नवंबर को मुख्यमंत्री के समक्ष अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। अनुमोदन के पश्चात दिसंबर में यह रोडमैप लागू करने के लिए तैयार होगा और अगले ही महीने वे 12 सेक्टर्स, जिन्होंने लाखों सुझावों के आधार पर अपने-अपने कार्यक्रम पहले ही तैयार कर लिए हैं, इन पर काम शुरू कर देंगे। विचारों को कार्यप्रणाली में बदलने की यह तेज रफ्तार बताती है कि सरकार अपने लक्ष्यों के प्रति कितनी प्रतिबद्ध, आश्वस्त और उत्साहित है। सरकार ने क्रांतिकारी बदलाव करने का मन बनाया है, पर क्या धन भी पर्याप्त है? इस प्रश्न का उत्तर अगले माह प्रस्तुत होने वाले सालाना बजट से स्पष्ट होगा, जब चयनित 12 प्राथमिक सेक्टरों के बजटीय आवंटन देखने को मिलेगा। फिलहाल, इन सकारात्मक विकासोन्मुख परिस्थितियों में यदि 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश-2047' लागू होता है तो लक्ष्य की संभावनाएं निस्संदेह बलवती होंगी।

महात्मा गांधी का रामराज्य और उसकी सार्थकता

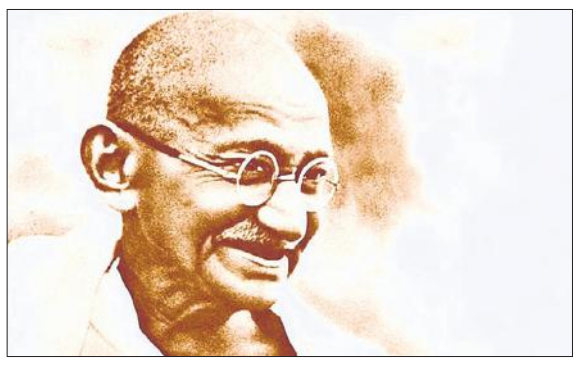

रमा निवास तिवारी

लेखक

गांधी जी के रामराज्य से वर्तमान भारत कितनी दूरी बना चुका है, यह समझना हो तो उनके सपनों के भारत के मुख्य मूल्यों जैसे सत्य अहिंसा प्रेम और करुणा से समाज द्वारा बनाई गई दूरी पर दृष्टिपात करना होगा। गांधी जी ने जिस रामराज्य की कल्पना की थी, वह वास्तव में धर्मराज्य था। उन्होंने सोचा था कि उनके भारत में धर्मानुसार लोग आचरण करेंगे, धर्मसम्मत जीवन से उनका आशय मर्यादित, संयमित और सदाचारित जीवन निर्वहन से था। रामराज्य की उनकी संकल्पना के मूल में भगवान श्रीराम का मर्यादित जीवन था।

गांधी जी ने लोगों से रामराज्य के निर्माण की अपेक्षा तो की, किंतु उनको लगा कि इस रामराज्य जैसे शब्द पर सनातन से इतर धर्मावलंबियों को एतराज न हो, तो वह रामराज्य के बजाय धर्मराज्य की स्थापना का आग्रह लोगों से करने लगे। वास्तव में महर्षि बाल्मीकि के कथन 'रामो विग्रहवान धर्मः' को अंगीकार करते हुए गांधी जी ने राम को साक्षात धर्म का विग्रह मानकर रामराज्य को धर्मराज्य कहना आरंभ किया। गांधी जी मानते थे कि राम जी ने जैसा जीवन जिया, सामाजिक एवं पारिवारिक संबंधो को जैसे निभाया, वह सब मर्यादा की परिधि में रहकर धर्म से अनुप्राणित था।

गांधी जी एक शब्द स्वराज का प्रयोग किया करते थे, यह शब्द राजनीतिक बिल्कुल भी नहीं था, गांधी जी इसे राष्ट्र में प्रतिष्ठित करना चाहते थे, किंतु राजनयिकों ने उसे राजनीति में प्रतिष्ठित कर दिया। इसीलिए गांधी जी को स्वराज शब्द की व्याख्या करने पर विवश होना पड़ा। गांधी जी ने एक स्थान पर लिखा है कि उनके स्वराज शब्द का अभिप्राय रामराज्य से है, उन्होंने लोगों को यह खुली छूट दे रखी थी कि लोग रामराज्य को धर्म राज्य भी मान सकते हैं।

उन्हें यह बिल्कुल भी मंजूर नहीं था कि रामराज्य को राम से पृथक करके देखा जाए। गांधी जी अपने रामराज्य के प्रति इस बात को लेकर आग्रही थे कि यहां के लोग अपनी मूल संस्कृति में अवस्थित होकर अपने चरित्र का विकास करें। जिस समय गांधी जी देश में काम कर रहे थे, उस समय ईश्वर की उपासना के अलग-अलग मार्ग चलन में थे। कुछ पंथ और कुछ धर्म ऐसे भी अस्तित्व में थे, जो राम को ईश्वर मानने को तैयार नहीं थे, लिहाजा बापू को अपने रामराज्य से सभी को जोड़ने की कवायद में रामराज्य को शब्दांतर करके धर्मराज्य और स्वराज जैसे शब्दों का इस्तेमाल करना पड़ा।

गांधी जी ने इस देश में राम राज्य की संकल्पना ही क्यों की? क्यों उन्होंने किसी और राजा के राज्य की कल्पना को अपने करीब उपस्थित भी होने नही दिया? यह बड़ा प्रश्न है। राम जी के पूर्वजों का कितना गौरवशाली अतीत था। गांधी जी के मन में कभी मनु राज्य, इक्ष्वाकु राज्य, दशरथ राज्य की संकल्पना क्यों नहीं पनपी? शायद राष्ट्र पिता के मन में यह बात आई होगी कि जो अपनी ही सत्ता को सुरक्षित करने में लगा हो, वह रामराज्य नहीं हो सकता। रामराज्य की तो विशेषता ही यही है कि वहां दूसरों की गद्दी पहले ठीक की जाती है फिर अपने सिंहासन की परवाह की जाती है।

भगवान राम ने पहले केवट को निहाल किया, फिर किष्किन्धा की गद्दी सुग्रीव के हवाले की। उसके बाद विभीषण को लंकेश बनाया तब जाकर कहीं खुद अयोध्या की गद्दी पर आसीन हुए। गांधी जी की दृष्टि में रामराज्य वह है, जहां त्याग की भावना है। दूसरे के सुख के लिए अपने सुखों का त्याग कर देने की हिम्मत हो। भगवान राम ने पिता के वचनों को निभाने के लिए अयोध्या की गद्दी छोड़ी, तो केवट ने भगवान राम को गंगा पार कराकर अपनी मजदूरी का परित्याग किया।

शायद बापू को यह बात जंची होगी कि राम राजा के पुत्र थे। उनके पास राज्य था तो उन्होंने राज्य का त्याग किया। किंतु उस केवट के त्याग की सराहना होनी चाहिए, जिसके पास दो टाइम के खाने का जुगाड़ भी नही था। उसने धर्म के पथ पर चल निकले राम के समर्थन में अपनी मजदूरी का त्याग किया। गांधी जी की दृष्टि से रामराज्य को देखें तो भगवान राम के अश्वमेध यज्ञ में नारी सम्मान और स्त्री आदर के दर्शन होते हैं। अश्वमेध यज्ञ में सीता के न होने पर सीता की प्रतिमा के द्वारा भगवान राम ने यज्ञ संपन्न किया, जबकि वह समय ऐसा था, जब राजा लोग कई-कई रानियां रखते थे। राम चाहते तो एक और विवाह करके दूसरी पत्नी के साथ मिलकर अश्वमेध यज्ञ कर सकते थे। नारी के प्रति सम्मान और उसके उद्धार की दृष्टि राम राज्य के इस प्रसंग में नजर आती है।

गांधी जी शायद इस वजह से भी रामराज्य के आकांक्षी थे, क्योंकि रामराज्य में सत्ता और सरकारें अपनी बात जनता को समझाने में कम भरोसा रखती थीं, बल्कि जनता के मन की बात को समझने का प्रयास करती थीं। भगवान राम ने एक रजक की इच्छा को सम्मान देकर अपनी प्राणप्रिया सीता का निर्वासन तक कर दिया। रामराज्य का विश्वास तो देखिए, जिस राम ने बालि को बाण मारा, बालि उन्हीं राम की गोद में अपने पुत्र अंगद को डाल देता है कि अब इसकी जिम्मेदारी आपकी है।

रामराज्य तब स्थापित होता है जब अपने दुःख से बड़ा दुख दूसरे का जान पड़ने लगे। राम जी की पत्नी सीता का अपहरण हो चुका था, जब सुग्रीव ने अपनी पत्नी के बारे में बताया कि बालि ने उसकी पत्नी को अपने साथ रख लिया है, तो राम जी सीता जी का अन्वेषण बाद में कराते हैं, पहले सुग्रीव की पत्नी उसे दिलाते हैं। उन्होंने सुग्रीव के दुःख को अपने दुःख से बड़ा माना। गांधी जी मानते थे, जब अधिकार से ज्यादा महत्व लोग कर्तव्य को देंगे तो रामराज्य स्थापित होगा। रामराज्य तब आएगा, जब सभी लोग अपने हिस्से के सुख का त्याग दूसरों के लिए करेंगे।

> गांधी जी के रामराज्य से वर्तमान भारत कितनी दूरी बना चुका है, यह समझना हो तो उनके सपनों के भारत के मुख्य मूल्यों जैसे सत्य, अहिंसा, प्रेम और करुणा से समाज द्वारा बनाई गई दूरी पर दृष्टिपात करना होगा।

आमने

पूरी दुनिया दिल्ली आ गई थी, यह कहने कि युद्ध मत शुरू कीजिए। तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस, हमले के कुछ ही दिन बाद दिल्ली आईं और प्रधानमंत्री व मुझसे मिलीं। उन्होंने भी कहा कि आप प्रतिक्रिया न दें। मेरे मन में बदला लेने का विचार आया था, लेकिन फैसला सरकार को लेना था।

–पी चिदंबरम, पूर्व गृहमंत्री

सामने

सोनिया गांधी की मंडली और तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने भारत के नागरिकों के साथ विश्वासघात किया है। कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए। आज भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाता है। आतंकवाद किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। –रामेश्वर शर्मा

भाजपा विधायक, मध्य प्रदेश

दशहराः कॉर्पोरेट और प्रबंधन की कला

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर जीएलए यूनिवर्सिटी

दशहरे का पर्व हमें यह संदेश देता है कि बुराई चाहे जितनी भी बड़ी हो, अंततः उसका नाश होता है। यह पर्व हमें समाज, कार्यस्थल और व्यक्तिगत जीवन में अच्छाई के महत्व को समझाने का अवसर भी प्रदान करता है। रामायण के प्रसंगों से निकली सीखों को आज के कार्य स्थलों में व्यावहारिक दृष्टिकोण से लागू किया जा सकता है। राजा दशरथ के लिए अपनी पत्नी कैकई के दबाव में राम जी को वनवास भेजने का निर्णय एक अत्यंत कठिन निर्णय था, जो व्यक्तिगत और सामाजिक दबावों के संतुलन को साधने का प्रतीक है। राम का वनवास यह दर्शाता है कि नेतृत्व में कई बार ऐसे निर्णय लेने होते हैं, जिनमें व्यक्तिगत इच्छाओं और सामाजिक जिम्मेदारियों का संघर्ष होता है। इस संघर्ष को संतुलित करने की कला हर प्रमुख निर्णय में जरूरी होती है। आज के कार्यस्थल पर भी यही स्थिति देखने को मिलती है, जहां शीर्ष प्रबंधन को विभिन्न दबावों के तहत ऐसे निर्णय लेने होते हैं, जो संगठन के दीर्घकालिक लाभों के विपरीत हो सकते हैं।

राम जी ने अपने पिता के वचन का पालन किया, बिना किसी बहस या विरोध के। उन्होंने अपने व्यक्तिगत सुख को नकारते हुए सामाजिक और संगठनिक हित को सर्वोपरि रखा, जो आज के कार्यस्थल में एक आदर्श नेतृत्व के रूप में देखा जा सकता है। यह एक अच्छे और सच्चे नेतृत्व की परिभाषा है। नेतृत्व केवल अधिकार और निर्णय लेने तक सीमित नहीं होता, बल्कि इसमें अनुशासन, प्रतिबद्धता और ईमानदारी भी आवश्यक है। इसी संदर्भ में लक्ष्मण और माता सीता का राम जी के साथ वनवास में रहना एक सशक्त टीम भावना का उदाहरण प्रस्तुत करता है। कठिन परिस्थितियों में एक सच्ची टीम अपने नेता के साथ खड़ी रहती है और यह वही बलिदान है जो आधुनिक कार्य स्थलों में भी देखा जा सकता है।

भरत जी का अपने भाई राम जी की चरणपादुका रखकर राज्य की जिम्मेदारी संभालना एक अत्यधिक प्रेरणादायक उदाहरण है। यह उस अस्थायी नेतृत्व का प्रतीक है, जिसमें कोई व्यक्ति शीर्ष पद पर न होते हुए भी संगठन की स्थिरता बनाए रखता है। यही वह आदर्श है, जिसे हर संगठन में लागू किया जा सकता है। स्वर्ण मृग की घटना यह दर्शाती है कि कभी-कभी अनावश्यक आकर्षण और दबाव पूरी टीम को संकट में डाल सकते हैं। सीता जी के आग्रह पर राम जी ने स्वर्ण मृग को पकड़ने की कोशिश की, जिसके परिणामस्वरूप श्रीराम, लक्ष्मण जी और माता सीता तीनों संकट में फंस गए। यही अवस्था आज के कार्य स्थलों पर भी देखी जा सकती है, जहां बढ़ते हुए कार्यभार और आकर्षण कभी-कभी गलत दिशा में निर्णय लेने की प्रेरणा देते हैं।

'लक्ष्मण रेखा' और रावण द्वारा सीता हरण हमें यह सिखाता है कि नियमों और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना क्यों आवश्यक है? लक्ष्मण ने सुरक्षा उपाय किए, लेकिन रावण के छल में सीता जी का फंस जाना यह दर्शाता है कि नियमों का उल्लंघन कई बार बड़े संकट का कारण बन सकता है। कार्य स्थल पर भी यही नियमों का पालन अनिवार्य है। जटायु का बलिदान और सीता जी की रक्षा का प्रयास उन कर्मचारियों का प्रतीक है, जो अनैतिक प्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाते हैं, भले ही इससे उनका व्यक्तिगत और करियर संबंधी जोखिम बढ़ जाए। जटायु ने अपनी जान की बाजी लगाकर रावण के अहंकार के खिलाफ संघर्ष किया और इसी तरह कार्य स्थल में भी कुछ कर्मचारी (व्हिसल ब्लोअर) साहसिक तरीके से गलत प्रथाओं का विरोध करते हुए नैतिकता की रक्षा करते हैं।

श्रीराम का सीता जी की खोज में वन-वन भटकते हुए सहयोग और संधियों की स्थापना करना आधुनिक संगठन के लिए एक अमूल्य सीख है। राम जी ने वानर राज सुग्रीव, हनुमान, अंगद और अन्य शूरवीरों को उनकी क्षमताओं के अनुसार कार्य सौंपे। यही अच्छे नेतृत्व का मापदंड है- सही व्यक्ति को उसकी क्षमता और कौशल के अनुरूप कार्य देना। संधि के अनुरूप समय बीत जाने के बाद भी माता सीता की खोज प्रारंभ न किए जाने पर सुग्रीव के प्रति राम का असंतोष भी यह दर्शाता है कि अच्छे नेता अपनी टीम से जिम्मेदारी और जवाबदेही की उम्मीद रखते हैं। राम जी का संवाद और केवट, शबरी जैसे पात्रों के साथ व्यवहार एक सशक्त और संवेदनशील कार्यस्थल की स्थापना का आदर्श प्रस्तुत करता है।

रावण से युद्ध में राम जी ने न केवल सेना की शक्ति का प्रयोग किया, बल्कि विरोधियों को भी अपने पक्ष में करने का प्रयास किया। विभीषण को अपने पक्ष में जोड़कर उन्होंने संगठनात्मक परिवर्तन का उदाहरण प्रस्तुत किया। यह हमें सिखाता है कि नेतृत्व केवल बाहरी प्रतिस्पर्धा और विरोधियों पर जीत तक सीमित नहीं होता, बल्कि असंतुष्ट सदस्यों को जोड़कर संगठन को मजबूत बनाना भी एक अच्छे नेता की पहचान है।

हनुमान जी द्वारा लक्ष्मण जी के मूर्छित होने पर संजीवनी बूटी की खोज संकट प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण है। जब टीम के महत्वपूर्ण सदस्य को आपातकालीन स्थितियों का सामना करना पड़ता है, तो तुरंत उपयुक्त संसाधनों का तैनात किया जाना और सभी विकल्पों का उपयोग करना आवश्यक होता है। यही कार्य स्थल पर आपातकालीन संकटों से निपटने की प्रभावी रणनीति है।

> यदि हम रामायण के घटनाक्रमों को आज के कार्यस्थल और कॉर्पोरेट दुनिया से जोड़कर देखें, तो यह हमें नेतृत्व, टीम प्रबंधन और संकट निवारण की अनमोल शिक्षा प्रदान करता है।

प्रसंगवश

राजघाट पर कमी खलेगी उन शिखर गांधीवादी की

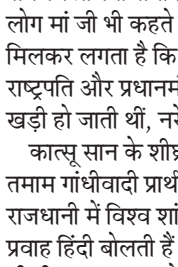

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

गांधी जयंती पर सुबह राजघाट और फिर शाम को गांधी स्मृति में सर्वधर्म प्रार्थना सभा में एक बेहद अहम शख्सियत की इस बार कमी खलेगी। वो बीती आधी सदी से भी अधिक समय से राजधानी में बापू के बलिदान दिवस, जयंती से लेकर खास सरकारी आयोजनों में होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में भाग लेती रही हैं। हम बात कर रहे हैं कात्सू सान की। वो दो अक्टूबर तथा 30 जनवरी को राजघाट और फिर तीस जनवरी मार्ग (बिड़ला हाउस) में आयोजित होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं का स्थायी चेहरा हैं। 88 साल की कात्सू सान की उर्जा देखने लायक है। उन्होंने सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं के दौरान फखरुद्दीन अली अहमद, शंकर दयाल शर्मा, केआर नारायणन, एपीजे अब्दुल कलाम, प्रतिभा सिंह पाटिल, प्रणव कुमार मुखर्जी, राम नाथ कोविंद जैसे राष्ट्रपतियों तथा श्रीमती इंदिरा से लेकर नरेंद्र मोदी तक के सामने बुद्ध धर्म ग्रंथों से प्रार्थना पढ़ चुकी हैं। वो बीते कई महीनों से बीमार हैं। आप चाहें तो छोटे कद की कात्सू को देश की सबसे बुलंद गांधीवादी मान सकते हैं।

कात्सू सान के नेतृत्व में ही सर्वधर्म प्रार्थना होती रही है। उन्हें सब कात्सू बहन कहते हैं। गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को लेकर उनकी निष्ठा निर्विवाद है। कात्सू सान मूलतः जापानी नागरिक हैं। वो 1956 में भगवान बुद्ध के देश भारत में आईं थीं, ताकि उन्हें और गहराई से जान लें। एक बार यहां आईं तो उनका गांधीवाद से भी साक्षात्कार हो गया। उसके बाद तो उन्होंने भारत में ही बसने का निर्णय ले लिया।

सर्वधर्म प्रार्थना का विचार गांधी जी ने ही संसार को दिया था। उनके जीवन काल में यह आरंभ हो गई थी। उनके संसार में न रहने के बाद भी दो अक्तूबर, 30 जनवरी तथा अन्य विशेष अवसरों पर सर्वधर्म प्रार्थना सभाएं आयोजित की जाती हैं। कात्सू सान को कुछ लोग मां जी भी कहते हैं। कुछ उन्हें कात्सू बहन भी कहते हैं। उनसे मिलकर लगता है कि आप अपनी मां का आशीर्वाद ले रहे हैं। उनसे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी मिलते हैं। इंदिरा गांधी उनके साथ खड़ी हो जाती थीं, नरेंद्र मोदी भी उनका हालचाल पूछते रहे हैं।

कात्सू सान के शीघ्र स्वस्थ होने की राजधानी में रहने वाले तमाम गांधीवादी प्रार्थना कर रहे हैं। कात्सू सान के ही प्रयासों से राजधानी में विश्व शांति स्तूप स्थापित हुआ। कात्सू सान धारा प्रवाह हिंदी बोलती हैं। उन्होंने हिंदी काका साहेब कालेकर से सीखी। मुस्कान उनके चेहरे का स्थायी भाव है। कात्सू सान उन गांधीवादियों में शामिल हैं, जो विश्व बंधुत्व, प्रेम और शांति का संदेश देने के लिए भारत के गांवों, कस्बों, शहरों और महानगरों में घूमती हैं। गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को लेकर उनकी निष्ठा निर्विवाद है। उन्हें अब भारत अपना देश लगता है।

सोशल फोरम

स्वतंत्रता का अर्थ किसी नेता को चुनना नहीं

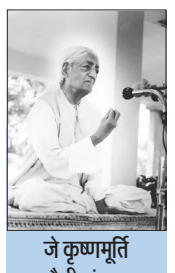

जे कृष्णमूर्ति मैत्री संवाद

फेसबुक

हमें यह पूछना होगा कि स्वतंत्रता (freedom) क्या है। अक्सर कहा जाता है कि स्वतंत्रता कठोर अनुशासन और तथाकथित सभ्य नियंत्रण के अंत में मिलती है- 'सभ्य' का अर्थ यहां साहित्य, कला, संग्रहालय और अच्छा भोजन रखने के अर्थ में लिया जाता है, लेकिन यह तो केवल एक भ्रमित और पतनशील मनुष्य की बाहरी परत है। क्या स्वतंत्रता का अर्थ मनोरंजन के विकल्प होना है? क्या स्वतंत्रता का अर्थ चुनाव (choice) करना है? हम प्रायः स्वतंत्रता को किसी चीज से छुटकारा पाने के रूप में देखते हैं- बंधन से, चिंता से, अकेलेपन से, निराशा से और इसी प्रकार की अन्य अवस्थाओं से, लेकिन इस प्रकार सोचना केवल हमें और अधिक, शायद अधिक परिष्कृत, दुख, पीड़ा और घृणा की कुरूपता की ओर ले जाता है।

स्वतंत्रता का अर्थ किसी राजनीतिक या धार्मिक नेता को चुनकर उसका अनुसरण करना नहीं है, क्योंकि यह तो स्पष्ट रूप से स्वतंत्रता का निषेध है। स्वतंत्रता दासता का विलोम (opposite) नहीं है। स्वतंत्रता एक अंत है- जो हो चुका है उसे आगे बढ़ाने से इंकार करना। स्वतंत्रता का कोई विलोम नहीं है। वह अपने आप में संपूर्ण है। अब जब मैंने यह पढ़ा और समझने का प्रयास किया, तो मेरा अपने विद्यार्थियों से, अपनी पत्नी और बच्चों से और विश्व से क्या संबंध है? वास्तव में स्वतंत्रता की गहराई को समझने के लिए बड़ी मात्रा में बुद्धिमत्ता और शायद प्रेम चाहिए, लेकिन संसार की गतिविधियां न तो बुद्धिमान हैं और न ही मेरे बच्चों का समूह। मैं अपने दिन का अधिकांश समय उनके साथ बिताता हूं।

क्या मुझमें यह स्वतंत्रता, उसकी बुद्धिमत्ता और प्रेम मौजूद हैं? यदि वे मुझमें हैं, तो मेरी समस्याएं बहुत सरल हो जाती हैं। वही गुण कार्य करेगा और जिसे मैं समस्या मानता था, वह समस्या नहीं रहेगा, लेकिन वास्तव में यह मुझमें नहीं है। मैं दिखावा कर सकता हूं, मित्रता का नाटक कर सकता हूं, लेकिन वह बहुत सतही है।

मेरी ज़िम्मेदारी तात्कालिक है। मैं यह नहीं कह सकता कि मैं प्रतीक्षा करूंगा, जब तक कि मुझे स्वतंत्रता और यह स्नेह, यह प्रेम प्राप्त नहीं हो जाता। मेरे पास समय नहीं है, क्योंकि मेरे विद्यार्थी मेरे सामने हैं। मैं संन्यासी नहीं बन सकता- वह न तो मेरी समस्या हल करेगा, न दुनिया की।

–जे कृष्णमूर्ति

सामयिकी

शास्त्री जी का जीवनः 'रिकॉर्ड में लिखो, 14 किलोमीटर यूज'

भारत के प्रधानमंत्री बनने से पहले लाल बहादुर शास्त्री भारत सरकार में विदेश मंत्री, गृहमंत्री और रेल मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद संभाल चुके थे। एक बार वे रेल के एसी कोच में सफर कर रहे थे। उस दौरान वे यात्रियों की समस्या जानने के लिए जनरल बोगी में चले गए। वहां उन्होंने अनुभव किया कि यात्रियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे वे काफी नाराज हुए और उन्होंने जनरल डिब्बे के यात्रियों को भी सुविधाएं देने का निर्णय लिया। रेल के जनरल डिब्बों में पहली बार उन्होंने पंखा लगवाया। यही नहीं रेलों में यात्रियों को खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पैंट्री की सुविधा भी उन्होंने शुरू करवाई।

श्वेता गोयल

लेखिका

एक अन्य अवसर पर रेल में यात्रा करते वक्त शास्त्री जी उस समय भड़क गए थे, जब विशेष रूप से उनके लिए रेल कोच में कूलर लगाने की व्यवस्था की गई। शास्त्री जी उस समय रेल मंत्री थे और बंबई (अब मुंबई) जा रहे थे। गाड़ी चलने पर शास्त्री जी अपने पीए से बोले कि बाहर तो बहुत गर्मी है, लेकिन डिब्बे में काफी ठंडक है। तब उनके पीए कैलाश बाबू ने कहा, "सर, डिब्बे में कूलर लग गया है, इसीलिए डिब्बे में इतनी ठंडक है।" शास्त्री जी ने नाराज होते हुए पीए से कहा कि बगैर मुझसे पूछे कूलर कैसे लग गया? इतने सारे लोग, जो इस गाड़ी में चल रहे हैं, उन्हें गर्मी नहीं लगती होगी? उन्होंने पीए को निर्देश दिया कि अगले स्टेशन पर गाड़ी जहां भी रूके, वहां सबसे पहले इस कूलर को निकलवाइए। मथुरा स्टेशन पर शास्त्री जी कूलर हटवाकर ही माने।

1964 में शास्त्री जी जब प्रधानमंत्री बने, तब उन्हें सरकारी आवास के साथ इंपाला शेवरले कार भी मिली थी, लेकिन उसका उपयोग वे बहुत ही कम किया करते थे। वह गाड़ी किसी राजकीय अतिथि के आने पर ही निकाली जाती थी। एक बार की बात है, जब शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री किसी निजी कार्य के लिए यही सरकारी कार उनसे बगैर पूछे निकालकर ले गए और अपना काम पूरा करने के पश्चात् कार चुपचाप लाकर खड़ी कर दी। जब शास्त्री जी को इस बात का पता चला तो उन्होंने ड्राइवर को बुलाकर पूछा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चलाई गई? ड्राइवर ने बताया, चौदह किलोमीटर! उसके बाद शास्त्री जी ने उसे निर्देश दिया कि रिकॉर्ड में लिख दो, 'चौदह किलोमीटर प्राइवेट यूज'। शास्त्री जी इतने से ही शांत नहीं हुए, उन्होंने पत्नी ललिता को बुलाया और निर्देश दिया कि निजी कार्य के लिए गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए उनके निजी सचिव से कहकर वह सात पैसे प्रति किलोमीटर की दर से सरकारी कोष में पैसे जमा करवा दें।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1940 के दशक में लाला लाजपत राय की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी' द्वारा गरीब पृष्ठभूमि वाले स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को जीवनयापन के लिए आर्थिक मदद दी जाया करती थी। उसी समय की बात है, जब लाल बहादुर शास्त्री जेल में थे। उन्होंने उस दौरान जेल से ही अपनी पत्नी ललिता को एक पत्र लिखकर पूछा कि उन्हें संस्था से पैसे समय पर मिल रहे हैं या नहीं और क्या इतनी राशि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त है? पत्नी ने उत्तर लिखा कि उन्हें प्रतिमाह पचास रुपये मिलते हैं, जिसमें से करीब चालीस रुपये ही खर्च हो पाते हैं, शेष राशि वह बचा लेती हैं। पत्नी का यह जवाब मिलने के बाद शास्त्री जी ने संस्था को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि अगली बार से उनके परिवार को केवल चालीस रुपये ही भेजे जाएं और बचे हुए दस रुपये से किसी और जरूरतमंद की सहायता कर दी जाए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

अमेरिका के इतर अन्य देश में बनते शिक्षा के नए विकल्प

अमेरिकी वीजा संबंधी दिक्कतों के कारण भारतीय छात्रों की पसंद बदल रही है। अब छात्रों के कदम अन्य देशों की ओर बढ़ चले हैं। अब वे अमेरिका के अलावा अन्य देशों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इन देशों में न केवल अमेरिका से तुलनात्मक रूप से आसान वीजा नीतियां हैं, बल्कि फीस भी कम है। वहीं बेहतर स्टडी के साथ ही जॉब के बेहतरीन अवसर भी मिल रहे हैं, जिससे छात्र अपने भविष्य को लेकर भी आशान्वित हैं। हाल में हुए एक सर्वे के अनुसार, यूके अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए बड़ी पसंद बनकर उभरा है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और जर्मनी भी छात्रों को लुभा रहा है, जहां पढ़ाई के बाद काम के अवसर और अफॉर्डेबिलिटी मुख्य कारक हैं। आज आपको बताते हैं वे कौन से ऐसे देश, जहां छात्र बेहतर करियर बना सकते हैं।

- फीचर डेस्क

शिक्षा के लिए सबसे पसंदीदा देश बना जर्मनी

- हाल में आई अपग्रेड की ट्रांसनेशनल एजुकेशन (टीएनई) रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार अमेरिका और कनाडा की जगह भारतीय छात्रों के लिए जर्मनी पसंदीदा देश बन गया है। एक लाख छात्रों पर आधारित यह अध्ययन बताता है कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदन करने वाले छात्रों की संख्या सालाना 13 प्रतिशत कम हो रही है। साथ ही जर्मनी में भारतीय छात्रों का प्रतिशत 2022 के 13 .2 से बढ़कर 2024-25 में 32 .6 प्रतिशत हो गया। जर्मनी में पढ़ाई करने के लिए छात्रों को एक राष्ट्रीय वीजा के लिए आवेदन करना होता है। यह एक लॉन्ग टर्म वीजा है, जो 90 दिनों से अधिक समय तक यहां रहने की अनुमति देता है। पढ़ाई पूरी होने पर छात्र जॉब सीकर वीजा भी ले सकते हैं। इसके लिए 75 से 100 यूरो यानी 6,600 से 8,800 रुपये का शुल्क देना होता है। यह वीजा जर्मनी में छह महीने तक रहने की अनुमति देता है। नौकरी मिल जाने पर जॉब कैटेगरी के अनुसार प्रोफेशनल वीजा आदि लेना होता है।

ऑस्ट्रेलिया है लोकप्रिय डेस्टिनेशन

- ऑस्ट्रेलिया भारतीय छात्रों के लिए सपनों का देश बन चुका है। बीते वर्षों में यहां जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ी है। जून 2024 तक ऑस्ट्रेलिया में 8,39,199 अंतर्राष्ट्रीय छात्र थे, जिसमें भारतीय छात्रों की संख्या 17 फीसदी थी। वर्ष 2023-24 के दौरान ऑस्ट्रेलिया में 1,22,391 भारतीय छात्र थे। वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 1,39,038 हो गई।
- आस्ट्रेलिया में भारतीय छात्रों को पढ़ने के लिए स्टूडेंट वीजा लेना होता है, जिसके लिए 710 ऑस्ट्रेलियन डॉलर (लगभग 39,000 रुपये) शुल्क व कुछ अन्य शुल्क जैसे-मेडिकल और पुलिस चेक फीस, आइइएलटीएस, टॉफेल या पीटीई परीक्षा शुल्क देना होता है। इसी प्रकार यहां नौकरी करने के लिए पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा, जिसका शुल्क 1895 ऑस्ट्रेलियन डॉलर (लगभग 1.05 लाख रुपये) है, स्किल्ड इंडिपेंडेंट वीजा-यह एक स्थायी निवास वीजा है। एंप्लॉयर स्पॉन्सर वीजा यह एक अस्थायी वीजा है, जो किसी ऑस्ट्रेलियाई कपनी द्वारा प्रायोजित होने पर मिलता है आदि की आवश्यकता पड़ती है।

ब्रिटेन में छात्रों के लिए बेहतरीन अवसर

हाल ही में राज्यसभा में भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़े के अनुसार, ब्रिटेन (यूनाइटेड किंगडम) में 1,85,000 भारतीय छात्रों ने दाखिला लिया है। नई लेबर सरकार के तहत यूके अपनी अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा रणनीति को संशोधित कर रहा है। इसी के साथ वहां के इंटरनेशनल एजुकेशन चैंपियन सर स्टीव स्मिथ ने भारत को 'पूर्ण प्राथमिकता' देश घोषित करके भारतीय छात्रों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इसी साल यूके ने दो साल का पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा फिर से शुरू किया है, जिसे ग्रेजुएट वीजा के नाम से भी जाना जाता है। यह वीजा अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को डिग्री पूरी करने के बाद अपने यहां जॉब ढूंढने की अनुमति देता है। यह नीति भारतीय छात्रों के लिए करियर के अवसरों को नए पंख और आशा प्रदान करती है। इस वीजा के लिए आवेदक को किसी नियोक्ता की ओर से नौकरी का प्रस्ताव या स्पॉन्सरशिप की आवश्यकता नहीं होती।

आशाजनक भविष्य का देश बनता न्यूजीलैंड

- न्यूजीलैंड भी भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा का आशाजनक केंद्र बन कर उभरा है। एजुकेशन न्यूजीलैंड के आंकड़ों के अनुसार, न्यूजीलैंड में वर्ष 2024 में जनवरी से अगस्त के बीच यहां दाखिलों में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। आइडीपी एजुकेशन की रिपोर्ट के अनुसार, जहां 2023 में यह संख्या 7930 थी, वहीं 2024 के पहले आठ महीनों में बढ़कर छात्रों की संख्या 10,640 हो गई। अंग्रेजी भाषी वातावरण, पारदर्शी नीतियों एवं भारतीय संस्थानों के साथ बढ़ते संबंधों के कारण न्यूजीलैंड को अब एक आशाजनक विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। न्यूजीलैंड में पढ़ाई के लिए छात्रों को स्टूडेंट वीजा लेना होता है, जिसका शुल्क 430 से 530 एनजीडी यानी 24 से 30 हजार रुपये के करीब है। साथ ही भारतीय पेशेवरों को यहां नौकरी के लिए पोस्ट स्टडी वर्क वीजा, एक्रेडिटेड एम्प्लॉयर वर्क वीजा, स्किल्ड माइग्रेट कैटेगरी रेजिडेंट वीजा आदि का विकल्प चुनना होगा।

जॉब अलर्ट

नैनीताल बैंक में भर्ती 2025

- **पद का नाम:** मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ), मुख्य प्रौद्योगिकी, अधिकारी (सीटीओ), मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ), एसोसिएट उपाध्यक्ष (आईटी)
- योग्यता: पदानुसार
- कुल रिक्तियां: 04
- अंतिम तिथि: 10-09-2025
- बेवसाइट :www.nainitalbank.co.in

इंडियन बैंक

- पद का नाम: डॉक्टर
- योग्यता: एमबीबीएस
- अंतिम तिथि: 07-10-2025
- वेबसाइट: indianbank.bank.in

यूपीएससी

- पद का नाम: इंजीनियरिंग सेवा
- पदों की संख्या: 474
- योग्यता: बी.टेक/बी.ई, डिप्लोमा, एमएससी, इंजीनियरिंग
- अंतिम तिथि: 16-10-2025
- वेबसाइट: upsconline.nic.in

एसएससी दिल्ली पुलिस हेड कांस्टेबल (मंत्रालयिक)

- पद का नाम: हेड कांस्टेबल
- पदों की संख्या: 509
- योग्यता :12वीं पास
- अंतिम तिथि: 20-10-2025
- वेबसाइट : ssc.gov.in

भारतीय सेना

- पद का नाम: डीजी ईएमई एलडीसी, फायरमैन और अन्य
- पदों की संख्या : 194
- योग्यता: आईटीआई, 12वीं, 10 वीं
- अंतिम तिथि: 24-10-2025
- वेबसाइट: indianarmy.nic.in

यूसीड के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

आईआईटी बांबे ने अंडरग्रेजुएट कॉमन एंट्रेंस एग्जाम फॉर डिजाइन (यूसीड) के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। यह रजिस्ट्रेशन 1 अक्टूबर से शुरू किए गए हैं। युवा संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट uceed.iitb.ac.in पर कर सकते हैं। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। संस्थान की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार यदि तय समय पर युवा आवेदन नहीं कर पाएं हैं तो लेट फीस के साथ आवेदन करने की तिथि 7 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है। परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र को 2 जनवरी 2026 से डाउनलोड किया जा सकता है। इसके बाद परीक्षा का आयोजन 18 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। परीक्षा का समय सुबह 9 बजे से 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। यह भी जानकारी दी गई कि आवेदन करने के लिए आवेदक की जन्मतिथि 1 अक्टूबर 2001 से पहले की नहीं होनी चाहिए। इसी तरह एससी, एसटी की जन्मतिथि 1 अक्टूबर 1996 से पहले की नहीं होनी चाहिए।

युवा अपना रजिस्ट्रेशन संस्थान की वेबसाइट पर करा सकते हैं

अन्य जानकारियां

- संस्थान की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार इस परीक्षा में वही उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने 2025 या 2026 में पहली बार बारहवीं की परीक्षा दी हो। इसमें सभी वर्ग के परीक्षार्थी जैसे कॉमर्स, ह्यूमैनिटीज और साइंस के उम्मीदवार योग्य माने जाएंगे। ऐसे उम्मीदवार जिन्होंने 2024 में पहली बार कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा दी है वे इस परीक्षा के लिए योग्य नहीं माने जाएंगे। यह परीक्षा देश के 27 शहरों में आयोजित कराए जाने की योजना है। यह परीक्षा आईआईटी में बैचलर ऑफ डिजाइन की डिग्री के लिए आयोजित की जाती है। फीस की बात की जाए तो आवेदन करने वाली युवतियों के लिए सभी वर्ग में 2 हजार रुपये फीस निर्धारित की गई है। इसी तरह एससी, एसटी और दिव्यांग उम्मीदवार के लिए भी 2 हजार रुपये फीस निर्धारित की गई है। अन्य कैटैगरी के उम्मीदवारों के लिए 4 हजार रुपये फीस का निर्धारण किया गया है।

31
अक्टूबर निर्धारित की गई है फॉर्म भरने की अंतिम तिथि

18
जनवरी 2026 निर्धारित किया गया परीक्षा का आयोजन

नई किताबें

विज्ञान ज्ञान विश्वकोश छह पुस्तकों का संग्रह

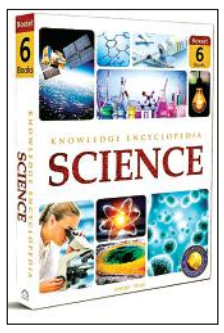

विकासवाद का सिद्धांत क्या है? रासायनिक अभिक्रियाएं कैसे होती हैं? मानव आंख केवल तीन रंगों को ही क्यों पहचान पाती है? विज्ञान के ज्ञान का छह विश्वकोशों का यह संग्रह बच्चों के लिए विज्ञान की आकर्षक दुनिया को जानने को बेहद महत्वपूर्ण विश्वकोश है। इस ज्ञानवर्धक पुस्तकों में सुस्पष्ट आरेख और कठिन शब्दों की विस्तृत शब्दावली सुखद दी गई, जिससे बच्चे आसानी से विज्ञान का ज्ञान व जानकारी ले सकते हैं। संग्रह में अच्छी तरह से लेबल की गई छवियां दी गई हैं। साथ ही युवा शिक्षार्थियों को शिक्षित और मनोरंजन करेगा। इसके अलावा एक मजबूत शब्दावली का निर्माण करता है।

एसएससी के लिए ऑल इन वन बुक

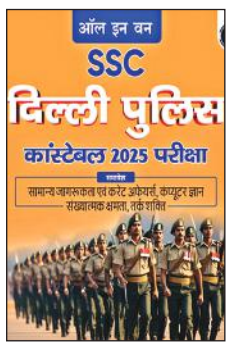

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) कांस्टेबल परीक्षा की तैयार के लिए पुस्तक हेल्पफुल है। इस पुस्तक में सर्वसमावेशी गाइडेंस और चैप्टर-वाइ सिद्धांत, समय बचाने वाले ट्रिक्स, अभ्यास और पिछले वर्षों के 15 हल किए गए प्रश्नपत्र (2020 और 2023) दिए गए हैं, जो आपको पूर्ण और प्रभावी तैयारी करने में मदद करती है। पुस्तक में पिछले वर्ष के हल किए गए प्रश्नपत्रों के साथ परीक्षा पैटर्न और प्रत्येक प्रश्न के लिए विस्तृत स्पष्टीकरण शामिल हैं। साथ ही पुस्तक में विस्तृत, स्टेप वाइज समाधानों के साथ सभी डाउट्स को दूर करने और जटिल समस्याओं को सुलझाने में स्पष्टता और आत्मविश्वास सुनिश्चित करने में मदद करती है। इसके अलावा पुस्तक में 2500 से अधिक प्रश्नों के विस्तृत प्रश्नों के माध्यम से अपनी तैयारी को मजबूत करें, जिनमें से प्रत्येक का गहन समाधान दिया गया है। वहीं पुस्तक में सामान्य जागरूकता के लिए प्रासंगिक और संक्षिप्त करेंट अफेयर्स के साथ डाटा दिया गया है।

सही रणनीति से पाएं एसएससी कांस्टेबल में सफलता

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) जीडी कांस्टेबल परीक्षा उन लोकप्रिय भर्ती परीक्षाओं में से एक है, जिनमें कड़ी प्रतिस्पर्धा होती है। एसएससी जीडी परीक्षा उन उम्मीदवारों के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में प्रवेश का द्वार है जो कम उम्र में ही वर्दी की नौकरी शुरू करना चाहते हैं। सीएपीएफ में नियुक्ति पाने के लिए उम्मीदवारों को एसएससी जनरल ड्यूटी परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। एसएससी जीडी कांस्टेबल कोई बहुत कठिन परीक्षा नहीं है, परीक्षा पास करने के लिए आपको सही तैयारी रणनीति और भरपूर अभ्यास की आवश्यकता होती है। एसएससी जीडी कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2025 की तैयारी के लिए आपको सही रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। इसके लिए छात्रों को एसएससी जीडी में दिए गए विषय के प्रत्येक भाग की पूरी तैयारी करनी चाहिए ताकि वे परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त कर सकें। आज हम आपको 3 महीने की रणनीति के बताते हैं, जिसको फॉलो करके आप बिना किसी कोचिंग के परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं और पहली बार में ही परीक्षा पास कर सफलता भी हासिल कर सकते हैं।

दैनिक दिनचर्या

- सुबह- दौड़ + फिजिकल फिटनेस
- गणित- शॉर्टकट ट्रिक्स और क्विज़
- रीजनिंग- रोजाना 25-30 प्रश्न
- जीके/जीए- भारत का इतिहास, संविधान, करंट अफेयर्स पर विशेष ध्यान
- अंग्रेजी/हिंदी- रोज एक पैसेज और व्याकरण अभ्यास
- हर शाम- 1 सेक्शनल टेस्ट (छोटा टेस्ट - केवल गणित/रीजनिंग/जीके/हिंदी)
- सप्ताह में 2 फुल मॉक टेस्ट
- तीसरा महीना (रिवीजन और मॉक टेस्ट - फाइनल टच)
- लक्ष्य- एग्जाम जैसी तैयारी और आत्मविश्वास बढ़ाना।

दैनिक दिनचर्या

- सुबह- शारीरिक अभ्यास
- दिनभर- सभी विषयों का रिवीजन (नए टॉपिक न पढ़ें)
- रोज़- 1 फुल मॉक टेस्ट (90 मिनट) + विश्लेषण
- कमजोर टॉपिक पर फोकस
- करंट अफेयर्स की अंतिम तैयारी परीक्षा से पहले 10-15 मॉक टेस्ट हल करें।

तीन महीने की तैयारी योजना

- पहला महीना- बेस मजबूत करना
- लक्ष्य- सभी विषयों की मूलभूत समझ और अभ्यास शुरू करना।

दैनिक दिनचर्या

- सुबह (6-7 बजे)- दौड़ लगाएं + शारीरिक व्यायाम (पीईटी तैयारी)
- सुबह (8-10 बजे)- गणित (2 घंटे -बुनियादी विषय, जैसे प्रतिशत, अनुपात, समय-कार्य)
- दोपहर (1-2 बजे)- रीजनिंग (पजल, सीरीज, कोडिंग-डीकोडिंग)
- शाम (4-6 बजे)- जीके/जीएस (इतिहास, भूगोल, संविधान, विज्ञान)
- रात (8-9 बजे)- हिंदी/अंग्रेजी (ग्रामर+ शब्दार्थ)
- सोने से पहले- करंट अफेयर्स (15-20 मिनट)
- हफ्ते में एक दिन (रविवार)- 1 मॉक टेस्ट + गलतियों का विश्लेषण
- दूसरा महीना (प्रैक्टिस और स्पीड)
- लक्ष्य- स्पीड और सटीकता बढ़ाना।

अतिरिक्त टिप्स

समय प्रबंधन

- प्रति प्रश्न औसतन 50 सेकंड से कम समय लगाएं।
- शारीरिक तैयारी- रोज 5-6 किमी दौड़ और स्टैमिना पर ध्यान दें।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	80,983.31	24,836.30
बढ़त	715.69	225.20
प्रतिशत में	0.89	0.92

सोना- 1,18,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,45,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2575, राज श्री 1820, फॉर्चून कि. 2220, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 1950, जय जवान 1960, सचिन 2020, सूरज 1960, अवसर 1880, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1880, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2160, चक्र टिन 2330, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2455, स्वास्तिक 2530

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8800, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4500, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4360, धामपुर 4500

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5200, मसूरी- 2600, बासमती- 9000, परमल- 3000,

दाल दलहन : काला चना- 7100, साबुत चना दाल- 7200, मूंग साबुत- 9000, राजमा- 12300-14400, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7200, मसूर दाल- 6900, उड़द साबुत- 8000, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 11000, लोबिया/करमानी- 9200

वित्तीय स्थिरता सर्वोच्च प्राथमिकता आर्थिक वृद्धि में बाधा न बनें नियम

आरबीआई गवर्नर ने की बैंकिंग नियमों में राहत व कारोबारी सुगमता के उपायों की घोषणा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को बैंकिंग नियमों में राहत और कारोबारी सुगमता के उपायों की घोषणा के बीच कहा कि वित्तीय स्थिरता केंद्रीय बैंक की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद कहा कि आरबीआई यह सुनिश्चित करने को सजग है कि नियमों का पालन आर्थिक वृद्धि की राह में बाधा न डाले। मुझे नहीं लगता कि आपको इन उपायों को किसी तरह की शिथिलता के रूप में देखना चाहिए। हमारे लिए स्थिरता सर्वोपरि है। साथ ही हमें यह भी देखना होगा कि वृद्धि को कोई रोक न लगे। मल्होत्रा ने कहा कि बैंकिंग गतिविधियों में विस्तार, अधिग्रहण वित्तपोषण, आईपीओ के लिए ऋण सीमा बढ़ाने, बुनियादी ढांचा वित्त के लिए एकल उधारकर्ता सीमा में बदलाव और शहरी सहकारी बैंकों के लिए लाइसेंसिंग खोलने के उपाय किए गए हैं। मल्होत्रा ने इन कदमों को बेहद संतुलित, सोची-समझी और विचारपूर्ण कार्रवाई करार दिया।

उन्होंने बताया कि कई उपाय ऐसे हैं, जहां आरबीआई ने पहले किसी गतिविधि को अनुमति दी थी लेकिन अब उसे और विस्तार दे दिया गया है। इनमें अधिग्रहण वित्त और शेयरों के एवज में ऋण की सीमा बढ़ाने का कदम शामिल है। मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि रिजर्व बैंक का उद्देश्य बैंकिंग कारोबार का सूक्ष्म प्रबंधन नहीं करना है। मल्होत्रा ने वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद (एफएसडीसी) में हुई चर्चा का हवाला देते हुए कहा कि अब नियमों की समीक्षा हर पांच वर्ष में होगी। परिस्थितियां बदलती हैं, समय बदलता है, आवश्यकताएं बदलती हैं, इसलिए नियम स्थिर नहीं रह सकते। इसलिए हम अपने नियमों की समीक्षा करते रहेंगे। बड़ी कंपनियों की बैंकों के बहीखाते में हिस्सेदारी बीते दशक में 10% तक कम हो चुकी है। हालांकि नियमों में छूट के बावजूद रिजर्व बैंक के पास वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने को पर्याप्त साधन हैं। डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने कहा कि शेयरों के खिलाफ ऋण की 20 लाख रुपये की सीमा 1998 में तय हुई थी और अब इसे बढ़ाकर एक करोड़ रुपये करने का फैसला मुद्रास्फीति के लिहाज से कोई बड़ी वृद्धि नहीं है।

मौद्रिक नीति की समीक्षा

दरों में कटौती की गुंजाइश, वैश्विक अनिश्चितताओं से यथास्थिति जरूरी

संजय मल्होत्रा ने कहा कि मुद्रास्फीति में कमी ने दरों में कटौती की गुंजाइश बनाई है, लेकिन वैश्विक अनिश्चितताओं और मौद्रिक उपायों का पूरा लाभ न मिलने से केंद्रीय बैंक ने दरों को यथास्थिति बनाए रखने का फैसला किया। मुद्रास्फीति में 1% से अधिक की गिरावट व इसके पूर्वानुमान ने दरों में कटौती की गुंजाइश बनाई है। जून में उन्होंने कटौती के लिए सीमित गुंजाइश शब्द का इस्तेमाल किया था, जबकि बुधवार को कहा कि कटौती की गुंजाइश मौजूद है। मल्होत्रा ने कहा कि 1% से ज्यादा की कटौती का लाभ न मिलने, वैश्विक अनिश्चितताओं और जीएसटी को तर्कसंगत बनाने के प्रभाव को लेकर समिति ने यथास्थिति बनाए रखने का विकल्प चुना है।

यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं: मल्होत्रा

संजय मल्होत्रा ने कहा कि यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। केंद्रीय बैंक एक प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, जिसके तहत वित्तीय संस्थानों को मासिक किस्त भुगतान में चूक की स्थिति में ऋण लेकर खरीदे गए मोबाइल फोन को डिजिटन तरीके से 'लॉक' करने की अनुमति मिल पाएगी। यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव होने पर मल्होत्रा ने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। यूपीआई लेनदेन में काफी वृद्धि हो गई है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने कहा कि फोन को डिजिटल तरीके से 'लॉक' करने के फायदे व नुकसान दोनों पर गौर किया जा रहा है। जैसा कि गवर्नर ने बताया कि डिजिटल तरीके से फोन को 'लॉक' करने का मामला विचाराधीन है। ग्राहकों के अधिकारों व जरूरतों, निजी सूचना की गोपनीयता एवं कर्ज देने वालों की जरूरतों के बीच संतुलन बनाने के मामले में दोनों पक्षों के फायदे व नुकसान हैं। इसलिए हम इस मुद्दे पर गौर कर रहे हैं और बाद में इस पर कोई निर्णय लेंगे। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट पर मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक किसी स्तर को लक्षित नहीं करता, बल्कि केवल अनावश्यक अस्थिरता को रोकने का प्रयास करता है। मल्होत्रा ने भरोसा जताया कि मूल्य स्थिरता के साथ उच्च सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर जारी रहेगी तथा निजी पूंजीगत व्यय में भी वृद्धि होगी।

मौद्रिक नीति की मुख्य बातें

- प्रमुख नीतिगत दर रेपो 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित।
- वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया गया।
- वित्त वर्ष 2025-26 में मुद्रास्फीति अनुमान 3.1 प्रतिशत से घटाकर 2.6 प्रतिशत किया गया।
- जीएसटी सुधारों का मुद्रास्फीति और वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- अमेरिकी शुल्क का निर्यात पर प्रभाव पड़ेगा।
- सेवाओं का मजबूत निर्यात, धन प्रेषण से चालू खाते का घाटा स्थिर रहेगा।
- विदेशी मुद्रा भंडार 700.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो 11 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त है।
- आरबीआई रुपये पर कड़ी नजर रख रहा है, जरूरत पड़ने पर उचित कदम उठाएगा।
- बैंक ऋण वृद्धि, हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में कम है, लेकिन आर्थिक गतिविधियों को समर्थन दे रही है।
- बैंकों के लिए संशोधित बेसल-3 पूंजी पर्याप्तता मानदंड एक अप्रैल, 2027 से प्रभावी होंगे।
- आरबीआई बैंकों को अधिग्रहणों के वित्तपोषण के लिए रूपरेखा उपलब्ध कराएगा।
- आरबीआई ने शेयरों के बदले ऋण देने की सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा।
- आईपीओ वित्तपोषण के लिए ऋण सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये प्रति व्यक्ति की जाएगी।
- विदेशी मुद्रा प्रबंधन मानदंडों को और सरल बनाने का प्रस्ताव।
- बैंक भूटान, नेपाल और श्रीलंका के प्रवासी नागरिकों को सीमा पार व्यापार के लिए रुपये में ऋण देंगे।
- एमपीसी की अगली बैठक 3-5 दिसंबर को होगी।

सोना-चांदी से निवेशक मालामाल

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : सोने-चांदी के बढ़ते भाव ने सराफा बाज़ार में खासी हलचल मचा दी है। एक महीने में सोने के भाव 14 हजार तो चांदी के 25 हजार बढ़े हैं। बुधवार को कानपुर सराफा बाजार में सोना 1,21,000 रुपये का 10 ग्राम तो चांदी 1,50,100 रुपये किलो की नई ऊंचाई पर पहुंची, जो रिकार्ड है। निवेशकों के सुनहरे दिन चल रहे हैं।

बीते 1 सितंबर को सोना 1,07,150 और चांदी 1,26,300 रुपये थी। नौ महीने में ही सोने की कीमत में लगभग 41 हजार और चांदी के दाम में 62 हजार रुपये की बढ़ोतरी हुई। जाहिर है निवेशक बड़ा मुनाफा काट रहे हैं। इतना रिटर्न तो किसी भी बचत योजना में भी नहीं मिला है। दक्षिण कानपुर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत गुप्ता का कहना है कि त्योहारी सीजन शुरू होने के बावजूद आभूषणों की बिक्री में जबरदस्त गिरावट है। काशी ज्वेलर्स के निदेशक श्रेयांश कपूर ने बताया कि दीवाली के मद्देनजर किफायती, हल्के डिजाइनर गहनों की रेंज तैयार की जा रही है।

- सोना और चांदी आल टाइम हाई रेट पर पहुंचे
- त्योहारी मौसम में भी आभूषणों की बिक्री 80 फीसदी तक गिरी
- खरीदार से ज्यादा बेचने वाले तैयार हो रहे हल्के डिजाइनर गहने

तेजी के कारण

डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी, विश्व की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था, टैरिफ वॉर की नीतियां, युद्ध की आशंकाएं, त्योहारी सीजन में बढ़ी मांग और केंद्रीय बैंकों के जरिये और निवेश के मद्देनजर जमकर खरीद भाव बढ़ने के कुछ कारण हैं।

दोनों धातुओं की चाल देख सराफा बाजार के दिग्गज विशेषज्ञ भी भाव के अनुमान में फेल नजर आ रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि निवेशकों की चांदी है। इतना मुनाफा देख खूब निवेश किया जा रहा है। -रामकिशोर मिश्र, मंत्री, उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन

जीएसटी संग्रह 9% बढ़कर 1.89 लाख करोड़ पर

नई दिल्ली। जीएसटी संग्रह सितंबर में 9% बढ़कर 1.89 लाख करोड़ रुपये रहा। दरों को युक्तिसंगत बनाने से बिक्री में वृद्धि से जीएसटी संग्रह बढ़ा है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 9.1% और मासिक आधार पर 1.5 % की वृद्धि दर्ज की गई।

सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सितंबर 2024 में 1.73 लाख करोड़ और अगस्त 2025 में 1.86 लाख करोड़ रुपये था। जीएसटी दरों में बदलाव 22 सितंबर से लागू हुआ। जीएसटी 2.0 सुधार लागू होने के बाद से रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक, दवाओं और उपकरणों व मोटर वाहन तक 375 चीजों की कीमतें कम हुई हैं। सितंबर 2025 में जीडीपी 6.8% बढ़कर 1.36 लाख करोड़ हो गया जबकि आयात कर 15.6% बढ़कर 52,492 करोड़ रुपये रहा। जीएसटी रिफंड भी 40.1% बढ़कर 28,657 करोड़ रुपये हो गया। शुद्ध जीएसटी संग्रह सितंबर 2025 में 1.60 लाख करोड़ रहा जो सालाना आधार पर पांच प्रतिशत अधिक है।

8 दिन बाद लौटी रौनक सेंसेक्स 716 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

रेपो दर को स्थिर रखने और वृद्धि अनुमान बढ़ाने के रिजर्व बैंक के कदम से घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को काफी उत्साह रहा और यह आठ दिनों की गिरावट से उबरने में सफल रहा। सेंसेक्स 716 अंक उछल गया जबकि निफ्टी में 225 अंकों की तेजी रही। विश्लेषकों ने कहा कि मौद्रिक घोषणा के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने भी स्थानीय निवेशकों की धारणा को मजबूती दी।

बीएसई का सेंसेक्स 715.69 अंक उछलकर 80,983.31 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी 225.20 अंक चढ़कर 24,836.30 अंक पर पहुंचा। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स में 5.54% की बढ़त रही। कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, सन फार्मा, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा। हालांकि, बजाज फाइनेंस, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट आई। वहीं, स्मालकैप 1.16% और मिडकैप में 0.91% की तेजी रही।

- वैश्विक बाजारों में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने बाजार को दी मजबूती

बीएसई की 2,797 कंपनियों में रही तेजी

बैंकिंग खंड में 1.44, दूरसंचार 1.26 और वित्तीय सेवा खंड 1.22% चढ़ा। बीएसई पर सूचीबद्ध 2,797 कंपनियों में तेजी रही, जबकि 1,360 शेयरों में गिरावट व 134 अपरिवर्तित रहीं। एशिया में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी सकारात्मक रहा, जबकि जापान के निक्की में गिरावट आई। यूरोप के बाजार बढ़त में रहे। शेयर बाजार के मुताबिक, एफआईआई ने मंगलवार को 2,327.09 करोड़ के शेयर बेचे, जबकि डीआईआई ने 5,761.63 करोड़ के शेयर खरीदे।

राष्ट्रीय

आरएसएस की 100 वर्ष की यात्रा के पीछे लोगों का स्नेह

सरकार्यवाह होसबाले ने कहा- विरोध के बावजूद संघ ने सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बनने का प्रयास किया

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बुधवार को कहा कि आरएसएस ने 100 वर्षों से विरोध के बावजूद, जनता के स्नेह के कारण सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बनने का प्रयास किया है। होसबाले की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के कुछ मिनट पहले आई। उन्होंने इस कदम के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह संघ के निःस्वार्थ कार्यों को मान्यता प्रदान करने के समान है।

होसबाले ने कहा कि संघ और उसके स्वयंसेवक 1925 में विजयादशमी पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा इसकी स्थापना करने के बाद से ही व्यक्तियों के चरित्र निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के मिशन पर निःस्वार्थ काम कर रहे हैं। वह केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आरएसएस के दूसरे नंबर के पदाधिकारी ने कहा कि विदेश में रहने वाले स्वयंसेवकों सहित सभी स्वयंसेवकों की ओर से, मैं इसके लिए अपना आभार व्यक्त करना चाहता हूं। होसबाले ने कहा कि राष्ट्र के प्रति योगदान के लिए व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करना भारत में एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने इस परंपरा को जारी रखा है। मेरा मानना है कि इस तरह संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर भारत के लोगों की ओर से संघ के कार्यों को मान्यता दी गई है। होसबाले ने आरएसएस के 100 वर्षों को दिलचस्प यात्रा बताया और कहा कि देश के लोगों द्वारा संघ के विचारों को मिले प्यार, समर्थन और स्वीकृति से ही संघ इतनी दूर तक पहुंच पाया है। उन्होंने कहा कि संघ को हर तरह के विरोध, संघर्ष और उदासीनता का सामना करना पड़ा, लेकिन कार्यकर्ताओं ने लोगों की आत्मीयता, स्नेह, समर्थन और सहयोग का अनुभव किया है। उन्होंने कहा कि आज देश संघ को देशभक्ति, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा के प्रभावशाली व सफल प्रतीक के रूप में देखता है। होसबाले ने कहा कि कुछ वर्षों में हमारे कार्यों की सफलता से देश की तस्वीर बदली है। हमें देश के भीतर और वैश्विक मंच पर भी भारत के विमर्श को मजबूत करना होगा। दुनिया भर में, भारत के बारे में भारत का विमर्श सकारात्मक और सत्य पर आधारित होना चाहिए।

नई दिल्ली में आरएसएस के शताब्दी समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

गोलवलकर ने चुनौती के समय संभाली थी कमान

नागपुर। माधव सदाशिवराव गोलवलकर आरएसएस के सरसंघचालक पद के लिए एकमात्र विकल्प नहीं थे, लेकिन उन्हें इस पद पर चुना गया और उन्होंने कठिन दौर में संगठन का नेतृत्व किया और उसे आकार दिया। वरिष्ठ पत्रकार सुधीर पाठक ने ऐसा दावा किया है। आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने जून 1940 में अपनी मृत्यु से पहले जंतुविज्ञान के प्रोफेसर गोलवलकर को अपना उत्तराधिकारी चुना था। आरएसएस से संबद्ध समाचार पत्र 'तरुण भारत' के पूर्व संपादक पाठक ने कहा कि गोलवलकर का चुनाव आश्चर्यजनक था। उस समय 34 वर्ष के रहे गोलवलकर 1925 में संघ की स्थापना के बाद से संगठन से तब तक जुड़े नहीं थे।

धोखाधड़ी, फर्जी प्रमाणपत्रों को बर्दाश्त न करने की हमारी नीति: यूपीएससी अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष अजय कुमार ने बुधवार को कहा कि किसी भी सरकारी नौकरी की भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों द्वारा धोखाधड़ी और फर्जी प्रमाण पत्रों का इस्तेमाल करना 'अस्वीकार्य' है और इससे उनके करियर को दीर्घकालिक नुकसान हो सकता है। अपनी तरह के पहले वर्चुअल संवाद कार्यक्रम में, उन्होंने अभ्यर्थियों से उस रास्ते पर जाने से बचने को कहा जो कड़ी कार्रवाई का कारण बने, जिसमें यूपीएससी द्वारा आयोजित किसी भी परीक्षा में तीन साल तक शामिल होने पर रोक भी शामिल है।

कुमार ने कहा कि यूपीएससी की परीक्षाओं में धोखाधड़ी स्वीकार्य नहीं है। इस मामले में हमारी नीति कतई बर्दाश्त न करने की है और अगर ऐसा कुछ भी होता है, तो कड़ी कार्रवाई करेंगे। यूपीएससी प्रमुख ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मुद्दों पर बात की, जिनमें सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने में कोचिंग सेंटर की उपयोगिता और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की पूर्व परिवीक्षाधीन पूजा खेडकर द्वारा फर्जी प्रमाणपत्रों के इस्तेमाल का मुद्दा भी शामिल था। केंद्र ने पिछले साल खेडकर को भारतीय प्रशासनिक सेवा से बर्खास्त कर दिया था, क्योंकि उन्होंने गलत तरीके से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और दिव्यांगता आरक्षण का लाभ उठाकर अपना चयन सुनिश्चित किया था।

- वर्चुअल संवाद में अभ्यर्थियों से अजय कुमार ने किया संवाद

चेहरे की पहचान से परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति

यूपीएससी प्रमुख ने कहा कि अगर धोखाधड़ी की जाती है, तो आपराधिक प्राथमिकी दर्ज होती है और आपराधिक कार्रवाई की जाती है। इसलिए, मैं कहना चाहूंगा कि अगर कोई ऐसा करता है, तो उसके खिलाफ नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। हमने परीक्षा केंद्र में प्रवेश के दौरान चेहरे की पहचान के माध्यम से प्रवेश की अनुमति लागू की है। आयोग अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों की प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए डिजिलॉकर के माध्यम से प्रमाण पत्र लेने की योजना बना रहा है।

तेलुगू अभिनेत्री पर घरेलू सहायिका का उत्पीड़न करने का मामला दर्ज

हैदराबाद, एजेंसी

तेलुगू अभिनेत्री डिंपल हयाती और उनके पति के खिलाफ अपनी घरेलू सहायिका के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने, उसे परेशान करने और धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

ओडिशा की 22 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया कि अपनी जिम्मेदारी निभाने के बाद भी उसे दंपति उचित भोजन नहीं देते हैं, उसे गालियां देते हैं और धमकी देते हैं। इस महिला ने अभिनेत्री के घर पर 22 सितंबर से घरेलू सहायिका के तौर पर काम करना शुरू किया था। उसने आरोप लगाया कि दंपति ने उसका अपमान किया और गुस्से में यहां तक कह डाला कि 'मेरी जिंदगी (सहायिका की जिंदगी) उनके जूते के बराबर भी नहीं है। घरेलू सहायिका ने आरोप लगाया कि 29 सितंबर को जब उसने उनके अपमानजनक व्यवहार को रिकॉर्ड करने की कोशिश की, तो दंपति ने उसे धमकाया। उसने बताया, अभिनेत्री के पति ने मेरा फ़ोन छीन लिया, उसे जमीन पर पटक दिया और तोड़ दिया।

- ओडिशा की महिला ने भोजन नहीं देने, गालियां और धमकी देने का लगाया आरोप

एमबीबीएस छात्रा के उत्पीड़न में सहायक प्रोफेसर गिरफ्तार

नई दिल्ली। गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल के सहायक प्रोफेसर को एमबीबीएस छात्रा के शारीरिक उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

शाहदरा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रशांत गौतम ने बताया कि 26 सितंबर को दोपहर 12 बजकर नौ मिनट पर जीटीबी एन्क्लेव थाने को एक महिला की ओर से नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) के माध्यम से शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत के अनुसार, दिलशाद गार्डन स्थित जीटीबी अस्पताल परिसर में उसका शारीरिक उत्पीड़न किया गया। डीसीपी ने बताया कि एक मेडिकल छात्रा शिकायतकर्ता ने सहायक प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद शाकिर नईम पर शारीरिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है।

जुबिन का प्रबंधक व आयोजक गिरफ्तार

गायक जुबिन गर्ग की मौत का मामला

- कोर्ट ने 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा

गुवाहाटी, एजेंसी

सिंगापुर में गायक जुबिन गर्ग की मौत के सिलसिले में उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा और महोत्सव के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत को बुधवार सुबह दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। असम पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों पर विभिन्न धाराओं के तहत गैर इरादतन हत्या, आपराधिक साजिश और लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद दोनों को गुवाहाटी लाया गया और कामरूप मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। दुर्गा पूजा से अदालतें बंद होने से सुनवाई न्यायाधीश के आवास पर हुई। विशेष पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि गायक की मौत की जांच कानून के अनुसार की जाएगी। जांच को गठित एसआईटी के प्रमुख गुप्ता ने कहा कि शर्मा और महंत दोनों को 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि नोटिस के आधार पर आव्रजन अधिकारियों ने सिंगापुर से दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचते ही महंत को हिरासत में लिया और असम पुलिस को सौंप दिया। शर्मा के बारे में गुप्ता ने कहा कि हमने उसकी लोकेशन की निगरानी की जिससे उसके दिल्ली और राजस्थान में होने का पता चला।

जुबिन गर्ग की मौत के मामले में गिरफ्तार नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकनु महंत और उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा।

वांगचुक की रासुका के तहत हिरासत विश्वसनीय आधार पर

लेह, एजेंसी

लद्दाख प्रशासन ने पिछले हफ्ते राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिए गए कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को फंसाने या गुप चुप तरीके से कार्रवाई के दावों को मंगलवार को खारिज कर दिया। प्रशासन ने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई विश्वसनीय सूचनाओं और दस्तावेजों पर आधारित थी।

प्रशासन ने अपील की कि कानून को अपना काम करने देना चाहिए और विश्वास व्यक्त किया कि हम सब मिलकर शांतिप्रिय लेह कस्बे में सामान्य स्थिति बहाल करेंगे और अपनी वार्ता प्रक्रिया जारी रखेंगे। लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा उपायों की मांग कर रहे आंदोलन का प्रमुख चेहरा रहे वांगचुक को 24 सितंबर को प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच हुई झड़पों के बाद रासुका के तहत हिरासत में लिया गया था। इसके बाद केंद्र और लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता में रुकावट आ गई है क्योंकि कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) के उस फैसले का समर्थन किया जिसमें वांगचुक और अन्य की रिहाई तक वार्ता स्थगित करने का फैसला किया गया है। छह अक्टूबर को होने वाली वार्ता को फिर शुरू करने की शर्त बताते हुए दोनों संगठनों ने लेह में हुई पुलिस गोलीबारी की न्यायिक जांच की भी मांग की।

- लद्दाख प्रशासन ने वांगचुक को फंसाने या गुप चुप कार्रवाई के दावों पर की टिप्पणी

मुझे न मिला नोबेल पुरस्कार तो अमेरिका के लिए होगी बड़े अपमान की बात : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने सात वैश्विक संघर्षों को खत्म कराने में भूमिका निभाई है, इसके बावजूद अगर नोबेल पुरस्कार उन्हें नहीं दिया जाता है तो यह अमेरिका के लिए बड़े अपमान की बात होगी।

गाजा संघर्ष को समाप्त कराने की योजना का जिक्र करते हुए ट्रंप ने मंगलवार को क्वांटिको में सैन्य अधिकारियों को अपने संबोधन में कहा, मुझे लगता है, हमने इसे सुलझा लिया है। अब, हमास को सहमत होना होगा और अगर वे नहीं मानते, तो उनके लिए बहुत मुश्किल होगा। सभी अरब, मुस्लिम राष्ट्र

● कहा- मैंने 7 संघर्ष खत्म कराए पर नोबेल किसी लेखक को मिलेगा

इससे सहमत हैं। इजराइल सहमत है। यह एक अद्भुत बात है कि सभी साथ आ गए हैं। ट्रंप ने कहा कि अगर सोमवार को घोषित गाजा संघर्ष को समाप्त कराने की उनकी योजना कामयाब हो जाती है तो उन्होंने कुछ ही महीनों में आठ संघर्षों को सुलझा लिया है।

ट्रंप ने कहा, यह शानदार है। कोई ऐसा कभी नहीं कर पाया। फिर भी क्या आपको नोबेल पुरस्कार मिलेगा, बिल्कुल नहीं। वे इसे किसी ऐसे व्यक्ति को देंगे जिसने कुछ भी नहीं किया। वे इसे ऐसे व्यक्ति को देंगे जिसने डोनाल्ड ट्रंप के विचारों और युद्ध को सुलझाने के लिए क्या किया गया, इस पर कोई किताब लिखी है, जी हां, नोबेल किसी लेखक को मिलेगा लेकिन देखते हैं क्या होता है।

उन्होंने कहा, यह हमारे देश के लिए बड़े अपमान की बात होगी। मैं ऐसा नहीं चाहता। मैं चाहता हूं कि यह देश को मिले क्योंकि ऐसा कुछ पहले कभी नहीं हुआ। इस बारे में सोचिएगा। मुझे लगता है कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने की योजना सफल होगी। मैं यह बात हल्के में नहीं कह रहा।

नोबेल पुरस्कार का इतिहास

... और ट्रंप की चाहत

दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार वैसे तो हमेशा चर्चा में रहते हैं लेकिन हाल फिलहाल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दावेदारी ने इसे और चर्चित बना दिया है। एक ताजा बयान में ट्रंप ने दुनिया में सात संघर्ष रुकवाने का दावा करते हुए कहा है कि अगर उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार न दिया गया तो यह अमेरिका का बड़ा अपमान होगा, ट्रंप के इस दावे को इस पुरस्कार के राजनीतिकरण और दबाव बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। दिलचस्प यह है कि डोनाल्ड ट्रंप की इस हद तक कोशिश के बावजूद उन्हें इस बार शांति का नोबेल प्राइज मिलने की संभावना न के बराबर मानी जा रही है। वजह बताई जा रही है कि उनकी उम्मीदवारी न तो प्रक्रियागत है, न ही समय से पूरी हुई है। हालांकि कई देशों की ओर से उन्हें जरूर नोबेल पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। नोबेल पुरस्कारों की घोषणा हर साल अक्टूबर में होती है, लिहाजा कुछ ही दिन बाद पता चल जाएगा कि ट्रंप की कोशिशें कितनी कामयाब हो पाईं।

ऐसे हुई थी शुरुआत

- स्वीडिश वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत से शुरुआत हुई थी, उन्होंने अपनी अधिकांश संपत्ति इसके लिए दान कर दी थी।
- वसीयत के मुताबिक दुनिया का यह सबसे प्रतिष्ठित सम्मान उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने मानवता की सबसे बड़ी सेवा की हो।
- पहला नोबेल 1901 में प्रदान किया गया था, यह पुरस्कार हर साल 10 दिसंबर को अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि पर दिया जाता है।

पुरस्कार की श्रेणियां

नोबेल छह श्रेणियों में दिए जाते हैं। शुरू में भौतिकी, रसायन विज्ञान, शरीर विज्ञान या चिकित्सा साहित्य और शांति के लिए यह पुरस्कार दिया जाता था। सन् 1968 में इनमें आर्थिक विज्ञान भी जोड़ दिया गया।

सबसे ज्यादा पुरस्कार

- संयुक्त राज्य अमेरिका में 400 से ज्यादा नोबेल पुरस्कार दिए गए हैं, इस कारण वह शीर्ष पर है।
- यूनाइटेड किंगडम 137 पुरस्कारों के साथ दूसरे, जर्मनी 111 पुरस्कारों के साथ तीसरे स्थान पर।
- फ्रांस लगभग 71 पुरस्कारों के साथ चौथे स्थान, स्वीडन 32 पुरस्कारों के साथ पांचवें स्थान पर।

अब तक कितने विजेता

सन् 1901 से 2024 के बीच पांच नोबेल और आर्थिक विज्ञान में पुरस्कार 627 बार 1,012 लोगों और संगठनों को दिए गए।

ऐसे होता है चयन

- विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, नोबेल विजेता जैसे योग्य लोग उम्मीदवारों को नामांकित करते हैं। इसका विवरण 50 साल तक गुप्त रखा जाता है।
- प्रत्येक क्षेत्र में पुरस्कार के लिए एक अलग समिति होती है। ये समितियां प्राप्त नामांकनों की समीक्षा करती हैं और प्रारंभिक आधार पर चयन करती हैं।

पुरस्कारों पर प्रमुख विवाद

- एक स्वीडिश सांसद ने 1939 में व्यंग्य के रूप में एडोल्फ हिटलर को शांति पुरस्कार के लिए नामांकित कर दिया था, जिसे बाद में नामांकन वापस ले लिया गया।
- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नोबेल शांति पुरस्कार न दिया जाना बड़े विवाद का मुद्दा बना रहा। उन्हें कई बार नामांकित किया गया था, लेकिन पुरस्कार नहीं मिला।
- वियतनाम युद्धविराम के लिए हेनरी किसिंजर को दिया गया शांति पुरस्कार विवादित रहा, उन पर कंबोडिया पर बमबारी और तानाशाहों के समर्थन का आरोप था।
- यासर अराफात को इजराइली नेताओं के साथ शांति प्रयासों के लिए पुरस्कार मिला था, लेकिन कुछ लोग उनकी सशस्त्र गतिविधियों के कारण इससे असहमत थे।
- साहित्य पुरस्कार के लिए आदर्शवादी मापदंड की व्याख्या को लेकर शुरू से ही कई विवाद रहे हैं, जिससे कई बार विजेताओं के चयन पर सवाल भी उठे हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

इथियोपिया: निर्माणाधीन गिरजाघर ढहा, 25 मरे

अदीस अबाबा। इथियोपिया के अमहारा क्षेत्र में बुधवार को एक निर्माणाधीन गिरजाघर के ढह जाने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बुधवार को उत्तरी इथियोपिया के अमहारा में मेनजार शेनकोरा अर्रेती मरियम गिरजाघर में उस समय हुई, जब लोग सेंट मैरी के वार्षिक समारोह के लिए एकत्र हुए थे। एक स्थानीय अस्पताल के चिकित्सक सेयूम अल्ताये ने बताया कि पीड़ितों में कुछ बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, अब तक हमने 25 लोगों की मौत होने और सौ से अधिक घायलों की पुष्टि की है।

अफगानिस्तान में इंटरनेट प्रतिबंध नहीं

इस्लामाबाद। तालिबान सरकार ने अफगानिस्तान में इंटरनेट पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाए जाने की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि पुराने फाइबर ऑप्टिक केबल खराब हो गए हैं और उन्हें बदला जा रहा है। यह घोषणा संचार ब्लैकआउट पर तालिबान का पहला सार्वजनिक बयान है जिसके कारण बैंकिंग, वाणिज्य और विमानन क्षेत्र को बाधित हुए है। पिछले महीने, कई प्रांतों ने अनैतिकता से निपटने के लिए तालिबान नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा के एक आदेश के कारण इंटरनेट बंद होने की पुष्टि की थी। तालिबान अधिकारियों ने बयान में कहा, यह अफवाह फैलाई जा रही है कि हमने इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया है।

फेडरल रिजर्व गवर्नर बनी रहेंगी लिसा कुक

वाशिंगटन। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को लिसा कुक को फिलहाल फेडरल रिजर्व गवर्नर बने रहने की अनुमति दे दी तथा उन्हें केंद्रीय बैंक से तत्काल हटाने संबंधी ट्रंप प्रशासन के अनुरोध पर कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। एक अहस्ताक्षरित आदेश में, उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वह जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कुक को फेड बोर्ड से हटाने के अनुरोध पर दलीलों को सुनेगा।

नेपाल में मिट्टी ढहने से चार लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल के दक्षिणी मधेश प्रांत में बुधवार को मिट्टी ढहने से तीन बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, हरिपुरवा नगर पालिका-1 में हर्दीखोला नदी के किनारे से मिट्टी लेने गए तीन बच्चों और एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि त्योहार के लिए मिट्टी निकालने गए छह लोग फावड़े से नदी किनारे खुदाई कर रहे थे, तभी मिट्टी का ढेर ढह गया और चार लोग उसमें दब गए।

फौरन गाजा खाली करें वर्ना आतंकवादी मानेंगे

युद्धविराम के ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास का जवाब आने से पहले इजराइल की फिलिस्तीनियों को चेतावनी

दीर अल बलाह, एजेंसी

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने बुधवार को शेष फिलिस्तीनियों को गाजा शहर छोड़ने का आदेश देते हुए कहा कि यह उनके लिए 'अंतिम अवसर' है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग शहर में रुकेंगे, उन्हें आतंकवादियों का समर्थक माना जाएगा और उन्हें इजराइल के नए हमलों का सामना करना पड़ेगा।

इस बीच गाजा के स्थानीय अस्पतालों ने जानकारी दी कि इजराइल के बुधवार को किए गए हमलों में 16 फिलिस्तीनी मारे गए। ये घटनाक्रम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास द्वारा सात अक्टूबर 2023 को इजराइल में किए गए हमले के बाद शुरू युद्ध को समाप्त कराने के लिए 20 सूत्र नया प्रस्ताव पेश करने के बाद हुए हैं। फिलिस्तीनी चरमपंथी संगठन इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। पिछले महीने इजराइल के गाजा पर कब्जा करने के लिए शुरू किए गए बड़े हमले के बाद लगभग चार लाख फिलिस्तीनी गाजा शहर से पलायन कर चुके हैं लेकिन हजारों लोग अब भी वहां हैं, जिनमें से कई इतने कमजोर हैं कि दक्षिणी हिस्से में स्थित शिविरों तक नहीं जा सकते।

इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह उन गाजा निवासियों के लिए अंतिम अवसर है जो दक्षिण की ओर जाना चाहते हैं और हमास आतंकवादियों को गाजा शहर में अलग-थलग छोड़ना चाहते हैं। जो लोग गाजा में रहेंगे उन्हें आतंकवादी या आतंकवाद समर्थक माना जाएगा।

इस बीच इजराइल ने गाजा में अपनी सैन्य कार्रवाई बुधवार को भी जारी रखी, इसमें कम से कम 16 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। स्थानीय अस्पतालों के अधिकारियों के मुताबिक, इजराइली हमले में मारे गए लोगों में वे भी शामिल हैं, जिन्होंने गाजा शहर में विस्थापितों के लिए बने एक स्कूल में शरण ली हुई थी।

इजराइल के शहर तेल अवीव में हजारों लोगों ने बंधकों की रिहाई और तुरंत युद्धविराम की मांग करते हुए प्रदर्शन किया।

माफी मांगने के बाद भी नेतन्याहू को झटका, ट्रंप ने जारी किया आदेश- भविष्य में कतर पर किसी भी हमले को माना जाएगा अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा

दुबई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें ऊर्जा संपन्न देश कतर की रक्षा के लिए अमेरिकी सैन्य कार्रवाई सहित विभिन्न कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई गई है। 'व्हाइट हाउस' की वेबसाइट पर बुधवार को उपलब्ध इस आदेश की विषयवस्तु ट्रंप द्वारा कतर के लोगों को आश्वस्त करने का एक और उपाय माना जा रहा है, क्योंकि कुछ दिन पहले इजराइल ने हमास नेताओं को निशाना बनाकर कतर पर अचानक हमला किया था। आदेश में दोनों देशों के घनिष्ठ सहयोग और साझा हित का हवाला देते हुए बाहरी हमले के विरुद्ध कतर की रक्षा और क्षेत्रीय अखंडता की गारंटी देने का संकल्प जताया गया है। आदेश में कहा गया है, अमेरिका कतर के क्षेत्र, संप्रभुता या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर किसी भी सशस्त्र हमले को अमेरिका की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा मानेगा। इसमें कहा गया, ऐसे हमले की स्थिति में अमेरिका अपने और कतर के हितों की रक्षा करने सभी वैध और उचित कदम उठाएगा जिसमें राजनयिक, आर्थिक और, यदि आवश्यक हो तो सैन्य कार्रवाई भी शामिल हैं। यह आदेश इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सोमवार को वाशिंगटन यात्रा के दौरान आया। 'व्हाइट हाउस' ने बताया कि इस यात्रा के दौरान नेतन्याहू ने उस हमले पर गहरा खेद व्यक्त किया, जिसमें कतर के सुरक्षा बलों के एक सदस्य सहित छह लोग मारे गए थे।

ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास ने अब तक नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

गाजा में युद्ध विराम के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से पेश 20-सूत्रीय शांति योजना पर अबतक हमास ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच कतर, मिस्र और तुर्की ने हमास से अमेरिकी राष्ट्रपति की गाजा में युद्धविराम की योजना को स्वीकार करने का आग्रह किया है। पोप लियो ने भी हमास की ओर से सात अक्टूबर 2023 को बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई के साथ तुरंत युद्धविराम की अपील दोहराई है। कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी और मिस्र के खुफिया प्रमुख हसन राशद ने दोहा में सोमवार की रात हमास नेताओं के आगे ट्रंप की योजना प्रस्तुत की थी। अल थानी ने कहा कि हमास को इससे बेहतर समझौता नहीं मिलेगा और विश्वास जताया कि ट्रंप वास्तव में युद्ध को समाप्त करने का इरादा रखते हैं। मंगलवार को अल थानी और हसन राशद फिर हमास सदस्यों से मिले। इस बार तुर्किए के खुफिया प्रमुख इब्राहिम कालिन भी साथ थे। हालांकि हमास के नेताओं ने अभी ट्रंप के प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच पोप लियो ने भी मंगलवार देर रात केस्टल गेंडोल्फो स्थित अपने पैतृक निवास से प्रस्थान करते हुए युद्ध को समाप्त करने की योजना को लेकर आशा व्यक्त की।

● कतर, मिस्र और तुर्किए ने समझौता मानने की अपील की

झाड़ू-पोंछा करने वाली मां के बेटे ने ब्रिटेन में जीता एक लाख अमेरिकी डॉलर का ग्लोबल स्टूडेंट अवार्ड

लंदन। गरीबी में पले-बढ़े 18 वर्षीय छात्र/अन्वेषक आदर्श कुमार को बुधवार को लंदन में एक समारोह में एक लाख अमेरिकी डॉलर के 'ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज 2025' का विजेता घोषित किया गया। आदर्श को 148 देशों से प्राप्त लगभग 11,000 नामांकनों और आवेदनों में से इस वार्षिक पुरस्कार के लिए चुना गया। यह पुरस्कार ऐसे असाधारण छात्र को दिया जाता है जिसने शिक्षा और समग्र समाज पर वास्तविक प्रभाव डाला हो।

बिहार के चंपारण में जन्मे आदर्श का पालन-पोषण अकेले उनकी मां ने किया है। उनकी मां ने आदर्श की पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए दूसरे के घरों में झाड़ू-पोछा का काम किया। आदर्श जयपुर के जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल (जेपीआईएस) में 30 लाख रुपये की पूर्ण छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले पहले छात्र भी हैं और अब वह दूसरों को भी इसे प्राप्त करने के लिए मदद करते हैं। लंदन में पुरस्कार प्राप्त करने के बाद आदर्श ने कहा, यह पुरस्कार जीतना अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा, ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज जीतने से मुझे और ज्यादा मेहनत करने का आत्मविश्वास मिला है। दूसरों के लिए मेरा संदेश यही है: खुद वह बनिए जो आप देखना चाहते हैं। बदलाव पहले अपने अंदर से शुरू होना चाहिए और फिर दुनिया में। दुनिया उन लोगों का सम्मान करती है जो सपने देखने की हिम्मत रखते हैं, इसलिए कृपया बड़े सपने देखें।

लंदन में ट्रॉफी के साथ आदर्श कुमार।

महाराष्ट्र के स्कूल को मिलेगा ब्रिटेन में पुरस्कार

लंदन। महाराष्ट्र के खेड़ तालुका स्थित प्राथमिक स्कूल जिला परिषद प्राथमिकशाला जलिंदरनगर को लंदन में सर्वश्रेष्ठ स्कूल की श्रेणी में दिए जाने वाले '2025 वर्ल्ड्स बेस्ट स्कूल प्राइज कम्युनिटी च्वॉइस अवार्ड' का विजेता घोषित किया गया है। इस पुरस्कार की स्थापना ब्रिटेन स्थित टी4 एजुकेशन ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर उन स्कूलों को मंच प्रदान करने के लिए की थी जो अपनी कक्षाओं के साथ बाहर भी छात्रों के जीवन में बदलाव ला रहे हैं। आदिवासी बहुल जिले के इस स्कूल को अपनी विषय अनुकूल प्रणाली, मिलजुल कर पढ़ने-पढ़ाने के मॉडल के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण छात्र-नेतृत्व वाली शिक्षा प्रदान करके सरकारी स्कूल शिक्षा में क्रांति लाने के लिए इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। अध्ययन अध्यापन के इस तरह के मॉडल में विभिन्न आयु वर्ग के छात्र एक-दूसरे के साथ पढ़ते हैं, एक दूसरे को पढ़ाते और सीखते हैं।

इंडोनेशिया : स्कूल इमारत के मलबे में दबे 91 से ज्यादा छात्र

जकार्ता, एजेंसी

इंडोनेशिया की आपद प्रबंधन एजेंसी ने बुधवार को कहा कि पूर्वी जावा प्रांत के सिदोअर्जो जिले में 29 सितंबर को एक स्कूल की इमारत ढहने के बाद कम से कम 91 लोग फंस गए हैं। इनमें ज्यादातर स्कूल में पढ़ने वाले छात्र हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीएनपीबी) के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने बताया कि कल शाम तक, इस दुर्घटना में तीन छात्रों की मौत हो चुकी थी और 90 से ज्यादा घायल हो गए थे, जबकि 26 अस्पताल में भर्ती हैं। विभिन्न एजेंसियों के सैकड़ों बचावकर्मियों को घटनास्थल पर तैनात किया गया है। भारी मशीनरी

● अचानक ढह गई थी जर्जर इमारत तीन छात्रों के निकाले गए हैं शव

के इस्तेमाल से इमारत के ढहने की आशंका की वजह से बचावकर्मियों ने हाथ से खुदाई पर ध्यान केंद्रित किया है। वे मलबे में फंसे लोगों तक खाना और पानी पहुंचा रहे हैं। घटनास्थल पर मौजूद बचावकर्मियों ने कहा कि ढही हुई इमारत के कुछ हिस्सों में जीवन के संकेत मिले हैं और वहीं पर प्रयास केंद्रित किए जा रहे हैं। इस बीच, बीएनपीबी निर्माण विशेषज्ञों के साथ मिलकर सुरक्षित तरीके से मलबा हटाने की योजना तैयार कर रहा है ताकि ज़रूरत पड़ने पर बाद के चरणों में भारी उपकरणों का इस्तेमाल किया जा सके।

अमेरिका में शटडाउन के साथ शुरू हुआ अनिश्चितता का दौर

करीब साढ़े सात लाख कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजे जाने की आशंका, बड़े पैमाने पर छंटनी की भी चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में सरकारी कार्यक्रम और सेवाएं जारी रखने को लेकर निर्धारित समय सीमा बुधवार को पूरी होने तक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और संसद के बीच कोई समझौता न हो पाने के बाद शटडाउन (सरकारी वित्तपोषण पर रोक) शुरू हो गया, जिसके चलते अनिश्चितता का वातावरण पैदा हो गया है।

शटडाउन के दौरान संघीय सरकार के लगभग 7,50,000 कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजे जाने की आशंका है। शटडाउन के दौरान कई कार्यालय बंद हो जाएंगे। शटडाउन के कारण शिक्षा, पर्यावरण और अन्य सेवाएं ठप पड़ जाएंगी। इसका असर

शिक्षा विभाग में 87% कर्मचारी भेजे जाएंगे छुट्टी पर, काम ठप होने की आशंका

अमेरिकी शिक्षा विभाग में सरकारी वित्त पोषण रुकने से कामकाज ठप पड़ने की आशंका है। शिक्षा विभाग का कहना है कि बुधवार से शुरू हो रहे 'शटडाउन' के दौरान हालांकि उसके कई मुख्य कार्य जारी रहेंगे और संघीय वित्तीय सहायता जारी रहेगी, लेकिन छात्र ऋण भुगतान अब भी बकाया रहेंगे। वहीं, नागरिक अधिकारों से जुड़ी शिकायतों की जांच बंद हो जाएगी और विभाग नए संघीय अनुदान जारी नहीं करेगा। विभाग की एक आकस्मिक योजना के अनुसार, उसके लगभग 87 प्रतिशत कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया जाएगा।

- प्रशासन ने संकेत दिया है कि शटडाउन से संघीय एजेंसियों में और भी पद समाप्त हो सकते हैं। पिछले शटडाउन में संघीय धन बहाली के बाद छुट्टी गए कर्मचारियों को बुला लिया गया था। इस बार व्हाइट हाउस के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय ने कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर निकालने की धमकी दी है।
- मई में सदन की विनियोग समिति के समक्ष पेश हुईं शिक्षा मंत्री लिंडा मैकमोहन ने कहा कि इस साल की छंटनी ने उनके विभाग को कमजोर कर दिया है और कुछ मामलों में तो बहुत ज्यादा असर पड़ा है।

पूरे देश में पड़ने की उम्मीद है। समय सीमा पूरी होने से पहले ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, हम शटडाउन नहीं चाहते। हालांकि इस सप्ताह सांसदों से व्यक्तिगत तौर पर मुलाकात करने वाले ट्रंप शटडाउन से बचने के लिए डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों के बीच समझौते को लेकर बातचीत कराने के इच्छुक नजर नहीं आ रहे थे। रिपब्लिकन सांसद ने बातचीत से इनकार कर दिया और ट्रंप को किसी भी बातचीत से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

व्हाइट हाउस में मुलाकात के बाद राष्ट्रपति ने डेमोक्रेटिक नेतृत्व का मजाक उड़ाते हुए एक कार्टूननुमा फर्जी वीडियो पोस्ट किया, जिसे व्यापक रूप से गैर गंभीर और नस्लवादी माना गया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बुधवार को कहा कि रिपब्लिकन सांसद स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े उन मुद्दों को सुलझाना चाहते हैं, जिनपर डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने चिंता जताई है।

शटडाउन खत्म करने के लिए मतदान विफल लंबा खिंचेगा संकट

अमेरिका में बुधवार को शटडाउन शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद इसे समाप्त करने के लिए मतदान विफल हो गया, क्योंकि सीनेट में डेमोक्रेट सदस्य स्वास्थ्य देखभाल सब्सिडी के लिए धन मुहैया कराने की मांग पर अड़े रहे। राष्ट्रपति ट्रंप और रिपब्लिकन सदस्य इस सब्सिडी के लिए वित्त पोषण करने से इन्कार कर रहे हैं। डेमोक्रेटिक सांसद कुछ समय पहले पारित ट्रंप की 'मेडिकेड' कटौती को बदलना और कर क्रेडिट का विस्तार करना चाहते हैं जो 'अफोर्डेबल केयर एक्ट' द्वारा स्थापित बाजारों के जरिए स्वास्थ्य बीमा लेने वाले लाखों लोगों के लिए प्रीमियम को अधिक किफायती बनाता है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 2 अक्टूबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 19.10 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

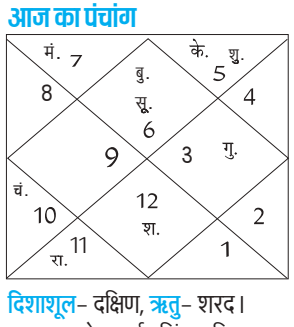

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराषाढ़ा 09.13 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष — आज कारोबार में लाभ के बावजूद मन संतुष्ट नहीं रहेगा। यदि किसी लत या बुरी आदत से ग्रसित हैं, तो सावधान रहें। शरीर में स्फूर्ति की कमी हो सकती है। पारिवारिक जीवन अत्यंत आनंदमय रहेगा। हाथ में आए अवसरों को लेकर लापरवाही न करें।

वृष — आज पिछले कई दिनों से चली आ रही तनावयुक्त परिस्थितियां सामान्य हो जाएंगी। दूसरों के मामलों में अधिक हस्तक्षेप न करें। ऑनलाइन कारोबार से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। लोग आपके व्यक्तित्व से आकर्षित रहेंगे।

मिथुन — आज आपको किसी कारणवश सहकर्मियों के ताने सुनने पड़ सकते हैं। कारोबार से जुड़े लोगों को अपनी कमियों और गलतियों का मूल्यांकन करना चाहिए। प्रेम-संबंधों को लेकर अधिक भावुक होने की आवश्यकता नहीं है।

कर्क — आज कारोबार में बड़ा निवेश कर सकते हैं। माता-पिता आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहने वाले हैं। वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा है। नौकरी में परिस्थितियां अत्यंत अनुकूल रहेंगी। अचानक प्राप्त हुए अवसरों से मन में प्रसन्नता होगी।

सिंह — आज अधीनस्थ कर्मचारी आपसे किसी कारण नाराज होंगे। अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। मैनेजमेंट से जुड़े लोगों को परेशानी होगी। वैवाहिक जीवन में अनबन हो सकती है। इस समय को शांति और प्रेम पूर्वक बिताएं।

कन्या — आज आप अत्यंत तीव्र गति से अपने काम पूरे करेंगे। भविष्य की योजनाओं पर धन खर्च करेंगे। जीवनसाथी का सहयोग आपका मनोबल बढ़ाएगा। नई नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं। बुरा समय खत्म होने से चैन की सांस लेंगे।

तुला — आज आपको सैद्धांतिक विचारों के साथ व्यावहारिक भी होना पड़ेगा। उच्च अधिकारियों के प्रति मन में नाराजगी रहेगी। उधार लेने से आपको बचना चाहिए। आपको केवल अपने काम पर ध्यान देना चाहिए। परीक्षा परिणाम में आपको सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आज आप सभी कार्यों को एकाग्र होकर करेंगे। मित्रों की सहायता से आपके सभी काम आसानी से पूर्ण हो जाएंगे। आपको मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। संतान को लेकर गौरव की अनुभूति होगी। इच्छित प्रेमी को प्रपोज कर सकते हैं।

धनु — आज व्यापार में आपका प्रदर्शन बेहतरीन रहने वाला है। आपको जोखिम लेने से बचना चाहिए। अपनी रचनात्मक क्षमता का अच्छा प्रयोग करेंगे। किसी पर भी सहज ही विश्वास न करें। अपने लक्ष्यों को लेकर दृढ़प्रतिज्ञ रहें। पारिवारिक अशांति दूर होगी।

मकर — आज जटिल मामलों को आसानी से सुलझा लेंगे। प्रतिस्पर्धियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। आपको सुखद समाचार मिल सकते हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। परिवार के लोग आपको सहयोग देंगे।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में थोड़ी कठिनाई का अनुभव करेंगे। अपने विचारों को संकीर्णता के दायरे में सीमित न करें। दूसरों के बजाय स्वयं के निर्णय को अधिक प्रधानता दें। किसी से अधिक अपेक्षा न रखें। दिनचर्या अनियमित हो सकती है।

मीन — आज व्यवसाय के दृष्टिकोण से आप अत्यंत भाग्यशाली रहने वाले हैं। रुका हुआ धन आपको प्राप्त हो सकता है। आत्मविश्वास के कारण आप हर जगह बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। जटिल समस्याओं का समाधान निकालने में सफलता मिलेगी।

सुडोकू-117

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8		2	6		4		
9						5		
			4				1	7
	3				8			4
		6				7		
1			7				9	
	4				3			8
		2			4			6
		5		7			4	

सुडोकू - 116 का हल

3	1	4	7	6	9	5	2	8
5	2	9	8	4	1	3	7	6
7	8	6	5	2	3	9	1	4
4	5	1	3	7	2	6	8	9
9	3	8	1	5	6	2	4	7
2	6	7	4	9	8	1	3	5
6	7	2	9	3	4	8	5	1
1	4	3	6	8	5	7	9	2
8	9	5	2	1	7	4	6	3

हम दमदार क्रिकेट खेलना चाहेंगे। भारत आने वाली किसी भी टीम के लिये चुनौती स्पिन और रिवर्स स्विंग होती है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखकर हम ऐसी विकेटों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मदद करे।
-शुभमन गिल

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार 2 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सिनर ने चाइना ओपन जीता

बीजिंग : इटली के यानिक सिनर ने अमेरिकी युवा लर्नर टियेन को बुधवार को चाइना ओपन में 6-2, 6-2 से हराकर खिताब जीता और शंघाई मास्टर्स टेनिस की अपनी तैयारी पुख्ता की। सिनेर ने इससे पहले एलेक्स डि मिनौर को 6-4, 3-6, 6-2 से हराकर हार्डकोर्ट पर लगातार नौवे फाइनल में प्रवेश किया था। उन्नीस वर्ष के टियेन ने पहली बार फाइनल में प्रवेश किया, जब दानिल मेदवेदेव चोट के कारण रिटायर हो गए थे। उस समय स्कोर 5-7, 7-5, 4-0 था।

विदर्भ ने शेष भारत के खिलाफ 280 रन बनाए

नागपुर : सलामी बल्लेबाज अथर्व ताइडे के नाबाद शतक से विदर्भ ने ईरानी कप मैच के पहले दिन बुधवार को यहां शेष भारत के खिलाफ पांच विकेट पर 280 रन बनाए। ताइडे ने 240 गेंद में 12 चौकों और एक छक्के से नाबाद 118 रन बनाए। यश राठौड़ ने भी 153 गेंद में छह चौकों और एक छक्के की मदद से 91 रन की पारी खेली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए उस समय 184 रन की साझेदारी की जब टीम 80 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। रणजी ट्रॉफी चैंपियन टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने सात ओवर में बिना विकेट गंवाए 40 रन बनाए लेकिन इसके बाद जल्द ही तीन विकेट गंवा दिए।

दिल्ली ई स्पोर्ट्स ओपन का समापन

नई दिल्ली : दिल्ली ई स्पोर्ट्स ओपन चैम्पियनशिप 2025 का समापन नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में सफलतापूर्वक हुआ, इस चैम्पियनशिप ने देश की राजधानी में प्रतिस्पर्धी गेमिंग के नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं। दिल्ली-एनसीआर से रिकॉर्ड 4250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर इसे गेमिंग बिल पास होने के बाद, पहले राज्य-उन्मुख ई-स्पोर्ट टूर्नामेन्ट्स में से एक बना दिया है। चैम्पियनशिप का आयोजन एक नेशनल ईस्पोर्ट्स संगठन द्वारा 27 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों की उपस्थिति के साथ फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया किया गया।

विश्व चैंपियनशिप में मीराबाई से उम्मीदें

फोर्ड (नॉर्वे) : वापसी की कोशिश में जुटीं पूर्व चैंपियन मीराबाई चानू बृहस्पतिवार से यहां शुरू हो रही विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में एक बार फिर भारत की पदक की उम्मीदों को लेकर नए 48 किग्रा वर्ग में खुद को परखने की कोशिश करेंगी। भारत ने 12 सदस्यीय टीम उतारी है लेकिन 2017 की विश्व चैंपियन और 2022 की रजत पदक विजेता मीराबाई देश की एकमात्र पदक दावेदार हैं।

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते के कप्तान श्रेयस अय्यर। अमृत विचार

भारत ए ने रनों की बारिश कर आस्ट्रेलिया ए को रौंदा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कप्तान श्रेयस अय्यर व प्रियांश आर्य ने जड़े शतक, तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त
- भारत ए ने पहले बैटिंग करते 50 ओवर में 6 विकेट पर 413 रनों का स्कोर खड़ा किया

अमृत विचार। ग्रीनपार्क स्टेडियम में भारत ए व ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाला पहला वनडे मैच मंगलवार को बारिश के कारण रद्द हुआ और बुधवार को खेला गया। दूसरे दिन हुए मैच में चौकों-छक्कों की बारिश हुई और भारत ए टीम ने माहौल रोमांचक बना दिया। भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 413 रनों का स्कोर खड़ा किया।

जवाब में आस्ट्रेलिया ए की टीम 33.1 ओवर में 242 रन पर लौट गई। भारत ए 171 रन के बड़े अंतर से मुकाबला अपने नाम किया। टॉस जीतकर गेंदबाजी करने उतरी आस्ट्रेलिया ए टीम पर सलामी बल्लेबाजों ने दबाव बनाया। प्रियांश और प्रभसिमरन सिंह ने पहले विकेट के लिए 135 रन की साझेदारी कर मेहमान गेंदबाजों को मैदान पर दौड़ाया। प्रभसिमरन 59 रन बनाकर आउट हुए, जबकि प्रियांश ने 101 रन की शतकीय पारी खेली और 11 चौके व 5 छक्के जड़े। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर और रियान पराग ने तीसरे विकेट के लिए 132 रन जोड़े। पराग ने 66 रन बनाए जबकि अय्यर ने 75 गेंदों पर 110 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 12 चौके और 4 छक्के जड़े। अंत में आयुष बडोनी ने केवल 26 गेंदों पर ताबड़तोड़ 50 रन ठोकते हुए टीम का स्कोर 400 के पार पहुंचा दिया। भारत ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 413 रन बनाए। आस्ट्रेलिया के लिए विल सदरलैंड ने दो विकेट लिए, पर वह काफी महंगे साबित हुए और 73 रन खर्च किए। टॉम स्ट्रेकर, टॉड मर्फी और लियाम स्कॉट को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आस्ट्रेलिया ए टीम ने भी शुरू में तेजी से रन बटोरे। जैक फ्रेजर ने 23 रन बनाए, लेकिन युद्धवीर सिंह ने उन्हें आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। कूपर कॉनोली ने 33 रन और मैकेंजी हार्वे ने 68 रन बनाए, जिसमें 7 चौके, 2 छक्के शामिल रहे। इसके बाद 181 रन के योग पर चार विकेट गंवा दिए।

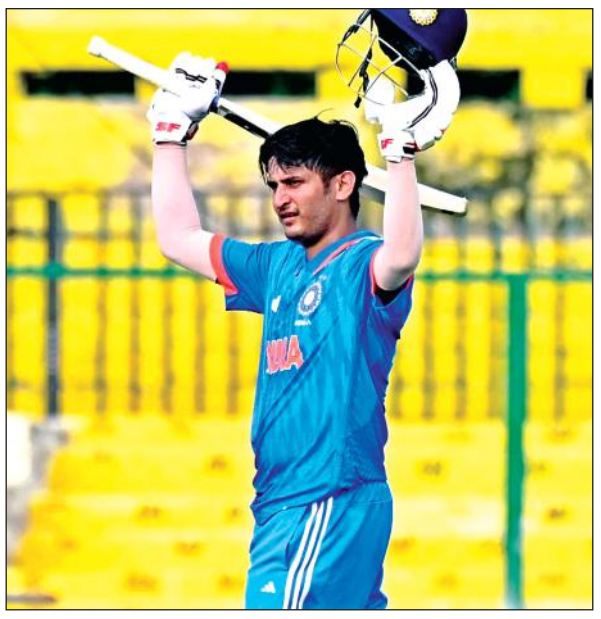

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते प्रियांश आर्य। अमृत विचार

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी

दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला आज से, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मिलेंगे अंक

अहमदाबाद, एजेंसी

विवादों से घिरा एशिया कप जीतने के बाद भले ही लंबा ब्रेक नहीं मिल सका हो, लेकिन शुभमन गिल की टीम का पलड़ा खराब फॉर्म से जूझ रही वेस्टइंडीज के खिलाफ बृहस्पतिवार से हरी भरी पिच पर शुरू हो रहे पहले टेस्ट में भारी रहेगा।

कप्तान गिल समेत भारतीय टीम के अधिकांश सदस्य और मुख्य कोच गौतम गंभीर दुबई से यहां पहुंच गए हैं और लाल गेंद के प्रारूप में खेलने की तैयारी में जुट गए हैं। इस सीरीज की अहमियत इसलिए भी है क्योंकि इससे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंक भी मिलने हैं। इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने के बाद गिल की टीम तीसरे स्थान पर है जबकि इंग्लैंड एक अंक पीछे है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ शृंखला समेत भारत को चार घरेलू टेस्ट खेलने हैं जिनसे अधिक से अधिक अंक लेने की कोशिश होगी। अहमदाबाद में इस बार खेलने की परिस्थितियां अलग है और पिच हरी भरी दिख रही है। मौसम उमस भरा है और टेस्ट मैच के दौरान थोड़ी बहुत बारिश की भी संभावना है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज टीम 2025 . 27 डब्ल्यूटीसी चक्र में तीन टेस्ट हार चुकी है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच मुकाबले से ज्यादा रूचि यह जानने में है कि भारत की अंतिम एकादश क्या होगी। पहले टेस्ट में पिच पर घास होने से भारतीय टीम संयोजन में बदलाव हो सकता है। पिछले सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ टर्निंग पिचें बनाने से भारत को नुकसान हुआ था। अक्टूबर 2024 में भारत में आखिरी टेस्ट खेलने के बाद से टीम में बहुत कुछ बदला है। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गज पारंपरिक प्रारूप से विदा ले चुके हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी अब टीम में नहीं हैं। भारत की बल्लेबाजी और गेंदबाजी ईकाई संतुलित है और यह देखना होगा कि देवदत्त पडिक्कल के रूप में अतिरिक्त बल्लेबाज को उतारा जाता है या तेज गेंदबाजी हरफनमौला नितीश रेड्डी को मौका मिलता है। रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव स्पिन गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे लेकिन भारत वॉशिंगटन सुंदर या अक्षर पटेल को भी मौका दे सकता है। वॉशिंगटन ने हैंपशर के लिये काउंटी क्रिकेट खेलने के बाद यहां पहुंचकर टीम के साथ अभ्यास किया। करुण नायर तीसरे नंबर की जगह लेने में नाकाम रहे और अब बी साई सुदर्शन का उस क्रम पर खेलना तय है।

भारत के कप्तान शुभमन गिल व यशस्वी जायसवाल टेस्ट मैच से पहले अभ्यास सत्र के दौरान। एजेंसी

समय : पूर्वाह्न 9:30 से

टीमें

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, एन जगदीशन, देवदत्त पडिक्कल, बी साई सुदर्शन, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

वेस्टइंडीज : रोस्टन चेस (कप्तान), केवलोन एंडरसन, एलिक अथानाजे, जॉन कैंपबेल, तेजनारायण चंद्रपॉल, शाई होप, टेविन इमलाच, ब्रेंडन किंग, जस्टिन ग्रीव्स, जोहान लेन, खारी पियरे, जोमेल वारिकन, जेडेन सील्स, एंडरसन फिलिप, जेडिया ब्लेड्स।

गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार पिच चाहते हैं हम : गिल

अहमदाबाद : भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को कहा कि टीम घरेलू मैचों में टर्निंग पिचों को तरजीह देने की बजाय ऐसी पिचों पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में गिल ने कहा कि टीम पहले मैच में तीसरे तेज गेंदबाज को मौका दे सकती है चूंकि पिच पर घास जमी है और मौसम भी उमस भरा है। गिल ने कहा मेरे आने (बतौर कप्तान) से पहले क्या बात हुई थी, मैं उसके बारे में नहीं बोल सकता। लेकिन हम ऐसी पिचों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार हो। उन्होंने कहा भारत आने वाली किसी भी टीम के लिए चुनौती स्पिन और रिवर्स स्विंग होती है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखकर हम ऐसी विकेटों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मदद करे। उन्होंने कहा आपको संयोजन के बारे में कल पता चल जायेगा। मौसम और हालात को देखते हुए तीसरे तेज गेंदबाज को उतार सकते हैं लेकिन फैसला कल लेंगे। गिल ने कहा कि भारतीय टीम अपनी धरती पर दमदार क्रिकेट खेलना चाहेगी। उन्होंने कहा हम दमदार क्रिकेट खेलना चाहेंगे।

गार्डनर के शतक से ऑस्ट्रेलिया का विशाल स्कोर

इंदौर : अनुभवी हरफनमौला एशले गार्डनर ने बुधवार को यहां आईसीसी वनडे विश्व कप मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ 115 रन की शतकीय पारी खेलकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को 326 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचने में मदद की। ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 49.3 ओवर में सिमट गई। गार्डनर ने अपनी पारी के दौरान 83 गेंद का सामना करते हुए 16 चौके और एक छक्का लगाया।

उनके अलावा फोबे लिचफील्ड ने 45 रन, किम गार्थ ने 38 रन और एलिस पैरी ने 33 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के लिए जेस केर और लिया ताहुहु ने तीन तीन जबकि ब्री इलिंग और अमेलिया केर ने दो दो विकेट झटके। गार्डनर 19वें ओवर में क्रीज पर उतरीं, तब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 113 रन था। उन्होंने महज 77 गेंद में अपना दूसरा वनडे शतक जड़ दिया और टीम के बड़े स्कोर की नींव रखी। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरूआत की लेकिन चार ओवर में 20 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। कप्तान एलिस हीली (19) और फोबे लिचफील्ड (45) ने शानदार शुरुआत करते हुए आसानी से बाउंड्री लगाईं।

अभिषेक टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई, एजेंसी

तेजी से उभरते हुए भारत के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बुधवार को जारी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में इतिहास के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की जबकि वरुण चक्रवर्ती भी गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं। पाकिस्तान के सईम अयूब हालांकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय ऑलराउंडर की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच गए। हाल में यहां संपन्न एशिया कप में भारत की खिताबी जीत के बाद अभिषेक ने इतिहास के सर्वश्रेष्ठ 931 अंक के साथ लगभग पांच साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। आईसीसी ने बताया कि 25 साल के अभिषेक ने 2020 में बनाए इंग्लैंड के दाएं हाथ के बल्लेबाज डेविड मलान के 919 रेटिंग अंक के रिकॉर्ड को तोड़ा।

अभिषेक शर्मा।

एशिया कप के दौरान 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने अभिषेक ने टीम के अपने साथियों सूर्यकुमार यादव (912) और विराट कोहली (909) के पिछले सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक को भी पीछे छोड़ा। पिछले साल अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले अभिषेक ने एशिया कप के सात मैच में 44.85 के औसत से 314 रन बनाए। अभिषेक दूसरे स्थान पर चल रहे इंग्लैंड के फिल सॉल्ट से 82 रेटिंग अंक आगे हैं।

टीम इंडिया के उनके साथी तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं। वर्मा ने एशिया कप में 213 रन बनाए। श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज पथुम निसांका एशिया कप में 261 रन की बदौलत दो स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए। टीम के उनके साथी कुसाल परेरा (दो स्थान के फायदे से नौवें), पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान (11 स्थान के फायदे से 13वें पायदान पर) और भारत के संजू सैमसन (आठ स्थान के फायदे से 31वें पायदान पर) की रैंकिंग में भी एशिया कप में अच्छे प्रदर्शन के बाद सुधार हुआ है।

जूनियर निशानेबाजी विश्व कप में मुकेश ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली : मुकेश नेलावल्ली ने बुधवार को यहां आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप के अंतिम दिन पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि तेजस्विनी सिंह ने इसी स्पर्धा में महिला वर्ग में रजत पदक हासिल किया जिससे भारत पदक तालिका में शीर्ष पर रहा।

जूनियर विश्व चैंपियन मुकेश नेलावल्ली ने गैर ओलंपिक स्पर्धा में कुल 585 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीता। वैभव सूर्यवंशी ने टी-20 शैली में 86 गेंद में 113 रन बनाए, जबकि वेदांत त्रिवेदी ने 140 रन की पारी खेलकर भारत की अंडर 19 टीम को मेजबान आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहले युवा टेस्ट में बुधवार को 185 रन की बढ़त दिला दी।

सूर्यवंशी ने अंडर-19 टेस्ट में भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया

ब्रिसबेन, एजेंसी

भारत की अंडर 19 टीम ने 81.3 ओवर में 428 रन बनाए। आस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम ने पहली पारी में 243 रन बनाए थे। दूसरी पारी में उसने दूसरे दिन एक विकेट पर आठ रन बना लिए थे। अभी भी वह भारतीय टीम से 177 रन पीछे है। चौदह वर्ष की उम्र में आईपीएल में शतक जमाने वाले सूर्यवंशी ने पारी के पहले ही ओवर में हेडन शिलेर को चौका जड़ा था।

उन्होंने त्रिवेदी के साथ 152 रन की साझेदारी करके बड़े स्कोर की नींव रखी। सूर्यवंशी ने अपनी पारी में आठ छक्के और नौ चौके लगाए। उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर आर्यन शर्मा को बेहतरीन कवर ड्राइव लगाकर अपना शतक पूरा किया।

कैथरीन डेब्रनर ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियनऑयल नई दिल्ली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 और 800 मीटर टी53 स्पर्धाओं में पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकीं कैथरीन डेब्रनर ने बुधवार सुबह 3:16.81 मिनट के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ 1500 मीटर टी54 का खिताब भी अपने नाम किया। इसी के साथ वह इस चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं।

विश्व पैरालंपिक

गत चैंपियन झोउ झाओकियान (चीन) 800 मीटर के बाद दूसरी बार दूसरे स्थान पर खिसक गईं। चीनी खिलाड़ी अगले कुछ दिनों में 100 मीटर और 400 मीटर स्प्रिंट में डेब्रनर को मात देने की उम्मीद कर रही होंगी, लेकिन डेब्रनर के पास पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीतने का अनुभव है और वह इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी। पुरुषों की शॉट पुट एफ36 स्पर्धा में व्लादिमीर स्विरिडोव (न्यूट्रल पैरा एथलीट) ने अपने अंतिम प्रयास में 17.01 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। पिछली बार सर्कल में प्रवेश करने पर, रूस में जन्मे इस एथलीट ने 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर गत चैंपियन यासीन गुएनिची (ट्यूनीशिया) से बढ़त हासिल की थी।

अकड़ जारी

बोले- एशिया कप ट्रॉफी तभी मिलेगी जब टीम सीधे उनसे लेगी

भारत मुझसे ट्रॉफी ले सकता है : नकवी

दुबई, एजेंसी

एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने जोर देकर कहा है कि भारत को एशिया कप ट्रॉफी तभी मिलेगी जब टीम सीधे उनसे लेगी।

नकवी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा एसीसी अध्यक्ष होने के नाते, मैं उसी दिन ट्रॉफी सौंपने के लिए तैयार था और अब भी तैयार हूं। अगर वे सचमुच इसे चाहते हैं, तो वे एसीसी कार्यालय आकर मुझसे इसे ले सकते हैं। नकवी की यह टिप्पणी कल दुबई में हुई एसीसी बैठक के बाद आई है, जिसकी अध्यक्षता उन्होंने की थी और बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और पूर्व कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने किया था।

इस बात पर कोई निर्णय नहीं हो पाया कि सूर्यकुमार यादव की

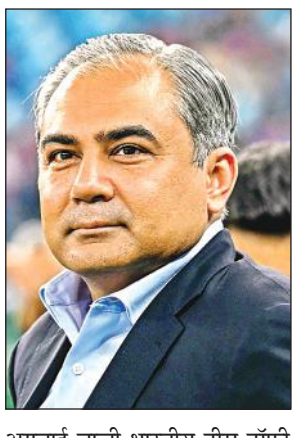

अगुवाई वाली भारतीय टीम ट्रॉफी और विजेता पदक प्राप्त करेगी या नहीं। यह गतिरोध एशिया कप फ़ाइनल में भारत की जीत के बाद एक तनावपूर्ण क्षण से उपजा है, जब नकवी, जो पीसीबी अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं, पुरस्कार वितरण के लिए पोडियम पर आए। हालाँकि, भारतीय टीम ने उनसे ट्रॉफी और पदक स्वीकार करने से इनकार कर दिया, जिससे समारोह में एक घंटे से ज्यादा की देरी हुई। अंत में, कुलदीप यादव, तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों से अपने-अपने पुरस्कार प्राप्त किए, जबकि ट्रॉफी को एसीसी के एक अधिकारी अपने साथ ले गए।

भारतीय खिलाड़ियों ने मंच पर जश्न मनाया, लेकिन बिना किसी पदक के। यह विवाद टूर्नामेंट के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच हफ्तों से चल रहे तनावपूर्ण संबंधों का एक और उदाहरण है, जिसमें मैदान पर तनाव पहलगाम आतंकवादी हमले, भारत द्वारा सीमा पार हमलों के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने और दोनों देशों के बीच चार दिनों तक चले सैन्य गतिरोध के बाद द्विपक्षीय संबंधों में आई कड़वाहट को दर्शाता है।

बीसीसीआई से कभी माफी नहीं मांगी

नकवी ने कहा मैं यह साफ कर देना चाहता हूं: मैंने कुछ गलत नहीं किया और मैंने बीसीसीआई से कभी माफी नहीं मांगी और ना ही कभी मांगूंगा। आशीष शेलार और राजीव शुक्ला ने एसीसी की एजीएम में बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व किया था जहां उन्होंने सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को ट्रॉफी नहीं देने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को हराया था। नकवी ने मंगलवार को बीसीसीआई अधिकारियों से कहा था कि वह ट्रॉफी भारतीय टीम को देने के लिए तैयार हैं। हालांकि एजीएम में इस मुद्दे पर कोई फैसला नहीं लिया गया जिससे बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारी और नाराज हो गए। बीसीसीआई इस मामले को आईसीसी के सामने रखेगा।